आईपीएल 2026 में फ्लॉप रहे... 09

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मेरे लिए लुक्खे में गुरबानी का... 11

वर्ष - 02, अंक - 60 | गाजियाबाद / बुधवार 03 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

अमेरिका के आयोवा में गोलीबारी, 6 मरे

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका में आयोवा के मस्कटाइन में अलग-अलग जगहों पर फायरिंग के बाद संदिग्ध बंदूकधारी समेत 6 लोग मृत पाए गए। मस्कटाइन पुलिस ने बताया कि स्थानीय समयानुसार (1712 जीएमटी) के हिसाब से दोपहर करीब 12:12 बजे एक घर में गोलीबारी की खबर मिलने पर अधिकारी मौके पर पहुंचे। यहां घर के अंदर चार लोगों को घायलावस्था में पाया। चारों को मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया। जांच कर्मियों ने 52 साल के आदमी की पहचान संदिग्ध के तौर पर की, जो अधिकारियों के पहुंचने से पहले घर से निकल गया था और बाद में रिवरफ्रंट ट्रेल पर घायल हालत में मिला। उसने खुद को गोली मारी थी। उसे भी मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया। जांच के दौरान पुलिस अधिकारियों को दूसरे घर में एक और स्थानीय बाजार में एक और शव मिला। पुलिस ने बयान जारी कर कहा कि शुरूआती जांच से पता चलता है कि गोलीबारी घरेलू झगड़े की वजह से हुई थी। इस पूरे मामले को लेकर जांच जारी है।

केन्द्र ने सेबी के दो पूर्णकालिक सदस्यों के लिए मांगे आवेदन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) में दो पूर्णकालिक सदस्य (डब्ल्यूटीएम) पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) ने आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित की है। वित्त मंत्रालय के अधीन आने वाले डीईए की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया कि चयनित उम्मीदवारों के पास सरकार के अतिरिक्त सचिव के बराबर वेतन प्राप्त करने या आवास और वाहन सुविधाओं को छोड़कर 5 लाख रुपए प्रति माह के समेकित वेतन का विकल्प होगा। मौजूदा समय में बाजार नियामक संस्था में चार पूर्णकालिक सदस्य हैं जिनमें अमरजीत सिंह, कमलेश चंद्र वर्शनी, संदीप प्रधान और के.वी.आर. मूर्ति शामिल हैं। सिंह और वर्शनी का तीन साल का कार्यकाल सितंबर में समाप्त होने वाला है, हालांकि, दोनों 65 वर्ष की निर्धारित आयु सीमा के अधीन पुनर्नियुक्ति के पात्र हैं।

डेढ़ साल के मासूम की पीट-पीटकर हत्या, सौतेले पिता गिरफ्तार

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के नेदुमंगड क्षेत्र में मानवता को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। यहां डेढ़ साल के मासूम बच्चे की कथित तौर पर उसके सौतेले पिता ने बेरहमी से पिटाई कर हत्या कर दी। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि बच्चे की मां की भूमिका की भी जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार, 29 मई की शाम को गंभीर हालत में बच्चे अर्शीद को पहले पनावूर के एक निजी अस्पताल और बाद में श्री अविट्टम थिरुनल (एसएटी) अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपी सौतेले पिता अशकर ने अस्पताल कर्मियों को बताया था कि खाना खाते समय दम घुटने के कारण बच्चा बेहोश हो गया था। हालांकि बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत और शरीर पर मौजूद चोटों को देखकर परिजनों ने संदेह जताया, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि मासूम की मौत दम घुटने से नहीं, बल्कि लगातार की गई पिटाई के कारण हुई आंतरिक रक्तस्राव (इंटरनल ब्लीडिंग) से हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार बच्चे के शरीर पर 51 गंभीर चोटों के निशान पाए गए।

जांच में यह भी सामने आया कि बच्चे के निजी अंगों पर गंभीर चोट थी और पैरों पर सिगरेट से दागे जाने के निशान मिले हैं। चिकित्सकों ने इसे अत्यंत क्रूर शारीरिक प्रताड़ना का मामला बताया है।

फाजिलनगर अब पावागढ़ के नाम से जाना जाएगा : मुख्यमंत्री

लखनऊ/कुशीनगर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कुशीनगर दौरे के दौरान एक बड़ी घोषणा करते हुए फाजिलनगर का नाम बदलकर पावागढ़ करने का ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह क्षेत्र भगवान महावीर की तपोभूमि और ऐतिहासिक विरासत का प्रतीक है, इसलिए इसे पावागढ़ के रूप में नई पहचान दी जाएगी।

कुशीनगर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 424 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 278 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के विकास, सांस्कृतिक विरासत और सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुशीनगर केवल एक जनपद नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। उन्होंने कहा कि यह भगवान राम के पुत्र कुश, भगवान बुद्ध और भगवान महावीर की पावन भूमि है। ऐसे ऐतिहासिक महत्व वाले क्षेत्र को उसकी पहचान के अनुरूप सम्मान मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि फाजिलनगर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों की लंबे समय से यह मांग थी कि क्षेत्र को उसकी ऐतिहासिक पहचान से जोड़ा जाए। इसी भावना का सम्मान करते हुए सरकार ने फाजिलनगर को पावागढ़ के रूप में मान्यता देने का निर्णय लिया है।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार विकास और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को साथ लेकर चल रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के धार्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन स्थलों को नई पहचान देने के साथ-साथ वहां आधुनिक सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुशीनगर आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। यहां सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और बुनियादी ढांचे से जुड़ी अनेक परियोजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है।

अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश पहचान और विकास के संकट से जूझ रहा था। प्रदेश में अपराधियों और माफियाओं का बोलबाला था तथा आम जनता भय के माहौल में जीवन जीने को मजबूर थी।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों की नीतियों के कारण किसान परेशान थे, युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा था और गरीबों को बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ता था। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि उस समय भू-माफिया, खनन माफिया और अन्य आपराधिक तत्व प्रदेश की व्यवस्था पर हावी थे।

'यूपी से माफिया और मच्छर दोनों खत्म किए'

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार ने कानून-व्यवस्था को मजबूत किया है और प्रदेश को अपराध तथा माफिया राज से मुक्त करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर कानून का राज स्थापित किया है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, "आज उत्तर प्रदेश में न तो माफिया का आतंक है और न ही अराजकता का माहौल। हमारी सरकार ने यूपी से माफिया और मच्छर दोनों को खत्म करने का काम किया है।"

278 विकास परियोजनाओं की सौगात

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 424 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली 278 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई और अन्य जनकल्याणकारी योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी और लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा। मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि आने वाले वर्षों में कुशीनगर और पावागढ़ क्षेत्र विकास, पर्यटन और सांस्कृतिक पहचान के नए आयाम स्थापित करेंगे।

दो बसों की टक्कर से बस में लगी आग, पांच की मौत, 10 घायल

सूरत, एजेंसी। गुजरात के सूरत जिले में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से अधिक लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना बारडोली तालुका के उवा गांव के पास नेशनल हाईवे-53 पर महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की दो बसों के बीच हुई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि एक बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई और उसमें आग लग गई। आग तेजी से फैलने के कारण बस में सवार कई यात्री फंस गए, जिससे घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

बारडोली ग्रामीण पुलिस निरीक्षक पी.एन. जडेजा ने बताया कि दोनों बसें महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम की थीं। प्रारंभिक जांच में दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि बसों की आमने-सामने टक्कर हुई या वे एक ही दिशा में चल रही थीं।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। आग बुझाने के साथ-साथ बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने का अभियान चलाया गया। अधिकारियों को आशंका है कि आग की चपेट में आए वाहन के भीतर कुछ और यात्री फंसे हो सकते हैं।

हादसे में घायल हुए 10 से अधिक लोगों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना की जानकारी मिलते ही सूरत और पड़ोसी तापी जिले की पुलिस टीमें भी मौके पर पहुंच गईं। स्थानीय लोगों ने बचाव कार्य में सहयोग करते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है और विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

फेमा उल्लंघन मामला: वेदांता समूह से जुड़े परिसरों पर ईडी के छापे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत चल रही जांच के सिलसिले में दिल्ली और मुंबई में वेदांता समूह से जुड़े दो ठिकानों पर तलाशी ली। वरिष्ठ अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, ये तलाशी अभियान कथित तौर पर समूह की कंपनियों द्वारा अपनी मूल कंपनी को किए गए 'ब्रांड फीस भुगतान' से जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि जांच एजेंसी ने उन कथित लेन-देन से संबंधित दस्तावेज और रिकॉर्ड एकत्र किए हैं, जिनकी जांच फेमा के प्रावधानों के तहत की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, ईडी की टीमों ने दिल्ली और मुंबई में एक-एक स्थान पर तलाशी ली। यह अभियान सोमवार को शुरू हुआ था और अब पूरा हो चुका है।

उत्तर भारत में आज से फिर बदलेगा मौसम

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर भारत में एक बार फिर मौसम में बदलाव आने जा रहा है। 3 व 4 जून को हरियाणा और पंजाब सहित राजस्थान,दिल्ली एनसीआर व उत्तरप्रदेश में तेज आँधी का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र चंडीगढ़ ने इस दौरान आमजन को सावधान रहने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार 3 और 4 जून को पश्चिमी और दक्षिणी हरियाणा में धूलभरी आंधी, तेज गरज-चमक और बिजली गिरने की आशंका है। इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसी प्रकार पंजाब व राजस्थान में भी मौसम रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक बदले मौसम का असली असर 3 जून से दिखना शुरू होगा, जब हिसार, भिवानी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी और गुरुग्राम सहित आसपास के क्षेत्रों में तेज हवाएं चल सकती हैं। इन इलाकों में हवा की गति 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है।

मौसम विशेषज्ञों ने गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की भी चेतावनी दी है। 4 जून को भी प्रदेश के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में स्थिति गंभीर बनी रह सकती है। तेज हवाओं और धूलभरी आंधी के कारण दृश्यता में अचानक कमी आने की आशंका है, जिससे सड़क और हाईवे यातायात प्रभावित हो सकता है।आंधी की तीव्रता में कमी आने लगेगी। इस दिन अलर्ट का स्तर घटाकर येलो कर दिया जाएगा और हवाओं की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहने का अनुमान है।

उत्तर हरियाणा के अंबाला, पंचकुला और यमुनानगर सहित कई जिलों में मौसम साफ होने की संभावना है। 6 जून तक सुदूर पश्चिमी हिस्सों को छोड़कर पूरा राज्य सामान्य स्थिति में लौट सकता है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि तेज आंधी के दौरान घरों के भीतर ही रहें, वाहनों को पेड़ों, बिजली के खंभों और साइनबोर्डों के नीचे खड़ा न करें तथा हाईवे पर यात्रा करते समय विशेष सावधानी बरतें।

डीके शिवकुमार आज लेंगे कर्नाटक सीएम पद की शपथ मंत्री पद के लिए दौड़ तेज

■ 40 विधायक दिल्ली में डटे

बेंगलुरु/नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक मंत्रिमंडल में महज उपलब्ध 10 मंत्री पदों की होड़ में शामिल कांग्रेस के 40 विधायकों ने नई दिल्ली को राज्य की राजनीति का मुख्य केंद्र बना दिया है। इस कारण बुधवार को मनोनीत मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह से पहले लॉबिंग और उच्च स्तरीय विचार-विमर्श का दौर तेज हो गया। कांग्रेस आलाकमान की ओर से मंत्रिमंडल के गठन को अंतिम रूप दिया जाना हालांकि अभी बाकी है। ऐसे में 40 से अधिक विधायक नई सरकार में शामिल होने का दावा ठोंकने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में डेरा डाले हुए हैं। दावेदारों की इस भारी भीड़ ने मंत्रिमंडल गठन की कवायद को पेचीदा बना दिया है। इससे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच कई दौर की बैठकें करने की नौबत आ गई है। सूत्रों का कहना है कि मंत्रिमंडल विस्तार का पहला चरण 8 से 10 मंत्रियों तक ही सीमित रहने की संभावना है, जिससे बड़ी संख्या में उम्मीद लगाये बैठे नेताओं को निराशा हाथ लग सकती है और सत्तारूढ़ दल के भीतर प्रतिस्पर्धा और बढ़ सकती है। मंत्रियों के पदों के लिए मचे इस घमासान ने शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को भी पीछे छोड़ दिया है। इस समय दिल्ली के होटल, गेस्ट हाउस और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के आवास राजनीतिक गतिविधियों के मुख्य केंद्र बने हुए हैं।

सीबीएसई री-इवैल्यूएशन पोर्टल पर साइबर हमले की कोशिश नाकाम

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के कक्षा 12वीं री-इवैल्यूएशन पोर्टल पर मंगलवार को भारी ट्रैफिक के दौरान साइबर हमले की कोशिश की गई। बोर्ड के अनुसार कुछ दुर्भावनापूर्ण तत्वों ने पोर्टल की सेवाओं को प्रभावित करने के लिए लगातार साइबर अटैक किए, लेकिन तकनीकी टीमों की सतर्कता के चलते आवेदन प्रक्रिया सुचारु रूप से जारी रही। सीबीएसई ने बताया कि री-इवैल्यूएशन पोर्टल वर्तमान में एक समय में 8,000 से अधिक रीयल टाइम यूजर्स को संभालने में सक्षम है। मंगलवार दोपहर तीन बजे तक 16,000 से ज्यादा छात्र सफलतापूर्वक अपने आवेदन जमा कर चुके थे। बोर्ड के मुताबिक पोर्टल पर डिनायल ऑफ सर्विस अटैक की कोशिश की गई, जिसके दौरान मात्र दो मिनट में करीब 15 लाख हिट दर्ज की गईं।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

आयोजित कर रहा है

आवासीय, व्यवसायिक एवं अन्य प्रकार के भूखण्डों की भव्य नीलामी

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं में अनिस्तारित/रिक्त/नवसृजित विभिन्न श्रेणी के औद्योगिक/व्यवसायिक/आवासीय भूखण्डों के साथ-साथ कन्वीनियेन्ट शॉपिंग भूखण्ड, दुकान भूखण्ड, ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड, ओल्ड एज होम, सामुदायिक केन्द्र भूखण्ड, शिक्षण संस्थान, हॉस्पिटल भूखण्ड इत्यादि भूखण्डों को नीलामी के माध्यम से प्राप्त किये जाने का सुनहरा अवसर।

आवेदन प्रारम्भ की तिथि दिनांक-03.06.2026 से 17.06.2026 तक

नीलामी दिनांक: 20.06.2026
नीलामी स्थल- हिन्दी भवन, लोहिया नगर, गाजियाबाद
समय:- प्रातः 11:00 बजे से

क्र0सं0	योजना का नाम	सम्पत्ति का प्रकार
1	कोयल एन्क्लेव योजना	3 ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड, 2 प्राइमरी/नर्सरी स्कूल भूखण्ड, 1 हायर सेकेन्डरी स्कूल, 1 हेल्थ सैन्टर भूखण्ड
2	इन्द्रप्रस्थ योजना पॉकेट एच	7 व्यसायिक भूखण्ड
3	इन्दिरापुरम योजना न्यायखण्ड-1	27 व्यवसायिक भूखण्ड, 1 हॉस्पिटल भूखण्ड
4	इन्दिरापुरम योजना अभय खण्ड	1 व्यवसायिक भूखण्ड
5	इन्दिरापुरम विस्तार ब्लॉक-ए	19 आवासीय भूखण्ड, 2 व्यवसायिक भूखण्ड
6	इन्दिरापुरम विस्तार ब्लॉक-बी	5 आवासीय भूखण्ड
7	इन्दिरापुरम योजना शक्तिखण्ड-4	1 क्योस्क भूखण्ड, 1 होटल भूखण्ड
8	इन्दिरापुरम योजना न्यायखण्ड-3	1 कन्वीनियेन्ट शॉपिंग भूखण्ड
9	इन्दिरापुरम योजना ज्ञान खण्ड-3	6 दुकान भूखण्ड
10	वैशाली योजना सैक्टर-3	1 सामुदायिक केन्द्र भूखण्ड
11	वैशाली योजना सैक्टर-6	1 सामुदायिक केन्द्र भूखण्ड, 1 ओल्ड एज होम भूखण्ड, 1 हैल्थ सेन्टर भूखण्ड
12	कौशाम्बी योजना	1 व्यवसायिक भूखण्ड, 1 प्राइमरी स्कूल भूखण्ड
13	कर्पूरीपूरम योजना	1 होटल भूखण्ड, 1 ओल्ड एज होम भूखण्ड
14	अम्बेडकर रोड डिस्ट्रिक्ट सैन्टर	10 व्यवसायिक भूखण्ड
15	यू0पी0 बार्डर पॉकेट ए	4 दुकान भूखण्ड
16	मधुबन बापूधाम योजना	3 औद्योगिक भूखण्ड

नोटः उपरोक्त प्रस्तावित सम्पत्तियों की संख्या अनुमानित है, जो घट-बढ़ सकती है, जिसकी सूचना प्राधिकरण वेबसाईट पर भी अपलोड कर दी जायेगी।

उपरोक्त सम्पत्तियों के सापेक्ष नीलामी में प्रतिभाग किये जाने हेतु प्राधिकरण की वेबसाईट www.gdaghaziabad.in पर दिनांक 03.06.2026 से 17.06.2026 तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन आमंत्रित किये जायेगें तथा ऑफलाइन आवेदन हेतु एच०डी०एफ०सी० बैंक लि० की मुख्य शाखा-आर०डी०सी० राजनगर, जनपद-गाजियाबाद से निर्धारित शुल्क जमा कराकर आवेदन विवरण पुस्तिका (ब्रोशर) प्राप्त/जमा किये जाने है, जिसके अनुसार प्राधिकरण द्वारा दिनांक 20.06.2026 को प्रस्तावित सम्पत्तियों की नीलामी लोहियानगर, गाजियाबाद स्थित हिन्दी भवन में प्रातः 11:00 बजे से आयोजित की जायेगी।

विवेक कुमार मिश्र
पी0सी0एस0
सचिव गा.वि.प्रा.

नन्द किशोर कलाल
आई0ए0एस0
उपाध्यक्ष गा.वि.प्रा.

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (ISO 9001:2015 एवं ISO 14001:2015 प्रमाणित संस्था)
वेबसाइट: www.gdaghaziabad.in
विकास पथ, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
हेल्पलाईन नं: 0120-4418384 , व्हाट्सएप :9990988004
ई-मेल : helplinegda@gmail.com :@Gda Ghaziabad :gdagzb

ट्विशा शर्मा केस: गिरिबाला सिंह और समर्थ को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

● कोर्ट में दोनो पक्षों में तीखी बहस

भोपाल (एजेंसी)। ट्विशा शर्मा केस में मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान अदालत में कई अहम् घटनाक्रम सामने आए। सीबीआई ने गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह की रिमांड अवधि समाप्त होने पर उनके लिए आगे की पुलिस रिमांड की मांग नहीं की। इसके बाद अदालत ने दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

सुनवाई के दौरान गिरिबाला सिंह ने अदालत में मीडिया ट्रायल को लेकर गंभीर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि वे जहां भी जा रहे हैं, मीडिया उनके पीछे पहुंच रही है। गिरिबाला ने अदालत से अनुरोध किया कि इस तरह की कवरेज पर रोक लगाई जाए, क्योंकि इससे उनके परिवार की सुरक्षा प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें और उनके परिवार को अपनी जान का खतरा महसूस हो रहा है।

गिरिबाला ने हाल ही में हुए सीन-रीक्रिएशन को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने अदालत को बताया कि उस दौरान उन्हें उनके घर से करीब तीन मकान पहले उतारा गया और मीडिया को इसकी फुटेज उपलब्ध कराई गई। उनका कहना था कि यदि जांच एजेंसी को उनके घर तक जाना था तो वाहन सीधे उनके घर के सामने भी रोका जा सकता था।

सुनवाई के दौरान अदालत कक्ष में दोनों पक्षों के वकीलों के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली। इसी दौरान गिरिबाला सिंह ने आरोप लगाया कि उनके बेटे समर्थ सिंह के साथ जबलपुर कोर्ट परिसर में मारपीट की गई थी। इस दावे पर ट्विशा पक्ष के वकीलों ने कड़ा विरोध जताया। उन्होंने अदालत में कहा कि जबलपुर कोर्ट परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं और यदि ऐसी कोई घटना हुई है, तो फुटेज की जांच कराई जा सकती है। वकीलों ने यह भी कहा कि समर्थ सिंह को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह उस समय कोर्ट परिसर में कहां मौजूद थे।

मामले की सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों ने अपने-अपने तर्क अदालत के समक्ष रखे। अब गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह न्यायिक हिरासत में रहेंगे, जबकि मामले की जांच और कानूनी प्रक्रिया आगे जारी रहेगी।

महाराष्ट्र और बंगाल में महिलाओं की योजना का लाखों अपात्र लोग ले रहे लाभ

राज्य सरकारें जांच के जरिए वास्तविक लाभार्थियों की पहचान करने में जुटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिलाओं को आर्थिक सहायता देने के उद्देश्य से शुरू की गई सरकारी योजनाएं अब पात्रता और पारदर्शिता के सवालों के घेरे में हैं। महाराष्ट्र में लाड़की बहिन योजना से करीब 80 लाख लाभार्थियों के नाम हटाए जाने के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक बहस छिड़ गई है। वहीं पश्चिम बंगाल में भी लक्ष्मी भंडार योजना के तहत लाखों अपात्र लोगों के लाभ लेने का दावा किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं के लिए लाई गई इन योजनाओं का लाभ दोनों ही राज्यों में पुरुष भी ले रहे थे, जिसके बाद ये कदम उठाए गए हैं। दोनों राज्यों में सरकारें अब ई-केवाईसी, दस्तावेज सत्यापन और पात्रता की नई जांच के जरिए वास्तविक लाभार्थियों की पहचान करने में जुटी हैं, जिससे इन महत्वाकांक्षी कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। बता दें महाराष्ट्र में प्रदेश सरकार की लाड़की बहिन योजना को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है। राज्य सरकार ने अनिवार्य ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी न करने वाले करीब 80 लाख लाभार्थियों के खाते बंद कर दिए हैं। ये कार्रवाई योजना को लेकर आ रही शिकायत के बाद की गई है। इस योजना का फायदा अपात्र भी उठा रहे थे।

जांच में सामने आया था कि कुछ पुरुष और सरकारी कर्मचारी भी गलत तरीके से 1500 रुपए की मासिक राशि ले रहे थे। इस धांधली को रोकने के लिए वेरिफिकेशन और ई-केवाईसी का अभियान शुरू किया गया था। वेरिफिकेशन में एक तकनीकी पेच भी फंसा। रिपोर्ट के मुताबिक मराठी भाषा में पूछे गए एक सवाल के गलत जवाब की वजह से करीब 24 लाख महिलाओं को सरकारी कर्मचारी मान लिया गया था। हालांकि, बाद में हुई जांच में इनमें से 20 लाख महिलाएं पूरी तरह पात्र पाई गईं थीं।

प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना में लाभार्थियों की संख्या कम होने को लेकर महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा केवल ई-केवाईसी लंबित रहने से जुड़ा नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई अन्य कारण भी हैं। तटकरे ने बताया कि सरकार ने ई-केवाईसी के लिए शुरुआती समयसीमा तय की थी, जिसे बाद में कई बार बढ़ाया गया। कुल मिलाकर लाभार्थियों को करीब 8 से 10 महीने का समय दिया गया। उन्होंने कहा कि यह सत्यापन प्रक्रिया राज्य की सभी प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) योजनाओं में अपनाई जाती है, केवल लाड़की बहिन योजना तक सीमित नहीं है।

मंत्री तटकरे के मुताबिक पिछले 10 महीनों में किए गए डेटा सत्यापन में 11 से 12 लाख ऐसे लाभार्थी पाए गए, जिनकी वार्षिक आय 2.5 लाख रुपए से ज्यादा है। इसके अलावा करीब 4.75 से 5 लाख महिलाएं 65 साल की आयु सीमा पार कर चुकी हैं, जिसके कारण वे योजना के दायरे से बाहर हो गईं। तटकरे ने बताया कि करीब 14 हजार सरकारी कर्मचारी भी लाभार्थियों की सूची में शामिल पाए गए थे, इसके अलावा कुछ ऐसे किसान भी चिन्हित किए गए हैं, जो अन्य योजनाओं का लाभ भी ले रहे थे। करीब 3.25 लाख लाभार्थियों के नाम पर पंजीकृत वाहन भी पाए गए हैं।

वहीं, बीते हफ्ते पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने प्रदेश की लक्ष्मी भंडार को लेकर कहा था कि इस योजना का लाभ ले रहे कीरब 30 लाख लाभार्थी अपात्र हैं। इनमें से कई गैर-भारतीय हैं या उनके नाम वोटर लिस्ट से स्थायी रूप से हटाए जा चुके हैं। सीएम अधिकारी ने नई 'अन्नपूर्णा भंडार' योजना के लिए आवेदन फॉर्म जारी किया था। उन्होंने कहा कि पात्र महिलाओं को हर महीने 3,000 रुपए की वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस योजना के तहत अधिकारियों द्वारा आवेदन पत्रों का सत्यापन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत आवेदन किया है या एसआईआर से जुड़े ट्रिब्यूनल में वोटर लिस्ट में शामिल होने के लिए अपील की है, वे इस योजना के पात्र होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को बड़ी संख्या में शिकायतें मिली थीं कि जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हट चुके हैं और जिन्होंने ट्रिब्यूनल या सीएए के तहत आवेदन नहीं किया, वे भी योजना का लाभ ले रहे थे। सरकार 1 जून से 90 दिनों तक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से नामांकन प्रक्रिया शुरु कर दी है। पंचायत क्षेत्रों में अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने का अभियान भी शुरू किया जाएगा। सीएम अधिकारी ने दावा किया कि सत्यापन की कमी के कारण योजना में पुरुष लाभार्थियों के नाम भी शामिल हो गए थे। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं 2 जून तक सफलतापूर्वक नामांकन करा लेंगी, उन्हें अगले कैबिनेट बैठक के बाद डीबीटी के जरिए राशि भेजी जाएगी।

बार से सीधे सुप्रीम कोर्ट की जज बनेंगी वी. मोहना

-हिजाब बैन से लेकर सैन्य महिला अधिकारियों के मामलों तक की पैरवी

-शीर्ष अदालत में महिला जजों की संख्या बढ़कर दो होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की वरिष्ठ अधिवक्ता वेंकिता सुब्रमणि मोहना को सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश नियुक्त किए जाने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को मंजूरी दे दी। केंद्र सरकार द्वारा कॉलेजियम की सिफारिश स्वीकार किए जाने के बाद राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने से उनकी नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया। खास बात यह है कि वी. मोहना बार से सीधे सुप्रीम कोर्ट की जज बनने वाली दूसरी महिला होंगी। इससे पहले वर्ष 2018 में जस्टिस इंदु मल्होत्रा को वकालत से सीधे शीर्ष अदालत में न्यायाधीश नियुक्त किया गया था।

59 वर्षीय वी. मोहना का न्यायिक और विधिक क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने वर्ष 1988 में कोयंबटूर लॉ कॉलेज से कानून की पढ़ाई पूरी की और तब से लगातार वकालत कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2015 में उन्हें वरिष्ठ अधिवक्ता (सीनियर एडवोकेट) का दर्जा प्रदान किया था। अपने करियर के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण और चर्चित मामलों में पक्ष रखा। इनमें सशस्त्र बलों में महिला अधिकारियों की सेवा शर्तों से जुड़े मामले, वरिष्ठ नागरिकों के संपत्ति अधिकारों से संबंधित विवाद तथा कर्नाटक में हिजाब प्रतिबंध से जुड़े प्रकरण प्रमुख रहे हैं।

वी. मोहना की नियुक्ति के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में महिला न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर दो हो जाएगी। पिछले कई महीनों से जस्टिस बी. वी. नागरत्ना शीर्ष अदालत की एकमात्र महिला जज थीं। जस्टिस नागरत्ना अगस्त 2021 से सुप्रीम कोर्ट में कार्यरत हैं और वर्ष 2027 में देश की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश बनने की संभावना रखती हैं।

सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में वी. मोहना 12वीं महिला न्यायाधीश होंगी। इससे पहले जस्टिस एम. फातिमा बीवी 1989 में शीर्ष अदालत की पहली महिला जज बनी थीं। वहीं, जस्टिस इंदु मल्होत्रा बार से सीधे नियुक्त होने वाली पहली महिला न्यायाधीश थीं।

दिल्ली के मुकुंदपुर में सिलेंडर फटने से ढहा मकान

-मलबे से सुरक्षित निकाले गए छह लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भलस्वा डेरी के पास मुकुंदपुर इलाके से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। यहाँ के इशु विहार की गली नंबर 1 में सुबह अचानक एक एलपीजी सिलेंडर फट गया, जिसके बाद जोरदार धमाका हुआ। धमाका इतना भीषण था कि लगभग 250 वर्ग गज में बना एक मंजिला मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गया। इस घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की पाँच गाड़ियाँ तुरंत मौके पर पहुँचीं। आपातकालीन और बचाव टीमों ने स्थानीय लोगों की मदद से फौरन सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। राहत की बात यह रही कि अब तक मलबे के नीचे से दो महिलाओं सहित कुल छह लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इनमें से दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी बीएसए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि इस मकान में कुछ मजदूर अपने परिवार के साथ रहते थे। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और मलबे को हटाया जा रहा है।

बांद्रा में बिना अनुमति उड़ाए सैकड़ों ड्रोन, पुलिस ने मैनेजर को हिरासत में लिया

-ड्रोन समेत अन्य उपकरण जब्त, एक ड्रोन की कीमत करीब 80 हजार रुपए

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में बांद्रा पश्चिम में बड़े पैमाने पर बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि मुंबई पुलिस आयुक्त द्वारा जारी निषेधाज्ञा और सुरक्षा संबंधी नियमों की अनदेखी करते हुए मैदान में करीब 200 से 250 ड्रोन उड़ाकर वीडियो शूटिंग की जा रही थी सूचना मिलने पर बांद्रा पुलिस की टीम ने मौके पर छापेमारी कर एक निजी कंपनी के मैनेजर को हिरासत में लिया और बड़ी संख्या में ड्रोन समेत अन्य उपकरण जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक 28 मई की रात बांद्रा पुलिस स्टेशन के डिटेक्शन स्टाफ को सूचना मिली थी कि बांद्रा पश्चिम स्थित विंग्स स्पोर्ट क्लब ग्राउंड में बड़ी संख्या में ड्रोन उड़ाकर वीडियो शूटिंग की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो आसमान में सैकड़ों ड्रोन उड़ते हुए दिखाई दिए। इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई कर ड्रोन संचालन रुकवाया और मौके पर मौजूद व्यक्ति को हिरासत में लिया जिसकी पहचान गोपाल नारायण सिंह (45) के रूप में हुई, जो दक्षिण दिल्ली के संगम विहार का रहने वाला है। उसने पुलिस को बताया कि वह बोल्डसन मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड में मैनेजर के पद पर कार्यरत है और कंपनी के विज्ञापन के लिए ड्रोन आधारित शूटिंग की जा रही थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस पूछताछ में गोपाल से ड्रोन संचालन की अनुमति, आवश्यक लाइसेंस और मुंबई पुलिस आयुक्त कार्यालय से प्राप्त मंजूरी से जुड़े दस्तावेज मांगे गए। हालांकि वह कोई वैध अनुमति पत्र या अधिकृत दस्तावेज पेश नहीं कर सका। जांच में कंपनी के एक अन्य पदाधिकारी सुनील गुप्ता का नाम भी सामने आया है, जो कई विभागों से अनुमति लेने की प्रक्रिया देखता था। आरोप है कि मंजूरी प्राप्त किए बिना ही ड्रोन शो और शूटिंग शुरू कर दी गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने बड़ी संख्या में हाई-टेक ड्रोन, कंट्रोल सिस्टम, ऑपरेटिंग किट और एक लैपटॉप जब्त किया है।

आरे में अवैध दरगाह पर चला बुलडोजर, 70,000 वर्ग फुट सरकारी जमीन मुक्त

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के गोरेगांव (पूर्व) स्थित आरे मिल्क कॉलोनी (यूनिट 32) में स्थित हजरत सैयद बरकत अली शाह बाबा दरगाह पर जिला प्रशासन ने बड़ा एक्शन लिया है। करीब 70,000 वर्ग फुट सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बनी दरगाह को ध्वस्त करने के लिए तीन बुलडोजर चलाए गए। यह कार्रवाई सुबह 11 बजे के बाद शुरू हुई और इसके मद्देनजर पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। आरोप है कि यह दरगाह दशकों से सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर बनाई गई थी, जबकि लोग इस दरगाह को पुरानी और वैध बताने का दावा कर रहे थे। आरे कॉलोनी एक सुरक्षा संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है, और ध्वस्तीकरण के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। सुरक्षा एजेंसियों ने कथित तौर पर संभावित सुरक्षा जोखिमों के बारे में जिला प्रशासन को पहले ही पत्र लिखकर अवगत कराया था, जिसके बाद प्रशासनिक स्तर पर इस मामले की कड़ी निगरानी की जा रही थी। इस मुद्दे को बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने पिछले साल अप्रैल में प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने आरे कॉलोनी में कथित अवैध दरगाह और अतिक्रमण पर कार्रवाई की मांग की थी, जिसके बाद यह मामला काफी सुर्खियों में रहा। बीजेपी नेता सोमैया ने कार्रवाई से कुछ ही दिन पहले इस दरगाह का दौरा भी किया था।

सीएम योगी ने फाजिलनगर का नाम बदलकर पावागढ़ किया

कुशीनगर (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के कुशीनगर जिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को एक बड़ा ऐलान कर फाजिलनगर का नाम बदलकर पावागढ़ रखने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री योगी ने कुशीनगर की जनता को संबोधित कर ऐतिहासिक निर्णय की जानकारी दी, जिसका लोगों द्वारा लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। सीएम योगी ने कहा कि अब यह क्षेत्र फाजिलनगर नहीं बल्कि पावागढ़ के रूप में मान्यता प्राप्त करेगा और इस भगवान महावीर के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया, क्यों हम फाजिल कहे! और इस बदलाव को वर्तमान पीढ़ी का बड़ा सौभाग्य बताया। मुख्यमंत्री योगी ने संकेत दिया कि लोगों की मांग पर विधायक और सांसद मिलकर काम कर रहे थे, और अब नामकरण का प्रस्ताव भी आगे बढ़ा दिया गया है। अपने भाषण में मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण का जिक्र कर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि करीब 498 वर्ष पहले एक विदेशी आक्रांता ने राम मंदिर को तोड़ने का कुत्सित प्रयास किया था, और कई पीढ़ियों तक मंदिर निर्माण में बाधाएं आती रहीं। सीएम योगी ने स्पष्ट किया कि डबल इंजन की भाजपा सरकार के प्रयासों से ही राम मंदिर निर्माण का सपना साकार हो सका, जबकि कांग्रेस और सपा जैसे दल इसके मार्ग में रोड़े अटका रहे थे और घोषित रामद्रोही थे। मुख्यमंत्री योगी ने मतदाताओं की शक्ति पर जोर देकर कहा कि फाजिलनगर, पडरौना, खड्डा या हाटा जैसे क्षेत्रों में दिया गया एक-एक वोट लखनऊ और दिल्ली में अपनी ताकत दिखाता है। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि इसी वोट की शक्ति से अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण संभव हुआ, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 समाप्त हुई, और पाकिस्तान को थर्रा देने वाली मिसाइलों का निर्माण लखनऊ में हो रहा है।

वंदे मातरम के पांच अंतरे हर कार्यक्रम में अनिवार्य करना अनावश्यक और बोझिल

-शशि थरूर ने वंदे मातरम के सभी पांच अंतरे गाए जाने की अनिवार्यता पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने आधिकारिक कार्यक्रमों के शुरुआत और अंत में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सभी पांच अंतरे गाए जाने की अनिवार्यता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। केरल में राष्ट्रगीत के गायन को लेकर छिड़े एक नए विवाद के बीच, थरूर ने इस प्रथा को श्रोताओं के लिए अनावश्यक और बोझिल बताया है। केरल में राष्ट्रगीत के गायन को लेकर जारी विवाद के बीच थरूर ने कहा कि वंदे मातरम का सभी सम्मान करते हैं, लेकिन हर समारोह में इसके सभी अंतरे बजाने को अनिवार्य करना तर्कसंगत नहीं है।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम राष्ट्रगीत है और जब इसे गाया जाता है तो हम सम्मानपूर्वक खड़े हो जाते हैं। इसका पहला अंतरा या शुरुआती दो अंतरे, ज्यादातर लोगों को मुंह जुबानी याद होते हैं। थरूर ने कहा कि परंपरागत रूप से यह गीत किसी कार्यक्रम की शुरुआत में एक बार गाया जाता है, जबकि राष्ट्रगान अलग से, अक्सर अंत में बजाया जाता है। उन्होंने कहा कि अब वे चाहते हैं कि हर कार्यक्रम की शुरुआत में और अंत में पांचों अंतरे गाए जाएं। मुझे लगता है कि यह एक अनावश्यक थोपा हुआ नियम है। थारूर ने जोर दिया कि उन्हें राष्ट्रगीत से कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि हम सभी वंदे मातरम का सम्मान करते हैं। मैं खुशी-खुशी इसे आपके लिए गा सकता हूं।

बता दें वंदे मातरम की रचना बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 1870 के दशक में की थी। बाद में इसे उनके प्रसिद्ध बंगाली उपन्यास आनंदमठ (1882) में शामिल किया गया। यह मूल रूप से संस्कृत और बंगाली भाषा के मिश्रण में लिखा गया है। ब्रिटिश शासन के खिलाफ भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान यह गीत देशभक्ति का सबसे बड़ा प्रतीक बनकर उभरा। साल 1896 के कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने पहली बार इसे राजनीतिक मंच पर गाया था। 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने जन गण मन को राष्ट्रगान और वंदे मातरम को राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकार किया। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने घोषणा की थी कि वंदे मातरम को राष्ट्रगान के बराबर ही सम्मान दिया जाएगा।

राष्ट्रीय सैनिक समागम में गूंजा राष्ट्रीय एकता का संदेश

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। केंद्रीय सैनिक सेवा विश्राम बोर्ड, नरायणा स्थित सैनिक सेवा विश्राम गृह में नवचेतना फाउंडेशन एवं भारत भारती सैनिक प्रकोष्ठ के तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय सैनिक समागम का आयोजन किया गया। यह आयोजन भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती तथा गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में देशभर के 24 राज्यों और 150 शहरों में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा रहा। समागम में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं बुद्धिजीवियों ने सहभागिता कर राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुआ। रांची निवासी पूर्व सैनिक सुशील कुमार सिंह ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए अतिथियों, वीर नारियों और पूर्व सैनिकों का परिचय कराया। आयोजक यज्ञबल्क शर्मा, इरफान अहमद और विनोद त्रिपाठी ने सभी अतिथियों एवं पूर्व सैनिकों का पुष्पगुच्छ और माल्यार्पण कर स्वागत एवं सम्मान किया।

मुख्य अतिथि सुदर्शन कुमार, मुख्य अभियंता दिल्ली मेट्रो, ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की भाषाई, सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक विविधता के

बावजूद राष्ट्रीय एकता को अक्षुण्ण बनाए रखना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्रीय एकीकरण में दिए गए योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनके आदर्श आज भी देश को एक सूत्र में बांधे रखने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। उन्होंने गुरु तेग बहादुर के बलिदान को याद करते हुए कहा कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए उनका त्याग सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा।

पूर्व सैनिक मेजर संजय मेहरोत्रा ने कहा कि भारतीय सैनिक देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा के लिए किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के जवानों ने सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है और भविष्य में भी राष्ट्र की रक्षा के लिए समर्पित रहेंगे। भारत भारती के राष्ट्रीय सचिव रुद्रनारायण तिवारी ने संगठन की स्थापना से लेकर अब तक की यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि सैनिकों का अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और सेवा भाव समाज के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने तथा सेना में शामिल होकर देश सेवा करने के लिए प्रेरित करने पर बल दिया।

भारत भारती के उत्तर क्षेत्र प्रभारी इरफान अहमद ने कहा कि संगठन देश के प्रत्येक जिले तक पहुंचकर राष्ट्रीय एकता और विकसित भारत के संकल्प को सशक्त बनाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व में बढ़ती अशांति के बीच भारत ही शांति, सह अस्तित्व और मानवता का संदेश देकर विश्व का मार्गदर्शन कर सकता है। दिल्ली प्रांत के सचिव विनोद कुमार त्रिपाठी ने सरदार पटेल के त्याग, सादगी और राष्ट्र समर्पण का उल्लेख करते हुए युवाओं से उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया।

समागम में उत्तर भारत संगठन मंत्री विवेकानंद दीक्षित, अपूर्व पांडे, ईश्वर चंद्र झा, राजेंद्र सिंह, आनंद त्रिपाठी, जयनारायण सिंह यादव, अशोक बच्छावंदिया, हेमलता राठौर और वरीता नैथानी सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों, सामाजिक कार्यकताओं एवं प्रबुद्ध नागरिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर पूर्व सैनिकों के बच्चों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सैनिक समागम का समापन राष्ट्रगान तथा "भारत माता की जय" के गगनभेदी नारों के साथ हुआ। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्र की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का संकल्प भी दोहराया गया।

अन्नामलाई ने नितिन नवीन से की मुलाकात, अटकलों का दौर जारी

-राज्यसभा और संगठन में नई भूमिका को लेकर चर्चाएं गर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई के राजनीतिक भविष्य को लेकर चल रही अटकलों के बीच उनकी दिल्ली यात्रा ने नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। भाजपा छोड़कर नई पार्टी बनाने की अफवाहों के बीच अन्नामलाई ने पार्टी मुख्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और संगठन महामंत्री बीएल संन्तोष से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार बैठक में उनके संभावित नए दायित्वों और संगठन में भविष्य की भूमिका को लेकर चर्चा हुई।

जानकारी के मुताबिक भाजपा नेतृत्व ने अन्नामलाई को भरोसा दिलाया कि पार्टी उनकी क्षमता और संगठनात्मक योगदान के अनुरूप उन्हें आगे भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देती रहेगी। बताया जा रहा है कि दिल्ली प्रवास के दौरान वह पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं। अन्नामलाई की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब उनके भाजपा छोड़ने, नई राजनीतिक पार्टी बनाने अथवा राज्यसभा भेजे जाने जैसी संभावनाओं को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हैं। हालांकि उन्होंने इन अटकलों पर खुलकर कुछ भी कहने से इनकार किया है। दिल्ली आने से पहले पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने

केवल इतना कहा था, 'कृपया इंतजार कीजिए, दो दिन बाद हम बैठकर बात करेंगे।' उनके इस बयान ने राजनीतिक हलकों में उत्सुकता और बढ़ा दी है।

बहुत कम समय में पार्टी का प्रमुख चेहरा बने

पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई वर्ष 2020 में भाजपा में शामिल हुए थे। कम समय में ही उन्होंने तमिलनाडु में पार्टी के प्रमुख चेहरों में अपनी पहचान बनाई। वर्ष 2021 से 2025 तक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रूप में उन्होंने कई राज्यव्यापी अभियानों का नेतृत्व किया और युवाओं तथा सोशल मीडिया पर मजबूत जनाधार तैयार किया। हाल ही में संपन्न तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद उनके भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हुईं, क्योंकि पार्टी का प्रमुख चेहरा होने के बावजूद उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा। इसके अलावा कक्षा नौ के विद्यार्थियों के लिए त्रिभाषा नीति को लेकर केंद्र सरकार के निर्णय पर उनकी आलोचनात्मक टिप्पणी ने भी राजनीतिक बहस को हवा दी और पार्टी नेतृत्व के साथ उनके संबंधों को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए। फिलहाल भाजपा नेतृत्व और अन्नामलाई की बैठकों पर सभी की नजरें टिकी हैं। आने वाले दिनों में उनकी भूमिका को लेकर कोई महत्वपूर्ण घोषणा होने की संभावना जताई जा रही है।

नीट मामला और प्रशासनिक चूकों को लेकर युवा कांग्रेस का देशव्यापी आंदोलन

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से तत्काल हटाए जाने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली, पेपर लीक और प्रशासनिक चूकों को लेकर राजनीति तेज हो गई है। भारतीय युवा कांग्रेस ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ अपने देशव्यापी आंदोलन को और उग्र करने का ऐलान किया है। युवा कांग्रेस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को उनके पद से तत्काल हटाए जाने की अपनी मांग को दोहराया है। कांग्रेस की युवा इकाई ने साफ कहा है कि परीक्षाओं से जुड़े बार-बार के विवादों ने देश की शिक्षा व्यवस्था और चयन प्रक्रियाओं में छात्रों के भरोसे को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया है।

कांग्रेस की युवा इकाई ने कहा कि वह कई राज्यों में विरोध प्रदर्शनों का नया चरण शुरू करेगी जिसके तहत मशाल जुलूस निकाले जाएंगे, छात्रों से संपर्क करने के कार्यक्रम चलाए जाएंगे और प्रदर्शन एवं घेराव किया जाएगा। संगठन ने कहा कि परीक्षाओं संबंधी बार-बार पैदा होने वाले विवादों से शिक्षा व्यवस्था में छात्रों का भरोसा कमजोर हुआ है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब इस अभियान का नेतृत्व करने के लिए कई राज्यों का दौरा करेंगे। यह अभियान महाराष्ट्र, तेलंगाना, असम, हरियाणा, मध्य प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात, पंजाब और तमिलनाडु समेत कई राज्यों में चलाया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय युवा कांग्रेस ने आरोप लगाया कि विभिन्न भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने, परीक्षा संबंधी अनियमितताएं होने और प्रशासनिक चूक के कारण छात्रों को बार-बार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने परीक्षाएं कराने से जुड़ी संदिग्ध संस्थाओं को ठेके दिए जाने संबंधी खबरों पर भी चिंता जताई। भारतीय युवा कांग्रेस के प्रभारी मनीष शर्मा ने कहा कि इस देश के छात्र रोजगार, न्याय और जवाबदेही के हकदार हैं। इसके बजाय उन्हें प्रश्नपत्र लीक, अनिश्चितता और चरमराई हुई परीक्षा व्यवस्था मिली है। उन्होंने कहा कि संगठन अपना विरोध प्रदर्शन तब तक जारी रखेगा, जब तक जवाबदेही तय नहीं होती और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को हटाया नहीं जाता।

चिब ने सरकार पर छात्रों की चिंताओं को दूर करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि परीक्षाओं के पेपर लीक होने एवं अनियमितताओं के कारण युवा अभ्यर्थियों के भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि अब हम इस आंदोलन को पूरे देश में तेज कर रहे हैं। हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक पीएम मोदी धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करने के लिए मजबूर नहीं हो जाते।

पश्चिम बंगाल में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित करने की तैयारी

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। पश्चिम बंगाल में सरकार गठन के बाद भारतीय जनता पार्टी ने अपने वैचारिक आधार को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने की तैयारी की है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, जनसंघ के संस्थापक एवं प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की स्मृति में कोलकाता में 125 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। साथ ही पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस को 20 जून के रूप में मनाने की योजना पर भी विचार किया जा रहा है। भाजपा का मानना है कि पश्चिम बंगाल केवल एक राज्य नहीं, बल्कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि और कर्मभूमि भी है। ऐसे में उनकी विरासत को स्थायी रूप से संरक्षित और नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए यह पहल की जा रही है।

पार्टी नेताओं का कहना है कि जिस प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात के केवड़िया में सरदार वल्लभभाई पटेल की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का निर्माण कराया गया, उसी प्रकार कोलकाता में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भव्य प्रतिमा स्थापित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कोलकाता जाकर इस परियोजना का शिलान्यास कर सकते हैं। यदि 20 जून को प्रस्तावित बंगाल दिवस समारोह

में उनकी उपस्थिति संभव नहीं हो पाती है, तो प्रतिमा शिलान्यास कार्यक्रम में उनके शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

भाजपा का दावा है कि वर्ष 1951 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 20 जून को बंगाल स्थापना दिवस के रूप में मान्यता देने का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, बाद की सरकारों ने इस प्रस्ताव को लागू नहीं किया। पार्टी का कहना है कि अब उनकी सरकार बनने के बाद इस ऐतिहासिक प्रस्ताव को सम्मान देते हुए 20 जून को पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

भाजपा इस पहल को केवल स्मारक निर्माण तक सीमित नहीं मानती, बल्कि इसे बंगाल की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और राष्ट्रवादी चेतना से जोड़कर देख रही है। पार्टी के अनुसार, डॉ. मुखर्जी के विचारों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्यभर में विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विकास योजनाओं के साथ-साथ भाजपा अपनी वैचारिक पहचान को सुदृढ़ करने की रणनीति पर भी काम कर रही है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रस्तावित प्रतिमा और 20 जून को बंगाल दिवस मनाने की पहल को इसी व्यापक राजनीतिक एवं वैचारिक दृष्टिकोण का हिस्सा माना जा रहा है।

गाजियाबाद को जल्द मिलेगी संस्कृत दर्शन पार्क की भव्य सौगात : जीडीए उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल ने परखी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता

जून में ही जनता को समर्पित करने का लक्ष्य, नई पीढ़ी को मिलेगी गौरवशाली इतिहास की झलक

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा महानगर को एक नई और भव्य सांस्कृतिक पहचान देने की तैयारी अंतिम चरण में है। भारतीय संस्कृति, प्राचीन ज्ञान परंपरा और संस्कृत भाषा के गौरवशाली इतिहास को समर्पित शहर के महत्वाकांक्षी संस्कृत दर्शन पार्क का निर्माण कार्य अब पूर्णता की ओर है। मंगलवार को जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल ने अभियंत्रण अधिकारियों और कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों के साथ इस महाप्रोजेक्ट का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त करते हुए इसे इसी महीने (जून 2026) के अंत तक पूरी तरह तैयार कर जनता को सौंपने के कड़े निर्देश दिए हैं।

14 करोड़ की लागत, 10 महीने में बनकर तैयार

अगस्त 2025 में जीडीए ने इस विशिष्ट परियोजना की नींव रखी थी। लगभग 14 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा यह पार्क गाजियाबाद के लिए किसी बड़ी सौगात से कम नहीं है। यह सिर्फ एक सामान्य उद्यान नहीं होगा, बल्कि भारतीय दर्शन और वैदिक ज्ञान का एक ऐसा आधुनिक केंद्र होगा, जो देश विदेश के पर्यटकों को भी आकर्षित करेगा।

आधुनिकता और प्राचीनता का अद्भुत संगम

निरीक्षण के दौरान जीडीए उपाध्यक्ष ने पार्क में बन रही थीम आधारित संरचनाओं, आकर्षक लैंडस्केपिंग, पाथवे, वाटर बॉडीज और अत्याधुनिक प्रकाश व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा की। इस पार्क में वेदों, उपनिषदों, महाकाव्यों और संस्कृत के श्लोकों को बेहद कलात्मक और आधुनिक तरीके से प्रदर्शित किया जा रहा है। इसके अलावा यहाँ शानदार फाउंटेन, ओपन एयर एक्टिविटी जोन, पर्यटकों के बैठने के लिए आधुनिक व्यवस्था और सुरम्य वातावरण विकसित किया जा रहा है, जो इसे शहर का सबसे प्रमुख आकर्षण केंद्र बनाएगा।

जीडीए उपाध्यक्ष के दो टूक निर्देश

जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल ने इंजीनियरिंग टीम को दो टूक निर्देश दिए हैं कि निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सौंदर्यीकरण, जनसुविधाओं, हरित क्षेत्र के विकास, स्वच्छता और सुरक्षा प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा है। उनका स्पष्ट विजन है कि यह पार्क गाजियाबाद की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा और युवाओं को अपनी जड़ों व प्राचीन विरासत से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बनेगा।

लगातार मॉनिटरिंग के निर्देश

परियोजना को निर्धारित समय यानी इसी महीने के भीतर सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने और आपसी समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि निर्माण कार्य में कोई तकनीकी या प्रशासनिक अड़चन आती है, तो उसका तत्काल समाधान निकाला जाए ताकि शहरवासियों को जल्द से जल्द इस भव्य पार्क का लाभ मिल सके।

उद्योगपति नरेंद्र कबाड़ी के घर डकैती: परिवार को बंधक बनाकर सवा किलो सोना और लाखों की नकदी लूटी

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ में सोमवार देर रात एक बड़ी डकैती की वारदात ने पुलिस और व्यापारिक जगत को हिला दिया। गढ़ रोड स्थित उद्योगपति एवं रियल एस्टेट कारोबारी नरेंद्र कबाड़ी के घर चार हथियारबंद नकाबपोश बदमाशों ने धावा बोलकर पूरे परिवार को बंधक बना लिया और करीब 45 मिनट तक लूटपाट की। बदमाश सवा किलो सोने के आभूषण, लाखों रुपये की नकदी और एक बाइक लूटकर फरार हो गए।

घटना रात करीब 11:30 बजे की है। नरेंद्र कबाड़ी का पोता सिद्धांत अपने मित्र के साथ घर लौटा था। जैसे ही मुख्य गेट खुला, पहले से घात लगाए बैठे चार बदमाश अंदर घुस आए। बदमाशों ने सिद्धांत और चौकीदार श्याम कुमार को हथियारों के बल पर कब्जे में ले लिया और उन्हें घर के अंदर ले गए। बदमाशों ने सिद्धांत को धमकाते हुए कहा कि उसकी हत्या के लिए दो करोड़ रुपये की सुपारी ली गई है। इसके बाद वे परिवार के अन्य सदस्यों के पास पहुंचे और नरेंद्र कबाड़ी, उनकी पत्नी सुशीला देवी, सिद्धांत तथा चौकीदार को गन प्वाइंट पर बंधक बना लिया।

इसके बाद बदमाशों ने पूरे घर की तलाशी ली और करीब सवा किलो सोने के आभूषण तथा लाखों रुपये की नकदी समेट ली। जाते समय उन्होंने सिद्धांत की कार ले जाने का प्रयास किया, लेकिन कार स्टार्ट नहीं हो सकी। इसके बाद वे उसकी बाइक लेकर फरार हो गए। वारदात के बाद परिवार ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। मेरठ रेंज के डीआईजी कलानिधि नैथानी और पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और पीड़ित परिवार से घटना की जानकारी ली। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मेरठ रेंज स्तर पर तीन तथा जिला स्तर पर चार विशेष टीमों का गठन किया है। आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और कई महत्वपूर्ण सुराग पुलिस के हाथ लगे हैं। व्यापार मंडल के पदाधिकारी भी पीड़ित उद्योगपति के घर पहुंचे और जल्द खुलासे की मांग की।पुलिस अधीक्षक ने आश्वासन दिया है कि डकैती की इस बड़ी वारदात का शीघ्र खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। मामले में थाना हापुड़ देहात में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

ट्रोनिका सिटी के पास अवैध निमार्णों पर जीडीए का बड़ा प्रहार, कई भवन सील

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निमार्णों और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रवर्तन जोन-08 क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए कई निमार्णों को सील कर दिया। यह कार्रवाई जीडीए उपाध्यक्ष के निर्देश पर उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 के अंतर्गत की गई।

प्रवर्तन जोन-08 के प्रभारी के नेतृत्व में रामपार्क एक्सटेंशन एवं ट्रोनिका सिटी के निकट स्थित दीपसिटी क्षेत्र में अवैध रूप से किए जा रहे निमार्णों के विरुद्ध सीलिंग अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान प्लॉट संख्या-26, प्लॉट संख्या-125, प्लॉट संख्या-23 एवं 24, तथा प्लॉट संख्या-14 एवं 20 सहित खसरा संख्या-16 स्थित कई अवैध निमार्णों को सील कर दिया गया।

जीडीए अधिकारियों के अनुसार संबंधित निर्माणकताओं द्वारा बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्माण कार्य किया जा रहा था। सीलिंग अभियान के दौरान कुछ स्थानीय निर्माणकताओं ने विरोध भी किया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस और क्षेत्रीय पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए कार्रवाई को सफलतापूर्वक पूरा कराया। अभियान के दौरान प्रवर्तन जोन-08 का पूरा स्टाफ, जीडीए पुलिस दस्ता तथा स्थानीय पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। जीडीए ने स्पष्ट किया है कि अवैध निमार्णों और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ भविष्य में भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। जीडीए की इस कार्रवाई से अवैध निर्माणकताओं में हड़कंप मच गया है, जबकि क्षेत्र में अवैध निमार्णों पर अंकुश लगाने की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

संभव में शिकायत का त्वरित निस्तारण, वार्ड-16 में नालियों पर बना अवैध निर्माण हटाया

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने संभव जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान कुल 25 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें निर्माण विभाग से संबंधित 14, उद्यान विभाग से 3, जलकल विभाग से 4 तथा अतिक्रमण से संबंधित 4 शिकायतें शामिल थीं।

नगर आयुक्त ने निर्माण विभाग से संबंधित शिकायतों की अधिक संख्या को देखते हुए अधिकारियों को आवश्यकतानुसार त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण, जलकल, स्वास्थ्य, उद्यान एवं प्रकाश विभाग के अधिकारियों को मौके पर भेजकर शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए।

इसी क्रम में कवि नगर जोन के सीकरोड स्थित वार्ड संख्या-16 के निवासियों ने नालियों पर किए गए अवैध निर्माण और जल निकासी बाधित होने की शिकायत दर्ज कराई। नगर आयुक्त के निर्देश पर निर्माण विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और अवैध निर्माण हटाकर जल निकासी की व्यवस्था सुचारु कराई।

स्थानीय निवासी अर्चना तिवारी एवं अन्य लोगों ने बताया कि संभव में शिकायत दर्ज कराने के बाद जब वे घर पहुंचे तो समाधान के लिए नगर निगम की टीम पहले से ही मौके पर मौजूद थी। कवि नगर जोन के सहायक अभियंता राजेंद्र तथा अवर अभियंता प्रीति के नेतृत्व में शिकायत का निस्तारण कराया गया। निवासियों ने त्वरित कार्रवाई के लिए गाजियाबाद नगर निगम एवं नगर आयुक्त का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्रवाई निगम की संवेदनशीलता और कार्यकुशलता को दशार्ती है। जनसुनवाई के दौरान अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, मुख्य अभियंता एस.पी. मिश्रा, प्रभारी संपत्ति पल्लवी सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जीडीए का बड़ा कदम: 15 से 17 जून तक लगेगा ओटीएस समाधान दिवस, बकायेदारों को मिलेगा ब्याज में छूट का लाभ

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा बकायेदारों और आवंटियों को वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना का अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए 15 जून से 17 जून 2026 तक 'ओटीएस समाधान दिवस' का आयोजन किया जाएगा। तीन दिवसीय इस विशेष अभियान के दौरान आवंटियों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया जाएगा तथा उन्हें ओटीएस योजना से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारियां उपलब्ध कराई जाएंगी। प्राधिकरण की ओर से बताया गया है कि समाधान दिवस में आने वाले आवंटियों को उनके बकाया देयों, देय राशि पर उपलब्ध ब्याज छूट तथा योजना की अन्य सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। पात्र आवंटी अपने लंबित बकायों का निस्तारण कर योजना का लाभ भी प्राप्त कर सकेंगे। अभियान के दौरान जीडीए कार्यालय में विभिन्न सहायता एवं सूचना काउंटर स्थापित किए जाएंगे, जहां अधिकारी और कर्मचारी आवंटियों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। साथ ही दस्तावेजों की जांच, देय राशि की जानकारी और भुगतान संबंधी सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। जीडीए प्रशासन ने सभी पात्र आवंटियों से अपील की है कि वे 15 से 17 जून के बीच प्राधिकरण कार्यालय पहुंचकर अपनी लंबित देनदारियों का निस्तारण कराएं और ओटीएस योजना के तहत मिलने वाली ब्याज छूट एवं अन्य सुविधाओं का लाभ उठाएं।

2027 में बसपा सरकार बनाने के लिए बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने का आह्वान

बिजनौर (शिखर समाचार)। बहुजन समाज पार्टी के जिला कार्यालय में मंगलवार को जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष कविराज सिंह ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव संजीव कुमार सैनी एवं विधानसभा प्रभारी ब्रह्मपाल सिंह ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य मंडल प्रभारी बाबू विजय सिंह उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में मुख्य मंडल प्रभारी देवेंद्र भारती तथा नगीना विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी वी.पी. सिंह शामिल हुए। इस दौरान मंडल प्रभारी डी.पी. सिंह, रोहिताश सिंह और दिलीप कुमार उर्फ पिंटू ने अपनी-अपनी विधानसभाओं की समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी दी।

मुख्य अतिथि बाबू विजय सिंह ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बहुजन समाज पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि महापुरुषों के विचारों पर आधारित एक मिशन और आंदोलन है, जिसे पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री कुमारी मायावती आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने कार्यकताओं से आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में अभी से जुटने और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। मुख्य मंडल प्रभारी देवेंद्र भारती ने कहा कि यदि संगठन पूरी मजबूती के साथ जमीनी स्तर पर खड़ा हो जाए तो कोई भी शक्ति बसपा को चुनाव में पराजित नहीं कर सकती। उन्होंने कार्यकताओं से गांव-गांव और बूथ-बूथ तक पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में पूर्व जिला अध्यक्ष अखिलेश कुमार हितेषी, जिला उपाध्यक्ष अकील अंसारी, पिछड़ा वर्ग भाईचारा कमेटी के जिला संयोजक विजेंद्र कश्यप, समर सिंह, संजय कुमार, नरेंद्र कुमार रवि, अमर सिंह, चेतराम, विधानसभा अध्यक्ष प्रमोद कुमार, नरेश कुमार और बलवंत सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लक्ष्य बनाकर संगठन विस्तार और जनसंपर्क अभियान को तेज करने पर विशेष जोर दिया गया।

जेईई एडवांस्ड परीक्षा में सफल होकर अक्षत कुमार ने बढ़ाया जनपद का मान

शामली (शिखर समाचार)। शहर स्थित रॉक गोल्ड अकादमी के मेधावी छात्र अक्षत कुमार ने जेईई एडवांस्ड परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय, अपने अभिभावकों तथा जनपद का नाम रोशन किया है। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय की प्रधानाचार्या अलोना सिंगला ने अक्षत कुमार को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उन्होंने कहा कि निरंतर प्रयास और लक्ष्य के प्रति समर्पण से ही जीवन में बड़ी सफलताएं प्राप्त की जा सकती हैं। विद्यालय के चेयरमैन सुनील गोयल ने भी छात्र को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि अक्षत कुमार की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी तथा उन्हें भी उच्च लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। विद्यालय परिवार ने छात्र एवं उसके अभिभावकों को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए भविष्य में और अधिक सफलता प्राप्त करने की शुभकामनाएं दीं।

अनुकम्पा नियुक्ति से नौ परिवारों को मिला सहारा, जीडीए ने सौंपे नियुक्ति पत्र

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) में अनुकम्पा नियुक्ति के तहत नौ अभ्यर्थियों को चपरासी के अधिसंख्य पद पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। प्राधिकरण सचिव ने चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नियुक्ति प्राप्त करने वालों में सार्थक सिंह, गौरव शर्मा, कृष्णा यादव, दीपक यादव, सागर नागर, रोहित श्रीवास्तव, विपिन खनाल, मोनिका तथा रोहित मावी शामिल हैं। इस अवसर पर सचिव ने कहा कि अनुकम्पा नियुक्ति शासन की एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील व्यवस्था है, जिसके माध्यम से दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। उन्होंने नव नियुक्त कर्मचारियों से अपेक्षा की कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ करते हुए प्राधिकरण की कार्यसंस्कृति को मजबूत बनाने में योगदान दें। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद विकास प्राधिकरण अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के हितों के प्रति हमेशा संवेदनशील रहा है तथा भविष्य में भी मानवीय दृष्टिकोण के साथ कार्य करता रहेगा। अनुकम्पा नियुक्ति के माध्यम से नौ परिवारों को मिली नई उम्मीद और रोजगार का अवसर, जिससे उनके जीवन में आर्थिक स्थिरता एवं सामाजिक सुरक्षा का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

मोदी पॉन फैक्ट्री के बाहर मिला सब्जी विक्रेता का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

मोदीनगर (शिखर समाचार)। मोदीनगर-हापुड़ मार्ग स्थित बंद पड़ी मोदी पॉन फैक्ट्री के मुख्य द्वार के बाहर मंगलवार सुबह एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने मृतक की पीट-पीटकर हत्या किए जाने की आशंका जताई है। पुलिस के अनुसार मंगलवार सुबह सूचना मिली कि मोदी पॉन फैक्ट्री के गेट के बाहर एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की तलाशी ली तो उसकी जेब से मोबाइल फोन बरामद हुआ। मोबाइल के आधार पर मृतक की पहचान 35 वर्षीय मगू पुत्र रनवीर सिंह निवासी जगतपुरी, निवाड़ी रोड के रूप में हुई। बताया गया है कि मगू सब्जी बेचने का काम करता था। परिजनों के अनुसार वह सोमवार सुबह अपनी बहन के घर जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। मंगलवार सुबह उसके शव मिलने की सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के परिजनों ने आशंका व्यक्त की है कि किसी ने मगू के साथ मारपीट कर उसकी हत्या कर दी और शव को फैक्ट्री गेट के बाहर फेंक दिया। वहीं पुलिस का कहना है कि मृत्यु के कारणों का स्पष्ट पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कैली में प्रॉपर्टी डीलर तुषार त्यागी की गोली मारकर हत्या, फोन पर दी थी जान का खतरा होने की सूचना

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ के दोयमी गांव निवासी एवं प्रॉपर्टी डीलर तुषार त्यागी की सोमवार देर रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या की इस सनसनीखेज वारदात के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस ने मृतक पक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर दो संदिग्ध आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतक की बहन मोना ने बताया कि सोमवार शाम करीब आठ बजे तुषार के पास एक फोन आया। कॉल करने वाले ने खाना लेकर आने के लिए कहा। इसके बाद तुषार घर से खाना लेकर अपनी स्कॉर्पियो कार से निकल गए। रात करीब नौ बजे तुषार ने अपनी पत्नी शिखा को फोन कर बताया कि बिट्टू उर्फ अरविंद त्यागी और उसके साथी उन्हें जबरन जंगल की ओर ले जा रहे हैं तथा उनकी जान को खतरा है। इसके बाद उनका मोबाइल फोन बंद हो गया। परिजन और ग्रामीण पूरी रात तुषार की तलाश में जुटे रहे। इसी दौरान गांव के युवक कृष के मोबाइल पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को अरविंद उर्फ बिट्टू त्यागी बताते हुए शिखा से बात कराई और कथित तौर पर कहा कि उसने तुषार को गोली मार दी है तथा उनका शव कार में पड़ा है। सूचना मिलने पर पुलिस के साथ परिजन हापुड़ मार्ग स्थित पांची अंडरपास पहुंचे, जहां स्कॉर्पियो के अंदर तुषार का शव खून से लथपथ हालत में मिला। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पत्नी शिखा त्यागी ने बताया कि कुछ दिन पहले गांव निवासी तरुण त्यागी के साथ तुषार का विवाद हुआ था, जिसमें जान से मारने की धमकी दी गई थी। बाद में बिट्टू त्यागी ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराया था। अब इसी प्रकरण को हत्या से जोड़कर देखा जा रहा है। पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच तेज कर दी है।

किसान मजदूर संगठन का विस्तार, पृथ्वी देवरा बने युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूरण सिंह ने कहा कि मजबूत समाज के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। युवाओं को संगठित कर उन्हें जिम्मेदारियां सौंपने से संगठन और समाज दोनों को नई दिशा मिलती है। इसी उद्देश्य से संगठन की युवा शाखा का विस्तार करते हुए नई जिम्मेदारी सौंपी गई। मंगलवार को नगीना में किसान मजदूर संगठन के विस्तार को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूरण सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बैठक के दौरान संगठन को मजबूत बनाने तथा युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर दिवंगत डॉ. नूतन देवरा के पुत्र पृथ्वी देवरा को किसान मजदूर संगठन की युवा शाखा का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। नियुक्ति की घोषणा के बाद उपस्थित कार्यकताओं ने उनका स्वागत करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का भरोसा जताया। बैठक में संगठन के मंडल अध्यक्ष पुखराज सिंह तथा हिंदू युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष शेखर लाडयान विशेष रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा अंतरिक्ष राजपूत, प्रियांशु राजपूत, नीलेश तोमर, रचित राजपूत, राहुल राजपूत, वासु चौधरी और आशीष कुमार सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया और संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष पृथ्वी देवरा ने संगठन नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे तथा युवाओं को संगठन से जोड़कर किसानों और मजदूरों की आवाज को और मजबूत बनाएंगे।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, आरोपी फैजान गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। धामपुर थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी फैजान को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार क्षेत्र की एक युवती ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि फैजान नामक युवक ने उससे शादी करने का वादा किया था। आरोप है कि इसी झांसे में रखकर आरोपी ने लंबे समय तक उसका शारीरिक शोषण किया। बाद में जब युवती ने शादी करने का दबाव बनाया तो आरोपी अपने वादे से मुकर गया और उसे धमकाने लगा। धामपुर के क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडेय ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी फैजान को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। साथ ही न्यायालय में उसके बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया भी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अभय कुमार पांडेय, पुलिस क्षेत्राधिकारी , धामपुर

संक्षिप्त समाचार

चंदौली सपा सांसद वीरेंद्र सिंह ने दिया विवादित बयान, भगवान को लेकर कही बड़ी बात

चंदौली, एजेंसी। चंदौली के सपा सांसद वीरेंद्र सिंह का एक भगवान पर दिया हुआ बयान सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें वह कह रहे हैं कि एक वह भगवान है जिनको सोने चांदी हीरे जवाहरात चढ़ाए जाते हैं वहीं दूसरे और हमारे गरीब भगवान शिव हैं जिन्हें वंचित वनस्पति भांग धतूरा मदर चढ़ाया जाता है। सपा सांसद सोमवार को चंदौली के जिला अस्पताल में भर्ती समाजवादी पार्टी की महिला जिला अध्यक्ष गरीबी सिंह पटेल से मिलने आए थे और इसी दौरान मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने भगवान पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यह लोग भगवान को भी बांट सकते हैं एक और वह भगवान है जिन्हें पूरी मिठाई सोने चांदी हीरे जवाहरात चढ़ाए जाते हैं वहीं दूसरे और हम लोगों के भगवान शिव हैं गरीबों के भगवान हैं जिन्हें वंचित वनस्पति जैसे मदर धतूरा बेलपत्र चढ़ाया जाता है।

जमीन पर रास्ते के विवाद में अधिवक्ताओं पर फायरिंग, पूर्व ब्लॉक प्रमुख गिरफ्तार

वाराणसी, एजेंसी। लंका थाना क्षेत्र के सीरगोवर्धनपुर में प्लॉट पर रास्ते के विवाद को लेकर नारायणपुर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख और अधिवक्ताओं के बीच मारपीट हो गई। अधिवक्ताओं का आरोप है कि सपा नेता ने जान लेने की नियत से फायरिंग की। पुलिस को घटनास्थल से पिस्टल बरामद हुई। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने थाना भी घेरा। अधिवक्ता सुरेंद्र कुमार ने पुलिस को बताया कि उनका सीरगोवर्धन क्षेत्र के काशी पुरम कॉलोनी में प्लॉट है। साथी अधिवक्ता जेलेंद्र राय के साथ प्लॉट पर पहुंचे। मिर्जापुर के नारायणपुर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख व सपा नेता गिरधारी पटेल अपने साथी आनंद सिन्हा, अनुराग सिंह, आनंद कुमार, पवन मिश्रा और श्वेता वर्मा के साथ रास्ते पर जाने का विरोध करने लगे। इस बीच गिरधारी ने साथियों के साथ गालीगलौज की और जान लेने की नियत से पिस्टल से फायरिंग कर दी। सूचना मिलते ही अधिवक्ताओं का समूह लंका थाने पहुंच गया और गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए। सूचना मिलते ही एडीसीपी काशी जोन वैभव बांगर और एसीपी भेलूपुर गौरव कुमार मौके पर पहुंचे। आक्रोशित अधिवक्ताओं को कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत करवाया। लंका इंस्पेक्टर राजकुमार ने बताया कि सुरेंद्र की तहरीर के आधार पर रंगदारी, जानलेवा हमला समेत अन्य आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मौके से कारतूस नहीं मिला है। गिरधारी पटेल को गिरफ्तार किया गया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

सौर एवं अक्षय ऊर्जा में देशभर में यूपी सबसे आगे, केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय करेगा सम्मानित

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश ने सौर एवं अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है। इसके लिए केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय की ओर से उत्तर प्रदेश को पीएम सूर्य घर उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। जल्द ही दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदेश को सम्मानित किया जाएगा। इस उपलब्धि पर ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने सभी विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी है। उन्होंने बताया कि यूपी देश का पहला राज्य है, जिसने योजना में डैशबोर्ड विकसित कर रियल-टाइम मॉनिटरिंग और पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया है। पीएम सूर्य घर योजना के तहत प्रदेश में अबतक 9.91 लाख से अधिक आवेदन हुए हैं। इसमें 5.57 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। इन संयंत्रों से 5.64 लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं। प्रदेश में 1,888 मेगावाट से अधिक रूफटॉप सौर क्षमता विकसित की जा चुकी है।

सिस्टम की क्रूरता से थमीं मासूम की सांसें

हर चौखट पर भटके थे दादा, कहीं वेंटिलेटर नहीं तो कहीं मिला बहाना

कानपुर, एजेंसी। हमीरपुर के नारायणनगर निवासी किसान इंद्रबाबू पोती की जान बचाने के लिए कानपुर से लखनऊ तक भटके। इस दौरान उन्होंने पांच अस्पतालों की चौखट पर गुहार लगाई। इसके बावजूद वह जान बचाने में नाकाम रहे। चकेरी स्थित जेके चौराहे के फ्लाईओवर के नीचे पोती को सीने से चिपकाए बैठे इंद्रबाबू ने बताया कि बच्ची का जन्म 28 मई की सुबह निजी अस्पताल में हुआ था।

जन्म के बाद ही मासूम की सांसें उखड़ने लगीं। परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे और भर्ती कराया। आरोप है कि 29 और 30 मई को डॉक्टर इलाज के बजाय टालमटोल करते रहे। बाद में बताया कि बच्ची की खाने की नली में गंभीर समस्या है और उसका इलाज यहां संभव नहीं है।

बची-खुची पूंजी समेटकर लखनऊ भागे इसके बाद उसे हैलट अस्पताल रेफर कर दिया। उसके पिता मनोज और चाचा शुभम के साथ हैलट लेकर पहुंचे। इंद्रबाबू ने बताया कि डॉक्टरों ने बच्ची को तुरंत हटाने को कह दिया। दलील दी कि बच्ची से अन्य बच्चों को संक्रमण फैल जाएगा। एंबुलेंस का किराया और बची-खुची पूंजी समेटकर लखनऊ भागे।

फ्लाईओवर के नीचे जमीन पर ही बैठ गए छह महीने बाद लेकर आना। चारों तरफ से निराश होकर हमीरपुर के लिए निकले, लेकिन रास्ते में कानपुर के जेके चौराहे पर आकर हिम्मत ने साथ छोड़ दिया और फ्लाईओवर के नीचे जमीन पर ही बैठ गए। सोमवार को ही वह उसे लेकर हमीरपुर पहुंचे जहां बच्ची की मौत हो गई।

● *इस तरह का मामला पता चला है। हम भी जांच कर रहे हैं कि बच्ची कब आई थी। अभी कुछ पता नहीं चला है। हमारे यहां दो पीडियाट्रिक सर्जन डॉ. आरके त्रिपाठी और डॉ. श्रद्धा वर्मा हैं। सर्जरी भी बच्चों की इस तरह की होती है। हम जांच कर रहे हैं कि बच्ची कब आई थी।*

-डॉ. शैलेंद्र गौतम, विभागाध्यक्ष बाल रोग

ऑपरेशन की तत्काल व्यवस्था नहीं है

केजीएमयू में पर्चा बनवाया और भर्ती कराने पहुंचे, तो जवाब मिला कि वेंटिलेटर खाली नहीं है वापस ले जाओ। उसे लेकर राम मनोहर लोहिया अस्पताल गए। वहां भी समस्या जानने के बाद कहा गया कि विशेषज्ञ नहीं है एसजीपीजीआई ले जाओ। पीजीआई पहुंचे, तो कहा गया कि यहां इस तरह के ऑपरेशन की तत्काल व्यवस्था नहीं है।

आगरा-अलीगढ़ हाईवे पर अवैध कब्जे ध्वस्त

आगरा, एजेंसी। आगरा-अलीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित कस्बा खंदौली में सोमवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों को हटाया। अभियान के दौरान बुलडोजर की मदद से पड़ाव चौराहे से लेकर सड़क किनारे बने टिनशेड, रैंप, बोर्ड, अस्थायी काउंटर और ठेल-ढकेलों को हटाया गया। इस दौरान थाने वाली गली के बाहर लगी पूर्व सांसद की शिलापट्टिका और विधायक निधि से लगाए गए हैंडपंपों को भी उखाड़ दिया गया। इसको लेकर ग्रामीणों ने विरोध जतायाए लेकिन पुलिस बल की मौजूदगी में स्थिति नियंत्रित रही।

ब्रजभूमि कंस्ट्रक्शन के प्रोजेक्ट निदेशक विनय वर्मा और एनएचएआई के टोल प्लाजा प्रबंधक अमित चौहान ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों किनारों से अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जा रहा है। फिलहाल नालों तक किए गए अवैध कब्जों को चिह्नित कर हटाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार अतिक्रमण के कारण हाईवे पर आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती थी और सड़क किनारे पैदल चलना भी मुश्किल हो गया था, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा था।

मेधावी छात्रों का सम्मान, उज्ज्वल भविष्य का दिया संदेश

शामली (शिखर समाचार)
लायंस ओलंपियाड, दिल्ली के तत्वावधान में सेंट आर.सी. कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन, बनत में मेधावी छात्र सम्मान समारोह-2026 का आयोजन किया गया। समारोह में कक्षा 12 के मेधावी छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ नगरपालिका शामली के चेयरमैन अरविंद संगल तथा कॉलेज सचिव नंदकिशोर मित्तल ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में अतिथियों ने विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व, लक्ष्य निर्धारण और निरंतर परिश्रम के प्रति प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता का मार्ग मेहनत, अनुशासन और समर्पण से होकर गुजरता है।

उन्होंने छात्रों से अपने जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया। समारोह के दौरान सम्मानित विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी और उत्साह देखने को मिला।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ।

होनहारों को मिला सम्मान, कलेक्ट्रेट में गूंजीं सफलता की कहानियां

योगी सरकार ने दिए मेडल और 21 हजार रुपये

आगरा, एजेंसी। आगरा में मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। इस दौरान प्रदेश सरकार की तरफ से सभी छात्र-छात्राओं को प्रशस्तिपत्र, मेडल व चेक प्रदान किए गए। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में अव्वल आने वाले विद्यार्थियों को यह सम्मान दिया गया।

मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाहा, एमएलसी विजय शिवहरे, विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल व भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनिया ने छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किए। सीडीओ प्रतिभा सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार की ओर से मेडल, प्रशस्तिपत्र के साथ 21,000 रुपये के चेक दिए गए हैं।

इससे पहले समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संबोधन टीवी स्क्रीन पर बच्चों को सुनाया गया। इस मौके पर विधायक चौधरी बाबूलाल, पक्षालिका सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक चंद्रशेखर, जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय वीपी सिंह, अतुल कुमार, सुशील लवानिया भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रिनेश मित्तल ने किया।

मुख्यमंत्री के हाथों सम्मान पाकर गदगद हुई खुशी

दिल्ली पब्लिक स्कूल की 12वीं की छात्रा खुशी सबलोक जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों सम्मानित हुई तो वह गदगद हो गई। खुशी ने सीबीएसई की कक्षा 12 कॉमर्स में प्रदेश स्तर पर चौथा और जिला स्तर पर पहला स्थान प्राप्त किया है। लखनऊ में आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ने खुशी को मेडल, प्रशस्तिपत्र, टैबलेट और एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। खुशी ने बताया कि उनके पिता राजेश सबलोक सीए हैं। वह भी सीए बनना चाहती हैं।

वहीं कक्षा 10 की विन्देश को प्रदेश में आठवां और मुस्कान को प्रदेश स्तर पर 10वां स्थान मिला है। इन्हें भी मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। मुस्कान के पिता नीरज किसान हैं। वह सिविल सेवा में जाना चाहती हैं। वहीं विन्देश के पिता शिक्षक हैं। वह भविष्य में डॉक्टर बनना चाहती हैं। तीनों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने विद्यालय, शिक्षकों और अभिभावकों को दिया। उन्होंने कहा कि परिवार और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उन्हें यह उपलब्धि हासिल करने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

ये विद्यार्थी हुए सम्मानित

10वीं बोर्ड : अभिषेक कुमार, लोकेश, अंतरिका राजपूत, राधिका, मयंक बाबू, नंदिनी कुशवाहा, वंशिका, दीपिका, आशिका

12वीं बोर्ड : काजल कुमारी, अंजलि, जतिन कुमार, सपना, राधिका, अभय प्रताप सिंह धाकरे, अराध्या वर्मा, खुशी जैन, यशिका, महिमा वर्मा, दक्ष कुशवाहा

फिल्मी स्टाइल में तस्कर गिरफ्तार: पुलिस वाहन को मारी टक्कर

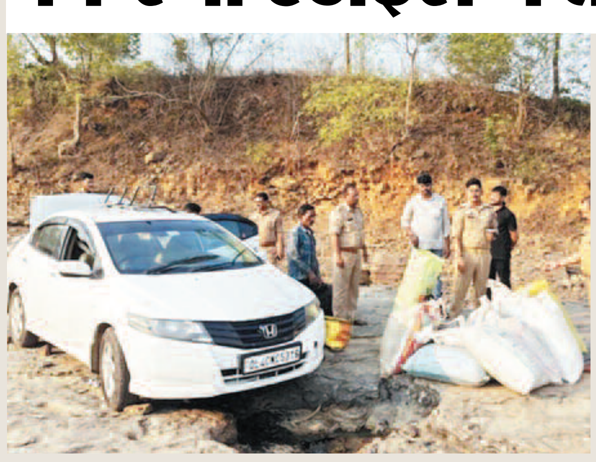

सोनभद्र, एजेंसी। सोनभद्र जिले के चोपन थाना पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने सोमवार की सुबह चार बजे मुठभेड़ में अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्कर प्रिंस सिंह को गिरफ्तार किया। उसे पैर में गोली लगी है। उसका एक साथी भाग गया।

तस्करों ने फिल्मी स्टाइल में पहले पुलिस वाहन को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। फिर दूसरे की कार लेकर पीछे आई संयुक्त टीम को नोट फेंककर भरमाने की कोशिश की। बावजूद इसके पुलिस टीम पीछे नहीं हटी तो फायरिंग कर दी। तस्करों के वाहन से अफीम, डोडा और तमंचा बरामद हुआ। कार सहित बरामद माल की कीमत करीब 58.85 लाख है। एसपी अभिषेक वर्मा ने बताया कि चोपन, रॉबर्ट्सगंज पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम वाहन चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने डाला की तरफ से आ रही एक संदिग्ध सफेद कार को रोका लेकिन चालक वाहन लेकर भाग निकला। पीछा करने पर कार सवारों ने कई बार पुलिस वाहन में टक्कर मारकर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया।

सलखन क्षेत्र में पीछा करते समय एसओजी का वाहन खराब हो गया। तब स्थानीय निवासी प्रदीप कुमार मोदनवाल ने अपनी निजी कार उपलब्ध कराकर पुलिस की मदद की। लगातार पीछा करने के बाद विरंजुआ क्षेत्र में घेराबंदी की गई। खुद को घिरा देख आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी। उसकी पहचान पंजाब के लुधियाना निवासी प्रिंस (27) के रूप में हुई। पूछताछ में उसने बताया कि वह डाल्टनगंज से मादक पदार्थ खरीदकर लुधियाना ले जा रहा था। उससे पूछताछ के आधार पर फरार साथी की तलाश की जा रही है। एसपी ने प्रदीप कुमार मोदनवाल को 10 हजार रुपये एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

अधिकारी बोले: इस कामयाबी में स्थानीय नागरिक प्रदीप कुमार की भूमिका सराहनीय रही। अन्य लोगों को भी इससे प्रेरणा लेकर पुलिस की मदद में आगे ना चाहिए, जिससे अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की जा सके।

-अभिषेक वर्मा, एसपी

अवैध रूप से संचालित दो मदरसे सील, पुलिस प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में जनपद में अवैध कब्जों, अवैध रूप से संचालित संस्थानों तथा अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत खोड़ा क्षेत्र में पुलिस और प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से संचालित दो मदरसों को सील कर दिया। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त जे. रविन्द्र गौड़ और जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ के निर्देशन में की गई।

वक्फ निरीक्षक, नगर पालिका परिषद खोड़ा-मकनपुर के अधिशासी अधिकारी तथा नायब तहसीलदार सदर की संयुक्त जांच रिपोर्ट के आधार पर लोकप्रिय विहार स्थित मदरसा रहमानिया अरेबिया कासिम-उल-उलूम और मोहल्ला बीरबल स्थित सुल्तान अलारफीन मदरसा बिना मान्यता और आवश्यक अनुमतियों के संचालित पाए गए। जांच में सामने आया कि दोनों मदरसे जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में पंजीकृत नहीं हैं और उनके संचालन की कोई वैध स्वीकृति भी प्राप्त नहीं की गई थी।

जांच के दौरान यह भी पाया गया कि संबंधित संस्थाओं के पास वैध एवं जीवित पंजीकरण प्रमाण-पत्र उपलब्ध नहीं था। इसके अलावा मदरसा परिसरों में अग्निशमन विभाग और विद्युत सुरक्षा विभाग की अनापत्ति प्रमाण-पत्र भी नहीं मिले, जिससे सुरक्षा संबंधी गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे थे। इन कमियों को देखते हुए प्रशासन ने दोनों संस्थानों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया।

प्रशासन ने संबंधित प्रबंधन को एक सप्ताह के भीतर जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित अवधि में संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत न करने पर नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में मुनादी कराई गई तथा पुलिस और प्रशासन द्वारा फ्लैग मार्च भी निकाला गया। साथ ही क्षेत्र के 14 हिस्ट्रीशीटरों का घर-घर जाकर सत्यापन भी किया गया।

पुलिस आयुक्त जे. रविन्द्र गौड़ ने कहा कि जनपद में अपराध और अवैध गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और अपराध के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति के तहत कार्रवाई जारी रहेगी।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने कहा कि अवैध कारोबार, अवैध कब्जे, बिना अनुमति संस्थानों का संचालन तथा कमजोर और असहाय लोगों के उत्पीड़न को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सील किए गए मदरसों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए उनके वैकल्पिक विद्यालयों में प्रवेश की व्यवस्था कराई जाएगी, जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित न हो।

इसके बाद जिलाधिकारी ने स्वर्गीय सूर्या चौहान के परिजनों से मुलाकात कर पूर्व में दिए गए आश्वासन के अनुरूप नगर पालिका खोड़ा में परिवार के एक सदस्य को नियुक्ति पत्र सौंपा। उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि शासन और प्रशासन हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ा है।

इस अवसर पर पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मंच पर चमकी आंगनवाड़ी कार्यकत्री सुनीता देवी, क्षेत्र का बढ़ाया मान

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्राम पंचायतन की आंगनवाड़ी कार्यकत्री सुनीता देवी ने नई दिल्ली स्थित ली मेरिडियन होटल में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के 'मेड इन प्ले' सम्मेलन में पैनल सदस्य के रूप में भाग लेकर क्षेत्र और आंगनवाड़ी व्यवस्था का गौरव बढ़ाया है। सम्मेलन का आयोजन 'बचपन बनाओ' और एनडीटीवी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसमें देशभर से बाल शिक्षा और बाल विकास क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने सहभागिता की।

बाल विकास परियोजना अधिकारी संध्या सोनी ने बताया कि सुनीता देवी लंबे समय से बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा, स्वास्थ्य और समग्र विकास के लिए कार्य कर रही हैं। उनके उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए 'लेट्स एजुकेट चिल्ड्रेन इन नीड' संस्था ने उन्हें इस राष्ट्रीय मंच पर प्रतिनिधित्व के लिए नामांकित किया था। पैनल चर्चा के दौरान सुनीता देवी ने ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के साथ कार्य करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि खेल आधारित शिक्षा बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, रचनात्मक और आनंददायक बनाती है। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये केंद्र बच्चों के सर्वांगीण विकास की मजबूत नींव तैयार करते हैं।

उन्होंने अभिभावकों को बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उनका कहना था कि स्थानीय स्तर पर किए गए छोटे-छोटे नवाचार बच्चों के सीखने के परिणामों में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि 'लेट्स एजुकेट चिल्ड्रेन इन नीड' संस्था पिछले तीन वर्षों से जनपद के विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों के साथ मिलकर कार्य कर रही है। संस्था के प्रतिनिधियों ने सुनीता देवी की उपलब्धि को क्षेत्र और आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के लिए गर्व का विषय बताते हुए कहा कि यह सम्मान जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले हजारों कर्मियों के समर्पण की पहचान है। उनकी सफलता ग्रामीण भारत में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित करती है।

ग्रेनो पहुंचे 6 आईएएस अफसरों ने किया आईआईटीजीएनएल और एमएमएलएच-एमएमटीएच परियोजनाओं का अध्ययन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। भारत सरकार में सहायक सचिव के रूप में तैनात छह आईएएस अधिकारियों ने मंगलवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का दौरा कर इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप ग्रेटर नोएडा लिमिटेड (आईआईटीजीएनएल), मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब (एमएमएलएच) और मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब (एमएमटीएच) परियोजनाओं का अध्ययन किया। अधिकारियों ने परियोजनाओं की प्रगति, आधारभूत संरचना और रोजगार सृजन की संभावनाओं की जानकारी प्राप्त की।

दौरे के दौरान आईएएस अधिकारी आयूषी प्रधान, बेंजो पी. जोस, फडतरे अनितेश अशोक, प्रिया रानी, सलोनी छाबड़ा और जुफिशन हक ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एन.जी. रवि कुमार, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस तथा एसीईओ प्रेरणा सिंह के साथ बैठक की।

बैठक में सीईओ एन.जी. रवि कुमार ने औद्योगिक विकास प्राधिकरणों में भूमि अधिग्रहण, औद्योगिक विकास और निवेश को बढ़ावा देने की प्रक्रिया पर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि किसानों से भूमि लेकर उद्योगों को उपलब्ध कराने का मुख्य उद्देश्य निवेश आकर्षित करना और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करना है। उन्होंने अधिकारियों को रोजगार सृजन को प्राथमिकता देने की सलाह भी दी।

एसीईओ प्रेरणा सिंह ने बताया कि इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप में अब तक 30 से अधिक बड़ी कंपनियों को भूमि आवंटित की जा चुकी है। इनमें हायर जैसी प्रमुख कंपनियां उत्पादन शुरू कर चुकी हैं। इन इकाइयों के माध्यम से लगभग 10 हजार करोड़ रुपये का निवेश हुआ है तथा करीब 23 हजार युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिला है। वहीं, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने टाउनशिप में विकसित आधुनिक सुविधाओं की जानकारी देते हुए बताया कि यहां ऑटोमेटिक वेस्ट कलेक्शन सिस्टम, 24 घंटे बिजली-पानी की व्यवस्था और उन्नत सुरक्षा प्रणाली उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब के अंतर्गत रेल, मेट्रो और बस टर्मिनल के एकीकृत विकास की योजना पर भी प्रकाश डाला। अधिकारियों को परियोजनाओं और आधारभूत संरचना संबंधी विस्तृत प्रस्तुतीकरण भी दिया गया। इसके बाद उन्होंने आईआईटीजीएनएल टाउनशिप और अन्य परियोजना स्थलों का निरीक्षण कर विकास कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान आईआईटीजीएनएल की टीम के अधिकारी भी मौजूद रहे।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर कवि सम्मेलन का आयोजन, पत्रकार हुए सम्मानित

शामली (शिखर समाचार)। हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिसर में प्रसिद्ध कवि प्रदीप मायूस के संयोजन में भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शामली सहित विभिन्न जनपदों से आए कवियों और शायरों ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पत्रकारों को सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रसिद्ध कथावाचक आचार्य चंचल शर्मा एवं वरिष्ठ समाजसेवी यशपाल पंवार ने किया। आयोजन हिंदी साहित्य भारती शाखा, शामली के तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस अवसर पर साहित्यकार फारूक बिजनौरी को उनकी साहित्यिक सेवाओं के लिए 'पद्मश्री बशीर बद्र अवार्ड' से सम्मानित किया गया। उन्होंने अपनी गजलों की प्रस्तुति से श्रोताओं की खूब सराहना प्राप्त की। कार्यक्रम के आयोजक एवं संचालक प्रदीप मायूस ने सामाजिक सरोकारों पर आधारित रचनाओं का पाठ किया। वरिष्ठ कवि पवन कुमार पवन ने देशभक्ति से ओतप्रोत कविता प्रस्तुत की, जबकि नवोदित रचनाकार श्रीकांत शर्मा ने संघर्ष और संकल्प का संदेश दिया। कवि बृजेश चितेरा ने श्रृंगार रस की रचनाएं सुनाईं। युवा कवि शिवम सम्राट ने सामाजिक विषयों पर अपनी बात रखी तथा अजीत आर्य ने गजलों के माध्यम से श्रोताओं का मनोरंजन किया। शायर अकबर खान ने सम्मान और स्वाभिमान पर आधारित शेर प्रस्तुत किए, वहीं हास्य कवि सुनील अरोरा 'टम्मी' ने अपनी व्यंग्यात्मक रचनाओं से उपस्थित जनसमूह को हंसी से लोटपोट कर दिया। प्रमोद कुमार और वसीम झिंझानवी ने भी प्रभावशाली काव्य पाठ कर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। समारोह के दौरान पत्रकारों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मनोज मित्तल, कृष कुमार, आंशिक आर्य, राजीव मित्तल, राकेश गोयल सहित बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शामली में टीवी सीरियल कौन प्यार करेगा की शूटिंग शुरू, भव्य सेट का हुआ शुभारंभ

शामली (शिखर समाचार) जनपद के गांव लिलौन में हिंदी टीवी सीरियल कौन प्यार करेगा की शूटिंग का शुभारंभ हो गया। सीरियल के लिए तैयार किए गए भव्य सेट का उद्घाटन अधिवक्ता कमलवीर सिंह ने मुहूर्त शॉट देकर किया। इस अवसर पर कलाकारों और स्थानीय लोगों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कमलवीर सिंह ने कहा कि शामली जिले में हिंदी सीरियल का स्थायी सेट बनना क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे न केवल लोगों में फिल्म और मनोरंजन जगत के प्रति रुचि बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नोएडा में फिल्म सिटी विकसित की जा रही है, जिसका लाभ प्रदेश के अन्य क्षेत्रों को भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि एक समय मुंबई की पहचान फिल्म सिटी से जुड़ी रहती थी और वहां आने वाले लोग फिल्म व सीरियल सेट देखने अवश्य जाते थे। अब उत्तर प्रदेश में भी मनोरंजन उद्योग का तेजी से विस्तार हो रहा है। सीरियल के निमार्ता-निर्देशक दल के अनुसार देहाती फिल्म इंडस्ट्री के चर्चित अभिनेता मुनव्वर मंसूरी के प्रयासों से कला निकेतन कंपनी द्वारा गांव लिलौन में यह भव्य सेट तैयार किया गया है। सेट के निर्माण में लगभग छह माह का समय लगा। सेट तैयार होने के बाद अब सीरियल की शूटिंग भी शुरू कर दी गई है। सीरियल में मुनव्वर मंसूरी मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। उनके साथ लीड अभिनेत्री निमिषा सिंह के अलावा शीतल चौहान, कहकशा सिद्दीकी, संयोगिता त्यागी, सोनू गुप्ता, ज्योति सिंह, विकास मलिक और राजीव प्रभाकर ठाकरान सहित कई कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

कार बैक करते समय दो युवक चपेट में, एक की मौत, एक गंभीर घायल

शाहपुर/मुजफ्फरनगर (राष्ट्रीय शिखर)। शाहपुर क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में कार की चपेट में आने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उसकी तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार मुजफ्फरनगर रोड स्थित शाहपुर इंडेन गैस सर्विस के गोदाम पर गैस उपभोक्ताओं की लंबी लाइन लगी हुई थी। इसी दौरान एक सफेद रंग की कार का चालक वाहन को बैक कर रहा था। बताया जाता है कि लापरवाही के चलते कार पीछे खड़े दो युवकों को अपनी चपेट में लेती हुई निकल गई। हादसे में गांव पलड़ी निवासी 35 वर्षीय कय्यूम पुत्र अय्यूब को कार ने बुरी तरह कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गांव सोरम निवासी शेखर बालियान पुत्र राजेंद्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी गजेंद्र चौधरी और सीओ बुढ़ाना गजेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। हादसे के बाद मौके पर जुटी भीड़ का फायदा उठाकर कार चालक फरार हो गया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और मामले की जांच कर रही है। समाचार लिखे जाने तक इस संबंध में थाने में कोई तहरीर नहीं दी गई थी।

मकान सूचीकरण की धीमी रफ्तार पर नगर आयुक्त सख्त, 10 जून तक कार्य पूरा करने का लक्ष्य

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त एवं अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी विक्रमादित्य सिंह मलिक ने शहर में चल रहे मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग) कार्य की समीक्षा करते हुए इसकी धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई है। मोहन नगर जोन को छोड़कर अन्य जोनों में अपेक्षित गति न मिलने पर उन्होंने अधिकारियों की विशेष बैठक बुलाकर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में नगर जनगणना अधिकारी एवं अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, प्रभारी जनगणना डॉ. अनुज, सभी जोनों के सुपर नोडल प्रभारी तथा चार्ज अधिकारी मौजूद रहे।

नगर आयुक्त ने चार्ज अधिकारियों और सुपर नोडल प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मकान सूचीकरण का कार्य तेज किया जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर नगर निगम के अन्य कर्मचारियों और अधिकारियों का भी सहयोग लिया जाए।

समीक्षा के दौरान सामने आया कि मोहन नगर जोन ने 134 ब्लॉकों का कार्य पूरा कर लिया है, जबकि वसुंधरा जोन में केवल 8 ब्लॉक, विजयनगर जोन में 5 ब्लॉक, कवि नगर जोन में 6 ब्लॉक और सिटी जोन में 10 ब्लॉकों का कार्य ही पूर्ण हो पाया है। इन आंकड़ों पर असंतोष व्यक्त करते हुए नगर आयुक्त ने सभी जोनों को निर्धारित लक्ष्य समय से पहले पूरा करने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त के निर्देश पर सभी जोनों में सुपर नोडल प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। उन्हें 10 जून तक मकान सूचीकरण का कार्य पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है। साथ ही उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने, टीमों की संख्या बढ़ाने और कार्य की नियमित निगरानी करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

इस अवसर पर नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने शहरवासियों से भी सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य में लगे प्रगणकों और सुपरवाइजरों को सही एवं सटीक जानकारी देना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। सही आंकड़ों के आधार पर ही सरकार विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर सकती है, जिससे राष्ट्र और समाज दोनों को लाभ मिलेगा।

उन्होंने नागरिकों से घर-घर पहुंच रही जनगणना टीमों का सहयोग करने और राष्ट्रीय हित में अपनी जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट के सभी पटलों का किया औचक निरीक्षण

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी कविता मीना ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों और पटलों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नजारत अनुभाग, अभियोजन कार्यालय, रिकॉर्ड रूम, सीआरए सहित अन्य शाखाओं का जायजा लेकर वहां की कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कार्यों की प्रगति और अभिलेखों के रख-रखाव के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थिति पंजिका की जांच की तथा कुछ स्थानों पर साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक न पाए जाने पर नजारत नाजिर को तत्काल सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

रिकॉर्ड रूम के निरीक्षण के समय शासनादेशों के अद्यतन न होने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शासनादेश समय-समय पर अपडेट किए जाएं और अभिलेखों का व्यवस्थित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यालयों में अभिलेखों के संरक्षण के साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्थाएं भी दुरुस्त रहनी चाहिए। इस संबंध में उन्होंने फायर फाइटिंग सिस्टम की व्यवस्था को पूरी तरह कार्यशील और सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कार्यालयों में स्वच्छता, अभिलेखों का सुव्यवस्थित रखरखाव तथा जनहित से जुड़े कार्यों का समयबद्ध निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए।

मुख्य विकास अधिकारी ने बाबूगढ़ के वीर्य उत्पादन केन्द्र एवं पशुधन प्रक्षेत्र का किया निरीक्षण

हापुड़ (शिखर समाचार)। मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा ने सोमवार को बाबूगढ़ स्थित अतिहिमीकृत वीर्य उत्पादन केन्द्र (डीएफएस) एवं राजकीय कृषि एवं पशुधन प्रक्षेत्र का निरीक्षण कर वहां संचालित गतिविधियों की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने डीएफएस, बाबूगढ़ में उत्पादित किए जा रहे पारम्परिक एवं सेक्स सार्टिड सीमेन उत्पादन की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। संयुक्त निदेशक डॉ. संजीव कुमार ने बताया कि वर्तमान में केन्द्र पर साहीवाल, गिर, हरियाना, एचएफ तथा मुर्रा नस्ल के पारम्परिक अतिहिमीकृत वीर्य का उत्पादन किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि सेक्स सार्टिड सीमेन उत्पादन के लिए पशुपालन विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा अमेरिकन कम्पनी एबीएस का चयन किया गया है, जिसके माध्यम से अगले माह से उत्पादन कार्य शुरू किया जाएगा।

इसके बाद मुख्य विकास अधिकारी ने राजकीय कृषि एवं पशुधन प्रक्षेत्र, बाबूगढ़ का निरीक्षण किया। प्रक्षेत्र प्रबंधक डॉ. रमेश सिंह ने बताया कि यहां हरियाना नस्ल की गायों के संवर्धन एवं चारा बीज उत्पादन का कार्य किया जाता है। वर्तमान में प्रक्षेत्र पर कुल 704 हरियाना नस्ल के गोवंश पाले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि चारा बीज उत्पादन के साथ-साथ नैपियर घास की भी बुआई की गई है, जिसे किसानों को उपलब्ध कराया जाता है।

निरीक्षण के दौरान पशुपालन विभाग मेरठ मंडल के अपर निदेशक डॉ. मानव, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी हापुड़ डॉ. ओ.पी. मिश्रा, प्रक्षेत्र के अधिकारी तथा एबीएस कम्पनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सार्वजनिक स्थानों पर नशा करने वाले 27 लोगों के खिलाफ कार्रवाई

रबूपुरा (शिखर समाचार)। सार्वजनिक स्थानों पर शराब, हुक्का तथा अन्य मादक पदार्थों का सेवन करने वालों के खिलाफ रबूपुरा पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर 27 लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की है। यह अभियान सोमवार देर रात एसीपी-4 ग्रेटर नोएडा के नेतृत्व में चलाया गया। पुलिस के अनुसार सार्वजनिक स्थानों पर नशा करने से कानून-व्यवस्था प्रभावित होने तथा आम नागरिकों को असुविधा होने संबंधी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उच्चाधिकारियों के निर्देश पर विशेष अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थलों, प्रमुख चौराहों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सघन जांच की गई। जांच के दौरान 27 व्यक्ति शराब, हुक्का अथवा अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करते हुए पाए गए। सभी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर नशा करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी प्रकार अभियान जारी रहेगा। साथ ही लोगों से सार्वजनिक स्थानों पर नशा न करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई है।

दिल्ली हावड़ा रेल मार्ग पर अलग अलग हादसों में बुजुर्ग समेत दो की मौत

दादरी (शिखर समाचार)। दिल्ली हावड़ा रेल मार्ग पर रेलवे स्टेशन दादरी के समीप अलग अलग स्थानों पर हुए रेल हादसों में एक बुजुर्ग सहित दो लोगों की मौत हो गई। दोनों घटनाओं की सूचना मिलने पर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जीआरपी चौकी प्रभारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि 70 वर्षीय लालाराम दौलतराम कॉलोनी में परिवार के साथ रहते थे। वह मूल रूप से अलीगढ़ जनपद के पीपलोई गांव के निवासी थे। मंगलवार को वह दौलतराम कॉलोनी के सामने रेलवे लाइन पैदल पार कर रहे थे। इसी दौरान दिल्ली की ओर से आ रही एक ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। दूसरी घटना में बनारस के मिल्लत नगर निवासी 19 वर्षीय महताब खान शिवगंगा एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे थे। बताया गया कि वह ट्रेन के कोच के दरवाजे पर खड़े थे। जब ट्रेन दादरी रेलवे स्टेशन पार कर गाजियाबाद की ओर बढ़ रही थी, तभी उन्हें झपकी आ गई और संतुलन बिगड़ने से वह चलती ट्रेन से नीचे गिर गए। गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को रेलवे स्टेशन ले आई। तलाशी के दौरान युवक की जेब से पहचान पत्र, एटीएम कार्ड, 200 रुपये नकद तथा मोबाइल फोन बरामद हुआ, जिसके आधार पर उसकी पहचान की गई। पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को दे दी है। जीआरपी ने दोनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार, 58 पव्वे देशी शराब बरामद

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर पुलिस ने सोमवार रात एक व्यक्ति को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 58 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद की है। कोतवाली प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि सोमवार रात पुलिस क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति साबौता अंडरपास के पास अवैध शराब लेकर खड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां एक व्यक्ति प्लास्टिक का कट्टा लिए खड़ा दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 58 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी की पहचान धर्मवीर के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सौतेले भाई पर मकान का ताला तोड़कर कब्जा करने का आरोप

जेवर (शिखर समाचार)। लखनऊ निवासी एक व्यक्ति ने अपने सौतेले भाई और उसके तीन पुत्रों पर जेवर स्थित मकान का ताला तोड़कर कब्जा करने तथा कीमती सामान चोरी करने का आरोप लगाया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लखनऊ निवासी लक्ष्मीकांत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि कस्बा जेवर के मोहल्ला बुंदेलखंड स्थित उसके मकान पर उसके सौतेले भाई आनंद ने कथित रूप से ताला तोड़ दिया। आरोप है कि मकान में रखा कीमती सामान चोरी कर लिया गया तथा आनंद ने अपने तीन पुत्रों के साथ मिलकर मकान पर जबरन कब्जा कर लिया। पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

17 लाख की हाईवे लूट का खुलासा: ड्राइवर ही निकला मास्टरमाइंड, मुठभेड़ में घायल बदमाश समेत तीन गिरफ्तार

हापुड़ (शिखर समाचार)। नेशनल हाईवे-9 पर दिल्ली के कपड़ा व्यापारी से 17 लाख रुपये की लूट के मामले का हापुड़ पुलिस ने खुलासा कर दिया है। चौंकाने वाली बात यह रही कि व्यापारी का चालक ही इस लूटकांड का मास्टरमाइंड निकला। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश को घायल करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार दिल्ली के सीलमपुर निवासी कपड़ा व्यापारी डब्बू जैन रविवार को अपने चालक के साथ मुरादाबाद और आसपास के क्षेत्रों से भुगतान वसूली कर लौट रहे थे। गढ़मुक्तेश्वर टोल प्लाजा पार करने के बाद बाबूगढ़ क्षेत्र में कार सवार बदमाशों ने उनकी गाड़ी को रोक लिया और तमंचों के बल पर 17 लाख रुपये से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर ने बताया कि जांच में सामने आया कि चालक लक्ष्य ने अपने साथियों रिजवान और निहाल अहमद को व्यापारी की पूरी गतिविधियों की जानकारी दी थी। वह लगातार मोबाइल फोन के जरिए व्यापारी की लाइव लोकेशन भेज रहा था। इसी सूचना के आधार पर बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। देर रात बाबूगढ़ क्षेत्र के अलीपुर अंडरपास के पास पुलिस चेकिंग के दौरान आरोपियों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में रिजवान उर्फ मन्नू के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे तथा उसके साथी निहाल अहमद को गिरफ्तार कर लिया। बाद में चालक लक्ष्य को भी हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 16.50 लाख रुपये नकद, वारदात में प्रयुक्त कार, दो तमंचे और चार कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार दोनों बदमाशों पर लूट, हत्या के प्रयास, डकैती, धोखाधड़ी और आर्म्स एक्ट सहित कई संगीन मुकदमे दर्ज हैं। मामले में आगे की जांच जारी है।

अचेत अवस्था में मिले अज्ञात बुजुर्ग को डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। महावीर मार्ग (जानसठ रोड) स्थित रेलवे फ्लाईओवर के निकट एक अज्ञात बुजुर्ग अचेत अवस्था में मिले, जिन्हें अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जानसठ रोड रेलवे फ्लाईओवर के दाहिनी ओर सड़क किनारे कुंदकुंद जैन इंटर कॉलेज के पास लगभग 75 वर्षीय एक बुजुर्ग फुटपाथ पर अचेत अवस्था में पड़े मिले। सूचना मिलने पर उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खतौली पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

खतौली कोतवाली प्रभारी दिनेशचंद्र बघेल ने बताया कि मृतक के शरीर पर किसी प्रकार की चोट या बाहरी हिंसा के निशान नहीं पाए गए हैं। फिलहाल उनकी पहचान नहीं हो सकी है और पुलिस शिनाख्त कराने के प्रयास में जुटी हुई है।

पुलिस के अनुसार मृतक की जेब से एक डायरी बरामद हुई है, जिस पर विजय वर्मा नाम लिखा हुआ है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यही मृतक का नाम है या नहीं। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

संपादकीय

सीबीएसई का ओएसएम विवादः डिजिटल शिक्षा व्यवस्था में भरोसे की सबसे बड़ी परीक्षा

भारत तेजी से डिजिटल शासन और डिजिटल शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ रहा है। परीक्षा प्रणाली, मूल्यांकन प्रक्रिया और परिणाम प्रबंधन को तकनीक से जोड़ना समय की आवश्यकता भी है और भविष्य की अनिवार्यता भी। लेकिन जब तकनीक पारदर्शिता बढ़ाने के बजाय संदेह, असंतोष और अविश्वास का कारण बनने लगे, तब यह केवल एक तकनीकी समस्या नहीं रह जाती, बल्कि संस्थागत विश्वसनीयता का प्रश्न बन जाती है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) विवाद ने आज देश के सामने यही गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है।

सीबीएसई ने वर्ष 2026 में कक्षा 12 की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग प्रणाली को बड़े पैमाने पर लागू किया था। इसका उद्देश्य मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक तेज, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाना बताया गया था। लेकिन परिणाम घोषित होने के बाद देशभर से विद्यार्थियों और अभिभावकों की शिकायतें सामने आने लगीं। कई छात्रों ने आरोप लगाया कि उन्हें उपलब्ध कराई गई स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाएं उनकी लिखावट से मेल नहीं खातीं। कहीं धुंधली प्रतियां मिलीं, कहीं पृष्ठ अधूरे दिखाई दिए और कहीं उत्तर पुस्तिकाओं के मिलान को लेकर सवाल उठे। इसके साथ ही पुनर्मूल्यांकन और सत्यापन से जुड़े पोर्टलों में तकनीकी समस्याओं की शिकायतों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया। विवाद उस समय और गहरा गया जब सीबीएसई ने यह स्वीकार किया कि उत्तर पुस्तिकाओं से संबंधित कुछ डेटा सार्वजनिक डोमेन तक पहुंच गया था। यद्यपि बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया कि वास्तविक मूल्यांकन पोर्टल में किसी प्रकार की हैकिंग नहीं हुई और सुरक्षा व्यवस्थाएं सुरक्षित हैं, फिर भी छात्रों और अभिभावकों के मन में उठे संदेह पूरी तरह समाप्त नहीं हो सके। मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने मंगलवार को सीबीएसई के अध्यक्ष राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता का तबादला कर दिया तथा ओएसएम सेवाओं की खरीद प्रक्रिया की जांच के लिए एक सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता एस. राधा चौहान को सौंपी गई है। सरकार का यह कदम दशार्ता है कि वह इस पूरे प्रकरण को केवल प्रशासनिक चूक नहीं मान रही, बल्कि इसकी गहराई तक जाकर जवाबदेही सुनिश्चित करना चाहती है। दरअसल, समस्या केवल तकनीकी खामियों तक सीमित नहीं है। यह करोड़ों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा विषय है। भारत में बोर्ड परीक्षा के अंक उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और करियर की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में यदि किसी छात्र को यह विश्वास न रहे कि उसकी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन सही तरीके से हुआ है, तो पूरी परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। शिक्षा व्यवस्था में विश्वास उतना ही महत्वपूर्ण है जितना स्वयं मूल्यांकन। तकनीकी आधुनिकीकरण का विरोध नहीं किया जा सकता। दुनिया भर में डिजिटल मूल्यांकन प्रणालियां अपनाई जा रही हैं। लेकिन किसी भी नई व्यवस्था को लागू करने से पहले उसके व्यापक परीक्षण, साइबर सुरक्षा ऑडिट, गुणवत्ता नियंत्रण और शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत बनाना आवश्यक होता है। यदि लाखों उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक डिजिटल मंच पर होना है, तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि स्कैनिंग से लेकर मूल्यांकन और डेटा प्रबंधन तक हर स्तर पर त्रुटि की संभावना न्यूनतम हो। हाल के दिनों में उत्तर पुस्तिकाओं के मिश्रण, स्कैनिंग गुणवत्ता की समस्याओं और हजारों प्रतियों के मैनुअल मूल्यांकन की खबरों ने यह संकेत दिया है कि प्रणाली के क्रियान्वयन में कई स्तरों पर चुनौतियां मौजूद थीं।

~ मौलिक चिंतन ~

जब व्यक्ति को अपने आप से झूठ बोलना पड़े, तो समझो उसका पतन निश्चित है।

~~~~~~~~~

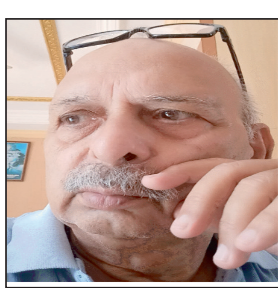

© विनय संकोची

विश्व साइकिल दिवसः प्रदूषण पर भाषण बहुत हुए, अब घर के कोने से साइकिल निकालिए

दिलीप कुमार पाठक

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब हर व्यक्ति समय की कमी और तनाव की शिकायत करता है, तब एक बेहद साधारण और किफायती समाधान हमारे सामने खड़ा दिखाई देता है। वह समाधान है - साइकिल। आज 3 जून को पूरी दुनिया विश्व साइकिल दिवस मना रही है। यह दिन किसी आधुनिक आविष्कार का जश्न नहीं, बल्कि उस सादगी और उपयोगिता को याद करने का अवसर है, जिसे हमने विकास की अंधी दौड़ में कहीं पीछे छोड़ दिया है। जब पूरी दुनिया महंगे ईंधन, ट्रैफिक जाम और जहरीले धुएं से हांफ रही है, तब साइकिल एक सुगम साधन की तरह नजर आती है। यह कोई साधारण सवारी नहीं, बल्कि बिना धुएं वाली वह मूक क्रांति है जो व्यक्ति की सेहत, जेब और धरती तीनों को एक साथ संवार सकती है।

आजकल की जीवनशैली को देखें तो हैरान करने वाली तस्वीरें सामने आती हैं। घर से महज दो कदम दूर सब्जी की दुकान या दूध की डेयरी तक जाने के लिए भी लोग तुरंत मोटरसाइकिल या कार की चाबी उठा लेते हैं। नतीजा यह हुआ है कि शहरों की हवा भारी हो चुकी है, सड़कों पर पैदल चलने की जगह नहीं बची और इंसानी शरीर बीमारियों का घर बनता जा रहा है। लोग शारीरिक रूप से खुद को फिट रखने के लिए हर महीने जिम में हजारों रुपये खर्च करते हैं और एक ही जगह खड़े होकर ट्रेडमिल पर दौड़ते हैं। जबकि इसका सबसे आसान और प्राकृतिक विकल्प हमारी दिनचर्या में ही छुपा है। सुबह या शाम को सिर्फ आधा घंटा साइकिल चलाना दिल को मजबूत करता है, मानसिक तनाव को कम करता है और शरीर को ऊर्जा से भर देता है।साइकिल की सबसे खूबसूरत बात यह है कि यह समाज में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करती। इसके लिए न तो महंगे पेट्रोल-डीजल की जरूरत होती है और न ही किसी भारी-भरकम मेंटेनेंस या सर्विसिंग के खर्च की। यह आत्मनिर्भरता और बचत का सबसे पहला और सच्चा पाठ पढ़ाती है। आज जब ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर समस्याएं पूरी दुनिया के लिए चुनौती बनी हुई हैं, तब साइकिल जमीन पर उतरकर इसका व्यावहारिक समाधान देती है। अगर किसी भी शहर का हर तीसरा व्यक्ति अपने छोटे-मोटे स्थानीय कामों के लिए गाड़ियों को छोड़कर साइकिल का इस्तेमाल करना शुरू कर दे, तो वायु प्रदूषण और ट्रैफिक की समस्या काफी हद तक हल हो सकती है।कई विकसित देशों ने इस बात को गहराई से समझा है और साइकिल को अपनी मुख्य जीवनशैली का हिस्सा बनाया है। वहाँ बड़े-बड़े अधिकारी और सजग नागरिक गर्व से साइकिल से दफ्तर जाते हैं। हमारे देश में भी अब धीरे-धीरे जागरूकता बढ़ रही है और शहरों में साइकिलिंग ग्रुप्स का चलन देखने को मिल रहा है। हालांकि, इस बदलाव को एक राष्ट्रव्यापी मुहिम बनाने के लिए हमें अपनी मानसिकता और बुनियादी ढांचे दोनों में सुधार करना होगा। आज भी हमारे शहरों की सड़कें सिर्फ बड़ी और तेज रफ्तार गाड़ियों के हिसाब से बनाई जाती हैं। साइकिल चालकों के लिए अलग सुरक्षित लेन न होने के कारण लोग सड़कों पर निकलने से कतराते हैं। सरकारों को शहरी नियोजन में साइकिल ट्रैक को प्राथमिकता देनी होगी।इसके साथ ही, समाज को इस संकुचित सोच से भी बाहर निकलना होगा कि साइकिल सिर्फ उन लोगों के लिए है जो गाड़ी नहीं खरीद सकते। साइकिल चलाना पिछड़ेपन की नहीं, बल्कि एक बेहद जागरूक, समझदार और आधुनिक नागरिक होने की पहचान है। इस विश्व साइकिल दिवस पर हमें केवल औपचारिक संदेश भेजने के बजाय एक छोटा सा व्यावहारिक संकल्प लेना चाहिए। तय करें कि सप्ताह में कम से कम एक या दो दिन हम अपनी गाड़ियों को आराम देंगे और नजदीकी कामों के लिए साइकिल की सवारी करेंगे। जब आपकी साइकिल का पहिया घूमता है, तो देश की सेहत और पर्यावरण का पहिया भी सही दिशा में आगे बढ़ता है।

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरा बुलबुला है या वास्तविक चुनौती?

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसी क्रांतियां हुई हैं जिन्होंने जीवन की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया। कृषि क्रांति ने मनुष्य को स्थायित्व दिया, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन और श्रम की परिभाषा बदली, सूचना क्रांति ने ज्ञान और संचार की सीमाएं समाप्त कर दीं। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की क्रांति मानव इतिहास के एक नए मोड़ पर खड़ी है। यह केवल एक तकनीकी परिवर्तन नहीं है, बल्कि मनुष्य की बुद्धि, निर्णय क्षमता, रोजगार, सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था और यहां तक कि उसके अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। यही कारण है कि आज विश्वभर में यह बहस तेज हो रही है कि क्या एआई मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध होगी या वह धीरे-धीरे मनुष्य के महत्व को ही चुनौती देने लगेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल मशीनों को चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उन कार्यों को भी करने लगी है जिन्हें लंबे समय तक केवल मनुष्य की विशिष्ट क्षमता माना जाता था। लेखन, चित्र निर्माण, संगीत रचना, रोगों का निदान, न्यायिक विश्लेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशासनिक निर्णय जैसे क्षेत्रों में इसकी बढ़ती उपस्थिति ने अनेक नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि मशीनें सोचने, सीखने और निर्णय लेने लगेंगी तो मनुष्य की विशिष्टता क्या रह जाएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और नैतिक भी है।

मानव अस्मिता का आधार उसकी चेतना, संवेदना, रचनात्मकता और नैतिक विवेक है। एआई के पास विशाल सूचनाओं का भंडार और तीव्र गणनात्मक क्षमता अवश्य है, लेकिन उसके पास अनुभवजन्य चेतना, करुणा, आत्मबोध और मूल्यबोध नहीं है। फिर भी जब मशीनें कविता लिखती हैं, चित्र बनाती हैं और संवाद करती हैं, तब यह भ्रम उत्पन्न होने लगता है कि वे मनुष्य का स्थान ले सकती हैं। वास्तव में चुनौती यह नहीं है कि मशीनें मनुष्य बन जाएंगी, बल्कि यह है कि कहीं मनुष्य स्वयं मशीनों की तरह व्यवहार करने न लगे। यदि जीवन का प्रत्येक निर्णय गणनात्मक दक्षता और आंकड़ों के आधार पर होने लगे, तो मानवीय संवेदनाएं और नैतिक मूल्य हाशिये पर जा सकते हैं। इसी संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि क्या भविष्य में एक नई मानव संरचना का निर्माण होगा? विश्व के अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी चिंतक यह मानते हैं कि आने वाले दशकों में जैविक मनुष्य और डिजिटल तकनीक के बीच की दूरी लगातार कम होगी। मस्तिष्क और कंप्यूटर के प्रत्यक्ष संपर्क, कृत्रिम अंगों, स्मृति-विस्तार तकनीकों और जैव-तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से एक ऐसे युग की कल्पना की जा रही है जहां मनुष्य और मशीन का सम्मिलित स्वरूप विकसित हो सकता है। यह संभावना जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही चिंताजनक भी है। यदि तकनीकी रूप से उन्नत मनुष्य और सामान्य मनुष्य के बीच गहरी खाई बन गई तो सामाजिक असमानता का एक नया रूप सामने आ सकता है।

एआई के बढ़ते प्रभाव के साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। अनेक क्षेत्रों में नियमित और दोहराव वाले कार्य मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई कि बड़ी संख्या में रोजगार समाप्त हो जाएंगे। विश्व की कई बड़ी तकनीकी कंपनियों ने लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के नाम पर कर्मचारियों की संख्या घटाई है। किंतु हाल के अनुभव यह भी बताते हैं कि एआई मानव श्रम का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकी है। जटिल निर्णय, नवाचार, मानवीय संबंधों का प्रबंधन और परिस्थितिजन्य विवेक जैसे क्षेत्रों में मनुष्य की भूमिका अभी भी केंद्रीय बनी हुई है। यहीं पर वैश्विक शोध संस्था गार्टनर की हालिया रिपोर्ट विशेष महत्व रखती है। गार्टनर ने अपनी नवीनतम विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में संकेत दिया है कि एआई अब अत्यधिक अपेक्षाओं के शिखर से आगे बढ़कर मोहभंग के चरण में प्रवेश कर रही है। अनेक कंपनियों ने इससे तत्काल आर्थिक लाभ और उत्पादकता में चमत्कारी वृद्धि की उम्मीद की थी, लेकिन वास्तविक परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं मिले। परियोजनाओं की ऊंची लागत, आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं, गलत या भ्रामक उत्तर देने की प्रवृत्ति और स्पष्ट उपयोगिता सिद्ध न कर पाने जैसी समस्याएं सामने आई हैं। रिपोर्ट में यह आशंका भी व्यक्त की गई है कि लगभग एक-तिहाई परियोजनाएं प्रारंभिक चरण के बाद बंद हो सकती हैं क्योंकि वे अपने निवेश के अनुरूप परिणाम देने में असफल रही हैं। यह निष्कर्ष इस धारणा को चुनौती देता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तत्काल सभी समस्याओं का समाधान बन जाएगी।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि एआई एक अस्थायी बुलबुला है जो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। इतिहास बताता है कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति के प्रारंभिक चरण में उत्साह और अतिशयोक्ति दोनों मौजूद रहते हैं। बाद में वास्तविक उपयोगिता के आधार पर उसका संतुलित विकास होता है। इंटरनेट के साथ भी यही हुआ था। प्रारंभिक उत्साह के बाद अनेक कंपनियां समाप्त हो गईं, लेकिन इंटरनेट स्वयं विश्व व्यवस्था का आधार बन गया। एआई के साथ भी कुछ ऐसा ही होने की संभावना है। अतः इसका अतिशयोक्तिपूर्ण महिमामंडन भी उचित नहीं है और इसके शीघ्र समाप्त हो जाने की कल्पना भी यथार्थवादी नहीं है। व्यापार जगत में एआई की भूमिका निरंतर बढ़ेगी। उत्पादन, विपणन, ग्राहक सेवा, वित्तीय विश्लेषण और आपूर्ति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक उपयोग होगा। इससे कार्यों की गति और दक्षता बढ़ेगी, किंतु साथ ही कार्यबल के स्वरूप में परिवर्तन आएगा। भविष्य में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि समस्या समाधान, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और भावनात्मक समझ जैसे गुण अधिक महत्वपूर्ण बनेंगे। इसलिए शिक्षा और कौशल विकास की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से तैयार करना होगा। प्रशासनिक क्षेत्र में भी एआई शासन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की क्षमता रखती है। नीतिगत विश्लेषण, संसाधनों का वितरण, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं का संचालन तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है। यदि नागरिकों के व्यक्तिगत आंकड़ों का अत्यधिक संग्रह और विश्लेषण होने लगे तो निजता और स्वतंत्रता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए तकनीकी दक्षता और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होगा। सैन्य क्षेत्र में एआई का प्रयोग सबसे अधिक चिंताजनक माना जा रहा है। स्वायत्त हथियार प्रणालियां, मानव रहित युद्धक उपकरण और लक्ष्य चयन करने वाली मशीनें युद्ध की प्रकृति को पूरी तरह बदल सकती हैं। यदि किसी मशीन को जीवन और मृत्यु का निर्णय करने की शक्ति मिल जाए तो नैतिक और मानवीय प्रश्न अत्यंत गंभीर हो जाएंगे। इसलिए विश्व स्तर पर ऐसी तकनीकों के नियमन और नियंत्रण की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है।

इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि मानव जीवन सुरक्षित, संतुलित और सार्थक कैसे बना रहे? इसका उत्तर तकनीक के विरोध में नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में निहित है। एआई को मानव जीवन का स्वामी नहीं, सहायक बनाना होगा। शिक्षा प्रणाली में नैतिकता, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों को अधिक महत्व देना होगा। मनुष्य की भावनात्मक बुद्धिमत्ता, करुणा, सहानुभूति और आध्यात्मिक चेतना ही वे क्षेत्र हैं जिन्हें कोई मशीन प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। साथ ही, वैश्विक स्तर पर ऐसे नियमों और नीतियों की आवश्यकता है जो एआई के विकास को मानव कल्याण की दिशा में नियंत्रित करें। यदि यह तकनीक केवल कुछ शक्तिशाली कंपनियों या राष्ट्रों के हितों तक सीमित रह गई तो असमानता और संघर्ष बढ़ सकते हैं। इसके विपरीत यदि इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास के लिए किया जाए तो यह मानवता के लिए अभूतपूर्व अवसरों का द्वार खोल सकती है।

अंततः एआई न तो पूर्णतः वरदान है और न ही अनिवार्य रूप से अभिशाप। यह एक शक्तिशाली साधन है जिसकी दिशा और परिणाम मनुष्य के विवेक पर निर्भर करेंगे। चुनौती मशीनों से नहीं, बल्कि इस बात से है कि क्या मनुष्य अपनी मानवीयता, संवेदनशीलता और नैतिक चेतना को सुरक्षित रख पाएगा। भविष्य का प्रश्न यह नहीं है कि एआई कितनी शक्तिशाली होगी, बल्कि यह है कि मनुष्य कितना सजग, उत्तरदायी और मूल्यनिष्ठ बना रहेगा। यदि मानवता तकनीकी प्रगति और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित कर सकी, तो एआई मानव विकास का नया अध्याय लिखेगी अन्यथा वही तकनीक असंतुलन, असमानता और अस्तित्वगत संकट का कारण भी बन सकती है। यही हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

बालेन्द्र शाह ने सीमा विवाद सुलझाने के लिए ब्रिटेन को निमंत्रित कर अपनी जगहँसाई करवा ली है

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि नेपाली संसद में बोलते हुए बालेन्द्र शाह ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री बनने के बाद पता चला कि केवल भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारतीय भूमि पर अतिक्रमण किया है।

भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर चल रहा पुराना सीमा विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार वजह कोई नया भू-राजनीतिक घटनाक्रम नहीं बल्कि नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की चौंकाने वाली और कई मायनों में अपरिपक्व बयानबाजी बनी है। संसद में उन्होंने ऐसा दावा कर दिया जिसने काठमांडू से लेकर नई दिल्ली तक हलचल मचा दी। हालात इतने असहज हो गए कि कुछ ही घंटों बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को सफाई देने मैदान में उतरना पड़ा। और विडंबना देखिए, भारत को घेरने की कोशिश में दिया गया बयान नेपाल में ही प्रधानमंत्री के लिए भारी पड़ गया। विपक्ष, पूर्व विदेश मंत्री, पूर्व राजदूत और सीमा विशेषज्ञ तक उनके खिलाफ खड़े हो गए और उनसे सबूत, स्पष्टीकरण, यहां तक कि माफी की मांग होने लगी। सीमा विवाद पर राजनीतिक परिपक्वता दिखाने के बजाय बालेन्द्र शाह की टिप्पणियां ऐसी साबित हुईं जिन्होंने नेपाल की आधिकारिक स्थिति को ही कठघरे में खड़ा कर दिया।

हम आपको बता दें कि नेपाली संसद में बोलते हुए बालेन्द्र शाह ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री बनने के बाद पता चला कि केवल भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारतीय भूमि पर अतिक्रमण किया है। उन्होंने दोनों देशों से तथ्यों का अध्ययन कर मित्रवत तरीके से विवाद सुलझाने की अपील की। उधर, नेपाल में विपक्षी दलों और पूर्व राजनयिकों ने बालेन्द्र शाह की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया दी। नेपाली कांग्रेस की बसना थापा और अन्य नेताओं ने संसद के अभिलेखों से बयान हटाने की मांग की। पूर्व विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवाली ने भी प्रधानमंत्री से माफी मांगने की बात कही। नेपाल के पूर्व राजदूत नीलाम्बर आचार्य और दीप कुमार उपाध्याय ने स्पष्ट कहा कि नेपाल द्वारा भारतीय भूमि पर अतिक्रमण का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। सीमा विशेषज्ञ बुद्धि नारायण श्रेष्ठ ने भी प्रधानमंत्री की बातों को तथ्यात्मक आधार से रहित बताया। इस प्रकार बालेन्द्र शाह का बयान भारत से अधिक नेपाल के भीतर ही विवाद का विषय बन गया।

दरअसल, सीमा विवाद का केंद्र लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्र हैं। नेपाल का दावा है कि सुगौली संधि के अनुसार काली नदी का उद्गम लिम्पियाधुरा से होता है, इसलिए उसके पूर्व का पूरा क्षेत्र नेपाली भूभाग है। दूसरी ओर भारत का कहना है कि काली नदी का वास्तविक उद्गम लिपुलेख दर्रे के नीचे स्थित स्त्रोतों से होता है और ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार कालापानी क्षेत्र लंबे समय से उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का हिस्सा रहा है। यही मूल विवाद दोनों देशों के दावों की जड़ में है।

हम आपको बता दें कि विवाद को हाल में उस समय नया मोड़ मिला जब नेपाल ने लिपुलेख मार्ग से होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा पर आपत्ति जताते हुए भारत और चीन दोनों को कूटनीतिक नोट भेजा। भारत ने इस आपत्ति को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि लिपुलेख मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा 1954 से लगातार संचालित हो रही है और यह कोई नया घटनाक्रम नहीं है। भारत ने यह भी दोहराया कि एकतरफा तरीके से क्षेत्रीय दावों का विस्तार न तो ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है और न ही स्वीकार्य है।

उधर, बालेन्द्र शाह के बयान पर विवाद खड़ा होने के बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई देते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री का आशय यह नहीं था कि नेपाल ने आधिकारिक रूप से भारतीय भूमि पर कब्जा किया है। मंत्रालय के अनुसार सीमा के कुछ हिस्सों में सीमा स्तंभों की कमी, दशगजा क्षेत्र और सीमापार भूमि उपयोग जैसी व्यावहारिक समस्याओं के कारण ऐसी स्थितियां उत्पन्न हुई हैं जहां दोनों ओर के लोग एक-दूसरे की जमीन का उपयोग करते रहे हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने यह भी दोहराया कि दोनों देश कूटनीतिक बातचीत, तकनीकी सर्वेक्षण और ऐतिहासिक दस्तावेजों के आधार पर समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

लेकिन सबसे अधिक हैरानी प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के उस सुझाव पर हुई जिसमें उन्होंने सीमा विवाद के समाधान में ब्रिटेन की भागीदारी की बात उठाई। उन्होंने तर्क दिया कि वर्तमान सीमाओं की पृष्ठभूमि औपनिवेशिक काल से जुड़ी है, इसलिए ब्रिटेन को भी इस विषय में रुचि लेनी चाहिए। यह प्रस्ताव न केवल व्यावहारिक दृष्टि से कमजोर माना गया बल्कि नेपाल के भीतर भी इसे अपरिपक्व और अनावश्यक बताया गया। भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद हमेशा द्विपक्षीय ढांचे में चर्चा का विषय रहा है। ऐसे में तीसरे पक्ष को बीच में लाने की बात कूटनीतिक परंपराओं और स्थापित समझ से मेल नहीं खाती।

इसके अलावा, सीमा विवाद जैसे संवेदनशील और पूर्णतः द्विपक्षीय विषय में ब्रिटेन को शामिल करने का सुझाव बालेन्द्र शाह की कूटनीतिक नासमझी का ऐसा सार्वजनिक प्रदर्शन था जिसने कई जानकारों को हैरान कर दिया। भारत दशकों से स्पष्ट करता आया है कि वह अपने किसी भी द्विपक्षीय विवाद में तीसरे पक्ष की मध्यस्थता या दखल को स्वीकार नहीं करता, चाहे मामला पाकिस्तान का हो, चीन का हो या नेपाल का। ऐसे में ब्रिटेन को बातचीत की मेज पर बुलाने का प्रस्ताव शुरू से ही अव्यावहारिक और वास्तविकताओं से कटा हुआ नजर आया। जिस देश ने दो शताब्दियों पहले उपमहाद्वीप छोड़ दिया, उसे आज की सीमा वाताओं में घसीटने की कोशिश को कई पर्यवेक्षकों ने राजनीतिक अपरिपक्वता बताया। दिलचस्प यह है कि बालेन्द्र शाह की इस टिप्पणी पर केवल नेपाल में ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन के रणनीतिक और दक्षिण एशियाई मामलों पर नजर रखने वाले हलकों में भी हैरानी जताई गई और इसे अव्यावहारिक सोच का उदाहरण माना गया। कूटनीति की दुनिया में जहां गंभीरता, तैयारी और यथार्थवादी दृष्टिकोण की अपेक्षा की जाती है, वहां बालेन्द्र शाह का यह सुझाव कई लोगों को ऐसा लगा मानो किसी जटिल अंतरराष्ट्रीय विवाद के समाधान के लिए इतिहास की धूल झाड़कर ऐसे पात्रों को मंच पर बुलाने की कोशिश की जा रही हो जिनकी अब उस प्रक्रिया में कोई वास्तविक भूमिका ही नहीं बची है।

देखा जाये तो सामरिक दृष्टि से लिपुलेख क्षेत्र का महत्व अत्यंत गहरा है। यह भारत, नेपाल और चीन के त्रिसीमा क्षेत्र के निकट स्थित है। यह केवल धार्मिक यात्रा का मार्ग नहीं बल्कि हिमालयी क्षेत्र में संपर्क, निगरानी और रणनीतिक पहुंच का महत्वपूर्ण केंद्र भी है। चीन की बढ़ती सक्रियता और हिमालयी क्षेत्र में बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच यह इलाका राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से और भी संवेदनशील हो गया है। इसलिए इस क्षेत्र से जुड़ा कोई भी राजनीतिक बयान केवल घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहता बल्कि उसके व्यापक सामरिक प्रभाव भी होते हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री का बयान इसी कारण अधिक विवादास्पद बन गया। बिना पर्याप्त तैयारी और तथ्यों की मजबूत प्रस्तुति के ऐसे संवेदनशील विषयों पर टिप्पणी करना न केवल कूटनीतिक भ्रम पैदा करता है बल्कि अपने ही देश की आधिकारिक स्थिति को कमजोर भी कर सकता है। यही कारण है कि उनकी टिप्पणियों के तुरंत बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को स्पष्टीकरण देना पड़ा और देश के अनेक राजनीतिक तथा कूटनीतिक विशेषज्ञों ने उनकी आलोचना की।

बहरहाल, यह पूरा प्रकरण एक महत्वपूर्ण संदेश देता है। भारत और नेपाल के बीच सीमा से जुड़े मतभेद अवश्य हैं, लेकिन दोनों देशों ने बार-बार बातचीत और कूटनीति के माध्यम से समाधान की प्रतिबद्धता जताई है। ऐसे समय में भावनात्मक या बचकाने राजनीतिक बयान समाधान का रास्ता नहीं खोलते, बल्कि अनावश्यक भ्रम और विवाद को जन्म देते हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की हालिया टिप्पणियां इसी का उदाहरण बन गई हैं, जहां भारत पर निशाना साधने की कोशिश से अधिक नुकसान उन्हें अपने ही देश के राजनीतिक और कूटनीतिक हलकों में उठाना पड़ा है।
~~~~~~~~~

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं, लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

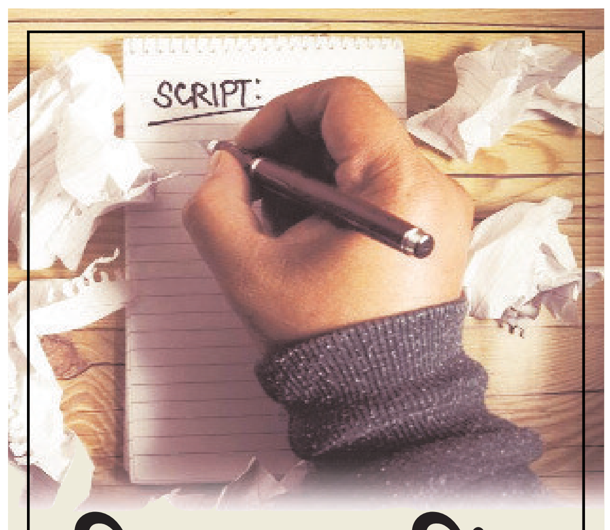

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढ़ने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढ़ने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।

बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है। जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।

कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।

जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढ़ना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णतः व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढ़िया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।

देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।

अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

विनिर्माण तीन महीने के उच्चतम पर, राजकोषीय घाटा लक्ष्य हासिल

नई दिल्ली ।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मई 2026 सकारात्मक रहा, विनिर्माण गतिविधियां तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं, वहीं सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को भी सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधन सूचकांक (पीएमआई) मई में 55 पर पहुंच गया, जो मजबूत घरेलू मांग, नए ऑर्डरों और बुनियादी ढांचे पर सरकारी खर्च का परिणाम है। कच्चे तेल में उछाल के कारण उपजी लागत के दबाव के बावजूद कंपनियों ने उत्पादन और कच्चे माल की खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि की। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में 4.4 फीसदी के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया। संशोधित आंकड़ों के अनुसार यह घाटा 15,58,492 करोड़ रुपये रहा, जबकि इस दौरान कुल राजस्व संग्रह 33.42 लाख करोड़ रुपये रहा। हालांकि, बिजली की मांग बढ़ने के बावजूद कोल इंडिया का कोयला उत्पादन मई, 2026 में 5.61 करोड़ टन रहा। अप्रैल-मई की अवधि में कंपनी का कुल उत्पादन 10.6 फीसदी घट गया, जिसकी वजह कंपनी ने नहीं बताई।

सीएसपीटीसीएल आईपीओ की राह पर, आम निवेशकों के लिए खुलेंगे द्वार

रायपुर ।

छत्तीसगढ़ पावर ट्रांसमिशन कंपनी (सीएसपीटीसीएल) जल्द ही अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लाने की तैयारी में है। इसके जरिए कंपनी आम निवेशकों से पूंजी जुटाएगी। यह कदम सफल होने पर सीएसपीटीसीएल राज्य सरकार की पहली ऐसी कंपनी बन जाएगी, जिसके शेयर स्टॉक मार्केट में कारोबार के लिए उपलब्ध होंगे। आईपीओ का उद्देश्य कंपनी को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना, निवेशकों का व्यापक आधार तैयार करना और पूंजी जुटाना है। इसके बाद कंपनी के शेयर शेयर बाजार में सूचीबद्ध होंगे, जिससे आम नागरिक भी कंपनी के विकास में भागीदार बन सकेंगे और मुनाफे पर लाभांश प्राप्त कर सकेंगे। कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया कि देश की कई सरकारी और केंद्रीय ऊर्जा कंपनियां पहले से ही आईपीओ के जरिए पूंजी जुटा रही हैं। उन्होंने पुष्टि की कि छत्तीसगढ़ ट्रांसमिशन कंपनी के आईपीओ लाने पर उच्च स्तर पर चर्चा चल रही है, जो शासन स्तर का मामला है। गौरतलब है कि पूर्व में छत्तीसगढ़ पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने बॉन्ड जारी किए थे, पर उसके शेयरों में कारोबार नहीं होता।

रुपया 16 पैसे चढ़कर 95.03 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया सोमवार को 34 पैसे टूटकर 95.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में 16 पैसे मजबूत होकर 95.03 पर पहुंच गया। भारत की मजबूत घरेलू आर्थिक स्थिति और जारी भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच संतुलन बनने से रुपये को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि पश्चिम एशिया की अनिश्चित स्थिति हालांकि अब भी वित्तीय बाजारों और ऊर्जा कीमतों पर दबाव बनाए हुए है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.16 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में चढ़कर 95.03 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 16 पैसे अधिक है। रुपया सोमवार को 34 पैसे टूटकर 95.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.19 पर रहा।

आरबीआई जून एमपीसी में रेपो रेट को रख सकता है स्थिर, आउटलुक और आक्रामक होने की उम्मीद- एचएसबीसी

नई दिल्ली।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आने वाली जून मौद्रिक नीति कमेटी (एमसीसी) में रेपो रेट को स्थिर रख सकता है। वहीं, कमजोर रुपया और कच्चे तेल की कीमत बढ़ने के कारण महंगाई में इजाफा होने की संभावना के चलते आउटलुक और अधिक आक्रामक होने की उम्मीद है। यह बयान एचएसबीसी में एक अर्थशास्त्री की ओर से दिया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एचएसबीसी की चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट और मैक्रो स्ट्रैटजिस्ट प्रांजुल भंडारी का कहा कि इस मौद्रिक नीति में आरबीआई का महंगाई और अर्थव्यवस्था की विकास दर को लेकर आने वाला अनुमान बताएगा कि नीति निर्माता कैसे इस ऊर्जा संकट को देख रहे हैं।

पिछले रिव्यू में केंद्रीय बैंक ने तेल की आधारभूत कीमत लगभग 85 डॉलर प्रति बैरल और वैकल्पिक परिदृश्य के रूप में 95 डॉलर का उपयोग किया था। एचएसबीसी की अर्थशास्त्री का मानना है कि तेल की ऊंची कीमतों का अनुमान अब आरबीआई का आधार होगा, जिससे महंगाई का अनुमान पहले के 4.6 प्रतिशत के अनुमान से बढ़कर 5 प्रतिशत के करीब पहुंच जाएगा। भंडारी ने कहा, ÷महंगाई बढ़ रही है, जो ब्याज दरों में वृद्धि का समर्थन करती है, जबकि विकास धीमा हो रहा है, जो ब्याज दरों में वृद्धि के खिलाफ तर्क देता है।÷ उन्होंने इसे ÷किसी भी केंद्रीय बैंक के लिए सबसे कठिन स्थिति÷ भी बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि तेल की ऊंची कीमतें और संभावित अल नीनो डेवलपमेंट, महंगाई नियंत्रण, राजकोषीय घाटे और चालू खाते के लिए बाधा बन सकते हैं। केयरएज रेटिंग्स की हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि सामान्य से कम मानसून के पूर्वानुमान और हाल ही में खुदरा ईंधन की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के कारण मुद्रास्फीति संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि थोक महंगाई में तीव्र वृद्धि से उपभोक्ता कीमतों पर इसका प्रभाव के तेजी से बढ़ने का खतरा है। महंगाई में मौजूदा उछाल आपूर्ति में अचानक आई कमी के कारण है, न कि मांग में वृद्धि के कारण।

श्री सीमेंट के 'टेक्निकल टॉक्स 2026' का सफल आयोजन

जयपुर ।

श्री सीमेंट लिमिटेड ने इंडियन कंक्रीट इंस्टिट्यूट (आईसीआई) के सहयोग से जयपुर में ÷श्री सीमेंट टेक्निकल टॉक्स 2026÷ का आयोजन किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के मुख्य अभियंताओं, तकनीकी विशेषज्ञों एवं निर्माण क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों ने भाग लिया। इस मौके पर मुख्य वक्ता प्रदीप गर्ग ने सतत निर्माण एवं कार्बन उत्सर्जन में कमी विषय पर अपने विचार साझा किए, जबकि ए माथुर ने अर्बन ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट विषय पर महत्वपूर्ण प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में डॉ. महेश सिंघल की विशेष उपस्थिति रही। श्री सीमेंट की ओर से अमिताभ सिहाग, गौतम चटर्जी, राजेश सिंघल, विनीत सिंह एवं नितिन शर्मा ने अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

ओला इलेक्ट्रिक क्यूआईपी के जरिए जुटाएगी पूंजी

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, घटती बिक्री और लगातार घाटे के बीच ओला इलेक्ट्रिक ने क्वो लिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के जरिए नई पूंजी जुटाने का फैसला किया है। कंपनी ने इसके लिए प्रति इक्विटी शेयर 37.74 रुपये का फ्लोर प्राइस तय किया है। ओला इलेक्ट्रिक ऐसे समय में यह फंड जुटा रही है, जब वह बिक्री में सुस्ती, बाजार हिस्सेदारी पर बढ़ते दबाव और लगातार घाटे जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। इस कदम का उद्देश्य कंपनी के विस्तार और विनिर्माण योजनाओं को गति देना है। क्यूआईपी के माध्यम से कंपनी म्यूचुअल फंड और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों जैसे बड़े संस्थागत निवेशकों से सीधे पूंजी जुटा सकेगी। इस पूंजी का उपयोग स्थानीय उत्पादन बढ़ाने, सप्लाई चेन पर नियंत्रण हासिल करने और बैटरी सेल व इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल सेगमेंट में अपने आक्रामक विस्तार की रणनीति को मजबूत करने में किया जाएगा। कंपनी ने हाल ही में सहायक कंपनियों में 2,000 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा भी की थी।

तेल कंपनियों को नुकसान, फिर बढ़ सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम

कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के पार, कंपनियों को 12 रुपए प्रति लीटर का घाटा

नई दिल्ली ।

पिछले एक हफ्ते से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भले ही स्थिरता बनी हुई है, लेकिन उपभोक्ताओं को जल्द ही फिर से महंगाई का सामना करना पड़ सकता है। तेल विपणन कंपनियों को कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी उछाल के कारण प्रति लीटर 12 रुपये तक का नुकसान हो रहा है, जिसकी भरपाई के लिए वे जल्द ही ईंधन की कीमतों में इजाफा कर सकती हैं। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी कंपनियों को पेट्रोल पर प्रति लीटर 5.5 रुपये और डीजल पर 4.5 रुपये का नुकसान हो रहा है। कुल मिलाकर यह घाटा 12 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है। मई महीने में भी इन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुल 7.5 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की थी, बावजूद इसके नुकसान की स्थिति बनी हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने से पहले अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल था, जो अब 100 डॉलर के आंकड़े को पार कर चुका है। इस बढ़ोतरी के कारण भारतीय तेल कंपनियों को रोजाना लगभग 550 करोड़ रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस स्थिति से निपटने के लिए मूल्य वृद्धि एक संभावित कदम माना जा रहा है। केवल पेट्रोल-डीजल ही नहीं, बल्कि अन्य पेट्रोलियम उत्पादों पर भी कंपनियां घाटा झेल रही हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार,

एलपीजी सिलेंडर पर कंपनियों को प्रति सिलेंडर 650 रुपये का नुकसान हो रहा है, वहीं एविएशन टरबाइन फ्यूल पर 30 रुपये प्रति लीटर का घाटा है। गौरतलब है कि युद्ध शुरू होने के बाद 76 दिनों तक ईंधन की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई थी, जिसके बाद 4 बार कीमतें बढ़ाई गईं। वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम भी मार्च से अब तक 47 फीसदी से अधिक बढ़ चुके हैं, जिसमें हाल ही में 1 जून को 40 रुपये की वृद्धि भी शामिल है।

केंद्रीय कर्मचारियों को 63 फीसदी डीए जुलाई से, 3 फीसदी होगी बढ़ोतरी

सितंबर-अक्टूबर में घोषणा की उम्मीद

नई दिल्ली ।

केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स का इंतजार जल्द खत्म होने वाला है। अनुमान है कि केंद्र सरकार उनके महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकती है। इस वृद्धि के बाद कर्मचारियों का डीए 60 प्रतिशत से बढ़कर 63 प्रतिशत हो जाएगा, जो जुलाई 2026 से प्रभावी माना जाएगा। इस फैसले से लाखों केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, जिसकी घोषणा सितंबर या अक्टूबर माह में की जा सकती है। लेबर ब्यूरो की ओर से जारी नवीनतम महंगाई के आंकड़ों से संकेत मिल रहे हैं कि महंगाई भत्ता 3 फीसदी बढ़ सकता है। अप्रैल 2026 के लिए जारी ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स फॉर इंडस्ट्रियल वर्कर्स डेटा 149.9 पर पहुंच गया है, जिसके आधार पर जून तक गणना 63 फीसदी से ऊपर रहने का अनुमान है। चूंकि डीए को आमतौर पर पूरे अंक में लागू किया जाता है, इसलिए जुलाई से 63 फीसदी डीए मिलने की पूरी संभावना है। इस बढ़ोतरी की घोषणा सितंबर या अक्टूबर में होने की उम्मीद है। यदि घोषणा सितंबर में होती है, तो कर्मचारियों को जुलाई, अगस्त और सितंबर के तीन महीनों का एरियर मिलेगा। वहीं अक्टूबर में ऐलान होने पर चार महीने (जुलाई से अक्टूबर) का एरियर देय होगा। उदाहरण के लिए, 18,000 रुपये का न्यूनतम मूल वेतन पाने वाले कर्मचारी की मासिक डीए में 540 रुपये की

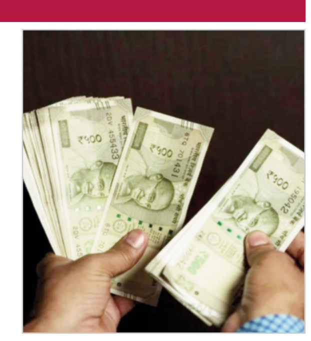

वृद्धि होगी, जिससे सितंबर में 1500 रुपये से अधिक और अक्टूबर में 2000 रुपये से अधिक का एरियर मिलेगा।

ट्रांसरेल लाइटिंग को 575 करोड़ के नए ठेके, मजबूत हुई ऑर्डर बुक

नई दिल्ली ।

इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) कंपनी ट्रांसरेल लाइटिंग ने हाल ही में 575 करोड़ रुपये के नए ठेके हासिल किए हैं। ये ठेके मुख्य रूप से पारेषण एवं वितरण (टीएंडडी), सिविल निर्माण और पोल आपूर्ति क्षेत्रों से संबंधित हैं, जो कंपनी के बढ़ते कारोबार को दर्शाते हैं। कंपनी के एक अधिकारी के अनुसार इन नए ठेकों में एक बड़े ग्राहक के लिए 500 केवी एचवीडीसी लाइन का निर्माण, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उत्पादों की आपूर्ति और विशेष सिविल निर्माण कार्य शामिल हैं। यह ट्रांसरेल लाइटिंग की विविध क्षमताओं का प्रमाण है। 31 मार्च तक कंपनी की कुल ऑर्डर बुक 16,361 करोड़ रुपये पहुंच गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है। यह कंपनी की मजबूत स्थिति और भविष्य की विकास संभावनाओं को उजागर करती है। मुंबई स्थित यह ईपीसी कंपनी मुख्य रूप से टीएंडडी क्षेत्र में सक्रिय है और वर्तमान में 63 देशों में अपनी सेवाएं दे रही है।

निफ्टी का लक्ष्य 27,220 पर बरकरार, 15 पसंदीदा शेयरों की सूची जारी

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार इस समय पश्चिम एशिया में तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी बिकवाली जैसे कई दबावों का सामना कर रहा है। इसके बावजूद ब्रोकरेज हाउस एक्सिस सिक्योरिटीज ने भारत की आर्थिक बुनियाद पर अपना भरोसा कायम रखा है।

ब्रोकरेज ने दिसंबर 2026 के लिए निफ्टी का लक्ष्य 27,220 पर बरकरार रखा है और लंबी अवधि के निवेशकों के लिए 15 पसंदीदा शेयरों की सूची जारी की है।

मई 2026 के दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव दिखा; जहां निफ्टी 50 बैंकिंग, आईटी और तेल शेयरों में कमजोरी से दबाव में रहा, वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों ने रिकॉर्ड ऊंचाई छूकर बेहतर प्रदर्शन किया। निवेशकों का रुझान इंडस्ट्रियल्स, कैपिटल गुड्स, डिफेंस और मैन्युफैक्चरिंग जैसे सेक्टरों की ओर बढ़ा है। मार्च तिमाही के नतीजे सकारात्मक रहे, निफ्टी 500 कंपनियों की आय में 9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

प्रबंधन` वित्त वर्ष 27 की दूसरी छमाही में मांग सुधार को लेकर सतर्क रूप से आशावादी है, जिसे सरकारी खर्च और निजी निवेश से बल मिलेगा। हालांकि, एक्सिस सिक्योरिटीज ने बढ़ती महंगाई को बाजार के लिए सबसे बड़ा जोखिम बताया है। पश्चिम एशिया तनाव से कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भारत की आयात-निर्भर अर्थव्यवस्था पर सीधा असर डाल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार डीजल की कीमतों में वृद्धि परिवहन, कृषि और लॉजिस्टिक्स सहित कई क्षेत्रों को प्रभावित कर सकती है, जिससे महं

कोका-कोला भारतीय बॉटलिंग इकाई का आईपीओ लाएगी, 2027 में सूचीबद्धता की तैयारी

एचसीसीएच में हिस्सेदारी बेचने पर भी विचार, वैश्विक एसेट-लाइट रणनीति का हिस्सा

नई दिल्ली ।

वैश्विक पेय पदार्थ कंपनी कोका-कोला 2027 तक अपनी भारतीय बॉटलिंग इकाई की मूल कंपनी हिंदुस्तान कोका-कोला होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (एचसीसीएच) को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने पर विचार कर रही है।

इसके साथ ही कंपनी एचसीसीएच में अपनी हिस्सेदारी का एक हिस्सा बेचने पर भी मंथन कर रही है।

यह कदम कोका-कोला की वैश्विक एसेट-लाइट रणनीति का हिस्सा है। कंपनी ने बताया कि वह बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की प्रारंभिक तैयारियां कर रही है, जो बाजार की स्थितियों और नियामकीय मंजूरियों पर निर्भर करेगा।

एचसीसीएच, भारत में कोका-कोला के सबसे बड़े बॉटलिंग व्यवसाय, हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज (एचसीसीबी) की मूल कंपनी है। भारत कोका-कोला के लिए दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा बाजार है। यह संभावित सूचीकरण कंपनी की वैश्विक रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत वह अपने बॉटलिंग कारोबार में हिस्सेदारी घटा रही है। लगभग एक साल पहले ही कोका-कोला ने एचसीसीएच में अपनी 40त्न हिस्सेदारी जुबिलेंट भारतीय ग्रुप को बेची थी।

एचसीसीबी की स्थापना 1997 में हुई थी और यह देशभर में 14 बॉटलिंग संयंत्र संचालित करती है। कंपनी भारत में कोका-कोला, थम्स अप, स्प्राइट, माजा, किनले और फैंटा जैसे कई लोकप्रिय उत्पाद बनाती एवं बेचती है।

एक परिवार, एक गैस कनेक्शन का नियम लागू; अतिरिक्त कनेक्शन पर होगी कार्रवाई

पीएनजी यूजर्स को 30 दिन में एलपीजी स्टेटस करना होगा स्पष्ट

नई दिल्ली ।

देशभर में एलपीजी और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) उपभोक्ताओं के लिए गैस कनेक्शन नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। अब अगर किसी उपभोक्ता ने अपने घर में पीएनजी कनेक्शन लगवाया है, तो उसे 30 दिनों के भीतर अपने एलपीजी कनेक्शन की स्थिति स्पष्ट करनी होगी, अन्यथा अतिरिक्त कनेक्शनों पर कार्रवाई की जा सकती है। यह नया नियम पारदर्शिता लाने और गैस वितरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि एक ही रसोई का उपयोग करने वाले परिवार के लिए केवल एक ही घरेलू गैस कनेक्शन (एलपीजी या पीएनजी) पर्याप्त माना जाएगा। जांच के दौरान एक ही परिवार के नाम पर एक से अधिक घरेलू एलपीजी कनेक्शन पाए जाने पर अतिरिक्त कनेक्शन को नियमों के तहत हटाया जा सकता है, जिससे गैस आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। संबंधित एजेंसियां ऐसे मामलों की जांच करेंगी और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त कनेक्शन को बंद करेंगी। हालांकि, सरकार ने उपभोक्ताओं को कुछ राहतें भी दी हैं। जो उपभोक्ता स्वेच्छा से अतिरिक्त एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करेंगे, उन्हें मौजूदा कनेक्शन को डबल बॉटल कनेक्शन (डीबीसी) में बदलने का विकल्प मिलेगा। साथ ही एलपीजी कनेक्शन बंद करने पर ट्रांसफर वाउचर दिया जाएगा, जिससे भविष्य में पीएनजी रहित क्षेत्रों में जाने पर एलपीजी कनेक्शन दोबारा सक्रिय करवाना आसान होगा। यह सुविधा खासकर नौकरीपेशा, छात्रों, किराएदारों और प्रवासी परिवारों के लिए फायदेमंद होगी, जिससे स्थान बदलने की स्थिति में औपचारिकताएं सरल होंगी और गैस वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी।

खनन कंपनियों से 1000 करोड़ से अधिक राजस्व वसूलेगी झारखंड सरकार

धनबाद में खनन से सरकारी जमीन के उपयोग पर बड़ा खुलासा

धनबाद ।

झारखंड विधानसभा की विशेष समिति ने धनबाद परिसदन में भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल), ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) समेत अन्य खनन कंपनियों द्वारा रैयतों, सरकारी व वन भूमि पर अवैध खनन और ओवरबर्डन डंपिंग की समस्या की समीक्षा की। इस समीक्षा के बाद समिति ने खुलासा किया कि इन कंपनियों ने बिना अनुमति सरकारी भूमि का उपयोग किया है, जिससे राज्य सरकार को 1000 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व प्राप्त होगा। समिति के सभापति सह टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने बताया कि विभिन्न कोल कंपनियों ने रैयतों और सरकारी जमीन का उपयोग किया है। बीसीसीएल ने सरकारी जमीन के उपयोग के लिए पहले ही 220 करोड़ रुपए राजस्व जमा करा दिए हैं। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) और ईसीएल ने भी सरकारी जमीन के इस्तेमाल की बात स्वीकार करते हुए राजस्व भुगतान पर सहमति दी है, जिससे राज्य सरकार को कुल 1000 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व मिलेगा। महतो ने जोर दिया कि समिति के आकलन से राज्य सरकार के साथ-साथ रैयतों को भी आर्थिक लाभ होगा। उन्होंने बताया कि नौ महीने पहले सिंदरी विधायक द्वारा ओवरबर्डन डंपिंग का मामला संज्ञान में लाए जाने के बाद ही इस समिति का गठन किया गया था। समिति यह सुनिश्चित कर रही है कि जिन रैयतों की जमीन खनन के लिए उपयोग की गई है, उन्हें पूरा मुआवजा मिले।

इसके लिए जिला प्रशासन और बीसीसीएल को रैयतों की समस्या का सरल तरीके से निपटारा करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में क्षेत्र की अन्य समस्याओं और विकास कार्यों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल सहित कई बदलावों को दी मंजूरी

–अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के कारण क्रिकेट कनाडा को निलंबित किया

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने यहां हुई अपनी सालाना आम बैठक में टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के प्रयोग सहित कई अन्य बदलावों को अपनी मंजूरी दे दी है हालांकि ये सभी नियम इस साल अक्टूबर से अमल में लाये जाएंगे। आईसीसी ने कहा है कि खराब रोशनी के दौरान गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। आईसीसी ने इसके अलावा टीम के मुख्य कोच को ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से रणनीतिक चर्चा करने की अनुमति भी दे दी है। वहीं इस दो दिवसीय बैठक में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के चलते क्रिकेट कनाडा की सदस्यता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

आईसीसी के बयान के अनुसार, टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद का उपयोग दोनों टीमों की सहमति से परीक्षण के आधार पर किया जाएगा जिससे खराब रोशनी की स्थिति में अधिक से अधिक समय तक खेल हो सके। इस नई व्यवस्था के तहत, मैच की शुरुआत पारंपरिक लाल गेंद से होगी, लेकिन यदि दिन के खेल के दौरान रोशनी कम हो जाती है और कुछ ओवर बाकी रह जाते हैं, तो दोनों टीमों की सहमति पर उन शेष ओवरों को फ्लडलाइट्स के दौरान गुलाबी गेंद से पूरा किया जा सकेगा हालांकि भारतीय टीम इस व्यवस्था को स्वीकार करेगी ये अभी पक्का नहीं है क्योंकि भारतीय क्रिकेटर घरेलू हालातों में गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने को लेकर पहले भी तैयार नहीं थे। इसका कारण गुलाबी गेंद से मिलने वाला अधिक सीम मूवमेंट है। वहीं आईसीसी ने खराब रोशनी के कारण खेल में समय के नुकसान को कम करने के लिए मैच अधिकारियों और मैदानों में प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी नई तकनीकों को बेहतर बनाने की भी मंजूरी दी है, इससे किए आईसीसी और मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) संयुक्त रूप से आर्थिक सहायता करेंगे।

खेल नियमों में एक और सुधार करते हुए आईसीसी ने अब मुख्य कोच या उनके प्रतिनिधियों को निर्धारित ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर आकर खिलाड़ियों से बात करने की अनुमति दे दी है। यह सुविधा टी20 क्रिकेट में दी जा रही रणनीतिक टाइम आउट सुविधा के समान है। ये अब टेस्ट क्रिकेट में भी उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त, टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए 15 मिनट के अनिवार्य अंतराल और खेल दोबारा शुरू होने पर बल्लेबाजों के तुरंत तैयार रहने से जुड़े नियमों को भी मंजूरी दी गयी है। वहीं प्रशासनिक मोर्चे पर, आईसीसी ने भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों पर क्रिकेट कनाडा को निलंबित करने के साथ-साथ बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनावों की निगरानी के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। गेंदबाजी नियमों में भी बदलाव किए गए हैं। वैध गेंदबाजी एक्शन पर प्रभावी निगरानी के लिए अब मैदानी अंपायरों को हॉक-आई डेटा तक पहुंच मिलेगी, जिससे वे किसी गेंदबाज के एक्शन की रिपोर्ट करते समय इन आंकड़ों का उपयोग कर सकेंगे। लेग साइड वाइड से जुड़े परीक्षण नियम को भी स्थायी रूप से अपनाने की मंजूरी दी गई है। वहीं इसके अलावा महिला क्रिकेट के विकास को बढ़ावा देने के लिए आईसीसी ने महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 के आयोजन को भी मंजूरी दी है। इस 10 टीमों के टूर्नामेंट में पांच पूर्ण सदस्य और पांच एसोसिएट सदस्य देश हिस्सा लेंगे, जिनका चयन रैंकिंग और महिला टी20 विश्व कप क्वालीफिकेशन प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा।

आईपीएल 2026 में फ्लाप रहे बुमराह

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए आईपीएल का 2026 सत्र बेहद खराब रहा और वह केवल 4 विकेट ही ले पाये। वहीं उनकी टीम मुम्मई इंडियंस को उम्मीद थी कि वह धमाकेदार प्रदर्शन करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। बुमराह पूरे सत्र में संघर्ष करते दिखे और उनकी गेंदों पर काफी चौके और छक्के तक लगे। इसके कारण मुम्बई इंडियंस को भी काफी नुकसान उठाना पड़ा।

इस पूरे सत्र में बुमराह 13 मुकाबलों में केवल 4 विकेट ही ले पाये। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 का रहा। ये किसी आईपीएल सत्र में 30 से अधिक ओवर फेंकने वाले किसी भी गेंदबाज के लिए सबसे खराब आंकड़ा है। विकेट लेने की अपनी असाधारण क्षमता के लिए मशहूर बुमराह एक भी मैच में बल्लेबाजों पर दबाव नहीं डाल सके। वह हर मैच में विकेट के लिए तरसते दिखे। 9 मैचों में तो वह एक भी विकेट नहीं ले पाये। पूरे टूर्नामेंट के दौरान एक भी मैच में बुमराह दो विकेट तक नहीं ले पाये।

उनके पिछले रिकॉर्ड्स को देखते हुए, यह उनके आईपीएल करियर का सबसे खराब सत्र रहा। इससे पहले साल 2013 और 2015 में भी उन्होंने केवल 3-3 विकेट ही लिए थे पर तब वह नये गेंदबाज थे। वहीं स बार पूरा सत्र खेलने के बाद भी वह विफल रहे। बुमराह के इस प्रकार असफल होने से उनकी टीम मुंबई इंडियंस भी प्रभावित हुई और केवल चार मैच ही जीतकर अंक तालिका में नवें स्थान पर रही। वहीं बुमराह के लय में नहीं होने से विरोधी टीमों ने मुम्बई के अन्य गेंदबाजों को भी जमकर पीटा। इससे टीम को भी 10 मैचों में हार झेलनी पड़ी।

6 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट से शुरु होगा भारतीय टीम का नया कैलेंडर

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 वां सत्र रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के साथ ही समाप्त हो गया है । ऐसे में अब इसमें खेल रहे खिलाड़ियों को कोई लंबा ब्रेक मिलने नहीं जा रहा है । इसका कारण है कि भारतीय टीम का नया अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर 6 जून अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से शुरु होगा । भारतीय टीम को अपनी ही धरती पर अफगानिस्तान से सीरीज खेलनी है। भारत दौरे पर आ रही अफगानिस्तान की टीम भारतीय टीम से एक टेस्ट और तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी । ऐसे में प्रशंसकों को विराट कोहली और रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ी एक बार फिर एकदिवसीय सीरीज में खेलते दिखेंगे ।

वैभव पर अध्ययन करेगा आईआईएम इंदौर

इंदौर (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से सबको हैरान करने वाले 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को मिली सफलता से सभी हैरान हैं। प्रशंसकों को ये समझ नहीं आ रहा है कि इतनी कम उम्र में कोई इतना सफल कैसे हो सकता है। इसी को देखते हुए भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) इंदौर ने वैभव के मामले को दुर्लभ मानते हुए अध्ययन का फैसला किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार अपनी उम्र से कहीं बेहतर बल्लेबाजी क्षमता और छक्के मारने की कला के पीछे के रहस्यों का खुलासा करने के लिए खेल, मनोविज्ञान और प्रबंधन के शीर्ष विशेषज्ञ एक साथ काम करेंगे। किसी खिलाड़ी पर आधारित यह देश का पहला अध्ययन होगा जिसमें ये जानने का प्रयास किया जाएगा कि इतनी कम उम्र के बाद भी वह मैचों के दौरान विपरीत हालातों के बीच भी दबाव में क्यों नहीं आते। वैभव ने आईपीएल सत्र में सबसे अधिक 72 छक्के लगाकर वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल का 14 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा था। इसके अलावा 700 से अधिक रन बनाये। वह इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। ये अध्ययन केवल वैभव की खेल उपलब्धियों का ही विश्लेषण नहीं करेगी, बल्कि उन सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, पारिवारिक और संस्थागत कारकों को भी गहराई से समझने की कोशिश करेगी जो कम उम्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को आकार देने में सहायक साबित होते हैं। संस्थान का मानना है कि वैभव की क्रिकेट यात्रा के पीछे व्यक्तिगत क्षमता के साथ-साथ कड़ी मेहनत, परिवार का त्याग, समर्पण और मेंटर्स का योगदान भी बेहद अहम रहा है। यह शोध केवल सफलता पर ही केंद्रित नहीं होगा, बल्कि प्रतिभा के विपरीत प्रभाव को भी सामने लायेगा। आम तौर पर देखा जाता है कि बेहद कम उम्र में मिलने वाली भारी प्रसिद्धि, करोड़ों रुपये के आकर्षक ऑफर और सोशल मीडिया का अनियंत्रित दबाव युवा प्रतिभाओं को विचलित कर देता है। इसके चलते कई खिलाड़ी मानसिक थकान और अत्यधिक अपेक्षाओं के बोझ तले दबकर अपनी पूरी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाते। इस अध्ययन के माध्यम से एक ऐसे इकोसिस्टम का ब्लूप्रिंट तैयार किया जाएगा, जो कॉर्पोरेट जगत को भी प्रतिभा प्रबंधन का एक बिल्कुल नया और प्रभावी मॉडल प्रदान करेगा।

फीफा विश्वकप 2026, कई नये नियमों के साथ खेला जाएगा

सेन डियागो (एजेंसी)। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले आगामी फीफा विश्वकप 2026 में फुटबॉल के खेल में कई अभूतपूर्व नियम लागू किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य मैदान पर खिलाड़ियों के अनुशासन को मजबूत करना और खेल भावना को बढ़ावा देना है। 11 जून से शुरू होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट में अब खिलाड़ी बहस के दौरान अपना मुंह नहीं छिपा सकेंगे। यदि कोई खिलाड़ी ऐसा करता है, तो उसे तत्काल लाल कार्ड का सामना करना पड़ेगा। यह महत्वपूर्ण कदम खिलाड़ियों के बीच होने वाले मौखिक दुर्व्यवहार, विशेषकर नस्लीय टिप्पणियों को रोकने के लिए उठाया गया है, जिसने अतीत में खेल की छवि को धूमिल किया है।

मौखिक दुर्व्यवहार पर अंकुश लगाने के इस कदम के अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के नियम तय करने वाली संस्था, इंटरनेशनल फुटबॉल एसोसिएशन बोर्ड (आईएफएबी) ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा की है। अब रेफरी के फैसले के विरोध में मैदान छोड़ने वाले किसी भी खिलाड़ी को लाल कार्ड दिखाया जा सकता है। यह नियम उन टीम अधिकारियों पर भी समान रूप से लागू होगा जो अपने खिलाड़ियों को विरोध में मैदान छोड़ने के लिए उकसाते हैं। आईएफएबी ने स्पष्ट किया है कि विश्व कप में भाग लेने वाली सभी 48 टीमों को इन सभी संशोधनों के बारे में विस्तार से सूचित किया जाएगा ताकि किसी भी प्रकार की गलतफहमी न हो।

इन अनुशासनात्मक बदलावों के साथ-साथ, फीफा ने विश्व कप के पीले कार्ड संबंधी नियमों में भी संशोधन किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि महत्वपूर्ण नॉकआउट मैचों के लिए कम खिलाड़ियों को निलंबन का सामना करना पड़े। नए नियम के अनुसार, विश्व कप के दौरान किसी खिलाड़ी को मिले पीले कार्ड दो बार उसके रिकॉर्ड से हटा दिए जाएंगे। फीफा परिषद ने फीफा विश्व कप 2026 के नियमों में संशोधन करते हुए यह तय किया है कि ग्रुप चरण में मिला कोई भी पीला कार्ड नॉकआउट चरण में मान्य नहीं होगा। इसका अर्थ है कि नॉकआउट चरण में प्रवेश करने वाले सभी खिलाड़ियों को क्लीन स्लेट के साथ शुरुआत करने का मौका मिलेगा। इसी तरह, क्वार्टर फाइनल में मिला एक पीला कार्ड अगले मैचों (सेमीफाइनल और फाइनल) के लिए मान्य नहीं होगा।

विश्व कप में इससे पहले यदि किसी खिलाड़ी को दो अलग-अलग मैचों में पीला कार्ड दिखाया जाता था तो उसे एक मैच का प्रतिबंध झेलना पड़ता था। हालांकि, पिछले टूर्नामेंटों में क्वार्टर फाइनल चरण के बाद एक पीले कार्ड को रद्द कर दिया जाता था, जिससे यह सुनिश्चित होता था कि सेमीफाइनल में पीला कार्ड मिलने के कारण कोई भी खिलाड़ी फाइनल जैसे महत्वपूर्ण मैच से बाहर न हो। ये नए नियम खिलाड़ियों को बिना अनावश्यक दबाव के बड़े मैचों में अपनी पूरी क्षमता से खेलने का अवसर प्रदान करेंगे, जिससे टूर्नामेंट का रोमांच और बढ़ जाएगा। ये सभी नियम फीफा विश्वकप 2026 को न केवल खेल के लिहाज से बल्कि नैतिकता और निष्पक्षता के दृष्टिकोण से भी एक नए स्तर पर ले जाने का प्रयास करेंगे।

नेमार विश्वकप फुटबॉल के पहले मैच में शायद ही खेल पायें

रियो डी जिनेरियो । फीफा विश्व कप 2026 से ठीक पहले ब्राजील को करारा झटका लगा है । उसके स्टार फॉरवर्ड नेमार अब तक अपनी चोट से नहीं उबर पाये हैं । इस कारण अब नेमार मिस्र के खिलाफ 5 जून को होने वाले दूसरे अभ्यास मैच के अलावा विश्वकप फुटबॉल के पहले मैच में भी शायद ही खेल पायें । नेमार की दाहिनी पिंडली की चोट अब तक ठीक नहीं हुई है । इस चोट के कारण ही वह पहले अभ्यास मैच में भी नहीं खेल पाये थे । ब्राजीली फुटबॉल कॉन्फेडरेशन (सीबीएफ) ने कहा है कि नेशनल कैंप में शामिल हुए नेमार पहले ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा नहीं ले सके और उन्हें अपनी चोटिल पिंडली के लिए अतिरिक्त मेडिकल जांच करवानी पड़ी । मेडिकल जांच और स्कैन से ग्रेड 2 की पिंडली की चोट की पुष्टि हुई है । सीबीएफ के मेडिकल विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह वही चोट है जिसने इस फॉरवर्ड खिलाड़ी को 17 मई से फुटबॉल मैदान से दूर रखा हुआ है । गौरतलब है कि नेमार ने अंतिम बार 17 मई को ब्राजील की नेशनल लीग में सैंटोस की ओर से खेलते हुए कोरीटिबा के खिलाफ मैच खेला था, जिसमें उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा था । सीबीएफ के डॉक्टर रोड्रिगो लास्मार ने स्थानीय मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि इस अनुभवी फॉरवर्ड खिलाड़ी को पूरी तरह से ठीक होने में लगभग दो से तीन सप्ताह का समय लग सकता है । इस अनुमानित रिकवरी अवधि को देखते हुए, विश्व कप के शुरुआती मैचों में नेमार की उपलब्धता को लेकर गंभीर संदेह उत्पन्न हो गया है । नेमार बुधवार को रियो डी जनेरियो के बाहर टेरेसोपोलिस में स्थित पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील के ट्रेनिंग सेंटर में टीम के बाकी सदस्यों के साथ जुड़े थे । हालांकि, अंतिम मेडिकल जांच के परिणामों का अभी भी इंतजार है पर मौजूदा हालातों को देखते हुए उनके विश्वकप के पहले मैच तक ठीक होने की संभावना नहीं है । वहीं नेमार ने शुरुआत में विश्व कप में अपनी उपलब्धता को लेकर जताई जा रही चिंताओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया था । यह भी ध्यान देने योग्य है कि ब्राजील के लिए सबसे अधिक गोल करने वाले नेमार का करियर पिछले दो सालों से चोटों से बुरी तरह प्रभावित रहा है । उन्होंने ब्राजील के लिए अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 17 अक्टूबर 2023 को खेला था । 128 मैचों में 79 गोल कर चुके नेमार का बाहर होना ब्राजील के लिए एक बड़ा नुकसान होगा ।

फ्रेंच ओपन 2026 : टियाफो को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे अर्नाल्डी

पेरिस । इटली के माटेओ अर्नाल्डी ने 19वें वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी फ्रांसिस टियाफो को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस 2026 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है । अर्नाल्डी ने पांच घंटे 26 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में टियाफो को 7-6(5), 6-7(5), 3-6, 7-6(3), 6-4 से हराया । इसी के साथ ही 25 साल के अर्नाल्डी ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है । इस मुकाबले में दोनो ही खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर हुई । पहले सेट में बराबरी के बाद, टियाफो ने अपनी जबरदस्त वापसी की और तीसरे सेट तक बढ़त बना ली । चौथे सेट में 4-1 की बढ़त के साथ ही टियाफो आगे हो गये पर टाईब्रेक में टियाफो ने आक्रामक खेल दिखाकर अच्छी वापसी की । उन्होंने बैकहैंड शॉट खेलने के बाद ही मैच को पांचवें सेट में पहुंचा दिया । इसके बाद अर्नाल्डी ने अच्छी लय हासिल कर ली । उन्होंने 4-2 की बढ़त बना ली । इसके बाद टियाफो ने एक बार फिर अच्छे फोरहैंड शॉट लगाकर स्कोर 4-4 से बराबरी पर ला दिया । अर्नाल्डी ने अंत में अपने तीसरे मैच अंक को जीतकर यह मुकाबला जीता । अब उनका मुकाबला अपने ही साथी खिलाड़ी माटेओ बेरेटिनी से होगा । इस इस अर्नाल्डी के अलावा इटली के ही बेरेटिनी और फ्लेवियो कोबोली ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है । ये पहली बार है जब एक ही ग्रैंड स्लैम के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में इटली के तीन खिलाड़ी पहुंचे हैं ।

मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव होने तय, युवाओं की भागीदारी बढेगी

मुम्बई । आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह अंक तालिका में 9 वें स्थान पर रही । टीम के स्टार खिलाड़ी भी असफल रहे । इसका अंदाजा इसी से होता है कि सबसे अधिक रन बनाने और विकेट लेने वाले शीर्ष दस-दस खिलाड़ियों में इसका एक भी खिलाड़ी शामिल नहीं था । आईपीएल के पिछले सत्र में भी टीम का प्रदर्शन खराब रहा था । इस प्रकार लगातार दो सत्र में निराशाजनक सत्र को देखते हुए अब माना जा रहा है कि मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव होने तय हैं । फ्रेंचाइजी अब टीम को नए सिरे से तैयार करना चाहती है । इसके तहत टीम में कप्तानी में बदलाव और एक अनुभवी बल्लेबाज को अलग भूमिका देने की योजना शामिल है। आईपीएल 2024 में 10वें और आईपीएल 2026 में 9वें स्थान पर रहने के बाद टीम प्रबंधन अब ये बदलाव करने जा रहा है । टीम में अब युवा खिलाड़ियों की भी भागीदारी बढ़ायी जा सकती है । कप्तान हार्दिक पांड्या के भविष्य को लेकर जारी संशय के बीच ही टीम अब नए नेतृत्व विकल्पों की तलाश में है । ये भी कहा जा रहा है कि युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को कप्तान बनाने जाने की संभावना है । युवा तिलक को आईपीएल 2027 से मुंबई इंडियंस की कप्तानी सौंपी जा सकती है । तिलक पिछले कुछ साल से लगातार मुंबई इंडियंस में शामिल रहे हैं और अपने लगातार प्रदर्शन से टीम प्रदर्शन का भरोसा जीतने में कामयाब रहे हैं । टीम के भीतर इस बात पर भी चर्चा है कि उन्हें लंबे समय तक नेतृत्व की भूमिका के लिए तैयार किया जा सकता है । वहीं कप्तानी की दौड़ में दो अन्य अनुभवी खिलाड़ी हैं । इसमें सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं । सूर्या ने आईपीएल 2026 में तीन मैचों में मुंबई की कप्तानी की थी, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हार्दिक पांड्या की अनुपस्थिति में एक मैच में टीम की कप्तानी की थी । ये भी कहा जा रहा है कि फ्रेंचाइजी इन नए बदलावों को जल्द से जल्द लागू करना चाहती है ।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए हेटमायर और अल्जारी को शामिल किया

जमैका (एजेंसी)। 3 जून से 8 जून श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए आक्रामक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर और तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की वेस्टइंडीज टीम में वापसी हुई है। ये दोनो ही फिट नहीं होने के कारण पिछले कुछ समय से टीम से बाहर थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने इस सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। ये सीरीज अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप और 2027 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने के वेस्टइंडीज के अभियान के लिए अहम मानी जा रही है।

हेटमायर को एकदिवसीय टीम में शामिल करना अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए योजना का एक हिस्सा माना जा रहा है। वह सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच से पहले टीम के साथ जुड़ेंगे। उनकी आने से टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी। वहीं, तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ जुलाई 2025 से ही पीठ की चोट के कारण बाहर थे और अब लगभग एक साल बाद खेल में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। उनके अलावा स्पिनर गुडाकेश मोती को भी टीम में जगह मिली है, जिससे गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होने की उम्मीद है।

यह एकदिवसीय सीरीज 3 जून से 8 जून तक जमैका के सबीना पार्क में खेली जाएगी। यह सीरीज वेस्टइंडीज के लिए 2027 वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने के अभियान की शुरुआत मानी जा रही है। ऐसे में इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन को लेकर टीम पर दबाव होगा। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने श्रीलंका को एक मजबूत और अनुशासित एकदिवसीय टीम करार दिया है। सैमी के अनुसार श्रीलंकाई खिलाड़ी हालातों के अनुसार खेलते हैं। सैमी ने कहा कि इस सीरीज से उनकी टीम को अपने खेल का स्तर जानने और उसमें सुधार करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने फील्डिंग में तेजी, बल्लेबाजी में स्पष्ट सोच और गेंदबाजी में लगातार अच्छे प्रदर्शन पर भी जोर दिया है।

कोच सैमी ने कहा कि टीम की रणनीति निडर होकर आक्रामक अंदाज में खेलना रहेगा पर इसका मतलब ये नहीं होगा कि टीम गलती करेगी। उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपनी मजबूत पहचान बनाना रहेगा। उनका लक्ष्य घरेलू मैदान पर विरोधी टीमों के लिए कठिनाई पैदा करना रहेगा। उन्होंने जीत के लिए सामूहिक प्रयास और प्रत्येक खिलाड़ी के योगदान को जरुरी बजाया। साथ ही कहा कि टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रहेगी। सैमी ने यह भी कहा कि पिछले 18 महीनों से टीम इसी सोच के साथ काम कर रही है।

एकदिवसीय सीरीज के बाद, दोनों टीमें जमैका में ही तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले खेलेंगी, जिसके बाद यह दौरा एंटीगुआ में दो टेस्ट मैचों के साथ संपन्न होगा।

टीम इस प्रकार है-शाई होप (कप्तान/विकेटकीपर), एकीम ऑगस्टे, जॉन कैंपबेल, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रीव्स, शिमरोन हेटमायर, आमिर जंगू, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स और शमर स्प्रिंगर।

फीफा विश्व कप: 'अब सिर्फ खिताब जीतना है', हैरी केन ने इंग्लैंड का लक्ष्य किया साफ

फ्लोरिडा (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 से पहले इंग्लैंड की टीम ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं। कप्तान हैरी केन और मुख्य कोच थॉमस टुचेल ने कहा है कि टीम का एकमात्र लक्ष्य विश्व चैंपियन बनना और जर्सी पर दूसरा सितारा जोड़ना है।

थॉमस टुचेल की अगुआई वाली इंग्लैंड टीम विश्व कप की तैयारियों के लिए फ्लोरिडा पहुंच चुकी है। इंग्लैंड को ग्रुप एल में क्रोएशिया, घाना और पनामा के साथ रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 17 जून को आर्लिंगटन में क्रोएशिया के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

विश्व कप से पहले टीम फ्लोरिडा में मौसम और परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने की तैयारी कर रही है। हालांकि, बुकायो साका, डेक्लान राइस, नोनी मडुके और एबेरेची एज़े को यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल के बाद अतिरिक्त आराम दिया गया है। वहीं, मार्कस रैशफोर्ड पहले ही मियामी में टीम से जुड़ चुके हैं और गर्म मौसम में विशेष ट्रेनिंग कर रहे हैं।

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में टीम के भीतर एकता लगातार मजबूत हुई है, लेकिन अब समय खिताब जीतने का है। केन ने कहा, 'गैरेथ साउथगेट के शुरुआती दौर में हमने टीम को एकजुट बनाने और क्लब क्रिकेट को पीछे छोड़कर राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने पर काफी काम किया था। हर साल यह भावना और मजबूत होती गई। लेकिन अब उम्मीद सिर्फ एक है–फिनिश लाइन पार करना और ट्रॉफी जीतना।'

इंग्लैंड टीम की आधिकारिक डॉक्यूमेंट्री 'बिल्डिंग द ड्रीम' में भी दिखाया गया कि टुचेल ने खिलाड़ियों के साथ अपनी पहली बैठक में ही विश्व कप जीतने के लक्ष्य पर खुलकर चर्चा की थी।

टुचेल ने खिलाड़ियों से कहा, 'हम यहां क्यों हैं, इसका जवाब बिल्कुल साफ है। हम विश्व चैंपियन बनना चाहते हैं। हम अपनी जर्सी पर दूसरा सितारा जोड़ना चाहते हैं। मेरे लिए यह जरूरी है कि हम इस लक्ष्य के बारे में खुलकर बात करें। हमारा मिशन और लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट है।'

टुचेल का मानना है कि सिर्फ प्रतिभा के दम पर विश्व कप नहीं जीता जा सकता। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में टीम की एकजुटता और आपसी विश्वास सबसे बड़ा अंतर पैदा करता है। उन्होंने कहा, 'सिर्फ टैलेंट काफी नहीं है। यह केवल फुटबॉल, रणनीति या सेट-पीस की बात नहीं है। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में टीम का माहौल और खिलाड़ियों के बीच का रिश्ता बेहद महत्वपूर्ण होता है।'

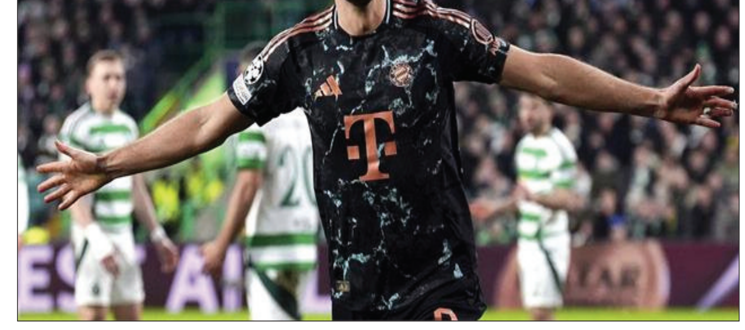

टुचेल ने एक विश्व कप विजेता खिलाड़ी का उदाहरण देते हुए कहा कि क्वार्टर फाइनल और फाइनल के बीच फर्क सिर्फ खेल का नहीं, बल्कि टीम के भीतर बने भाईचारे का होता है। उन्होंने कहा, 'जब खिलाड़ी एक परिवार और भाईचारे की तरह जुड़ जाते हैं, तब वे एक-दूसरे के लिए सब कुछ देने को तैयार रहते हैं। यही भावना किसी टीम को चैंपियन बनाती है।' इंग्लैंड ने अब तक सिर्फ एक बार विश्व कप का खिताब जीता है। ऐसे में टुचेल और केन की नजरें इतिहास रचते हुए देश को दूसरा विश्व कप दिलाने पर टिकी हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली -3886

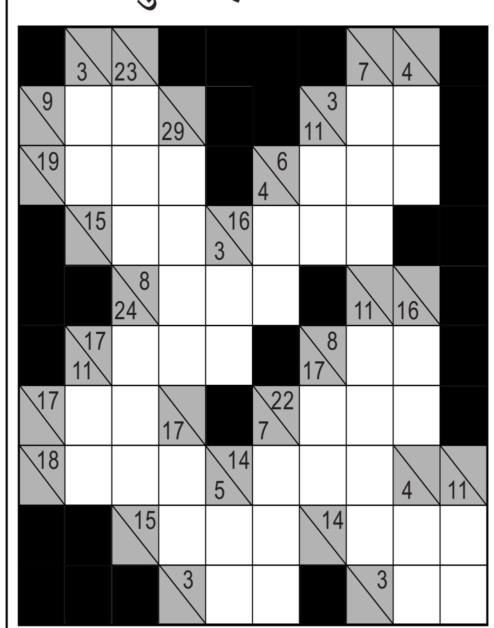

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

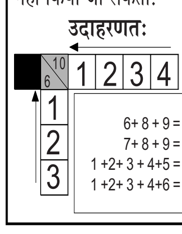

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3885 का हल

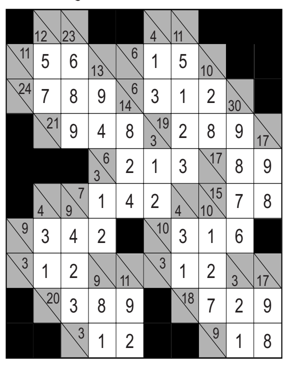

लॉफिंग ज़ोन

रमन और चमन दवा बेचने का काम करने लगे।

चमन- यह दवा ले लीजिए, इसे खाने वाला सदा जवान रहता है, कभी बूढ़ा नहीं होता। मुझे देखिए अभी मेरी उम्र अभी सिर्फतीन सौ साल है।

दुकानदार (पास खड़े व्यक्ति से बोला)- क्या तुम्हें ये तीन सौ साल के लगते हैं।

रमन- यह मैं कैसे बताऊँ! मैं तो इनके साथ डेढ सौ साल से हूँ।

□ □ □

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3886

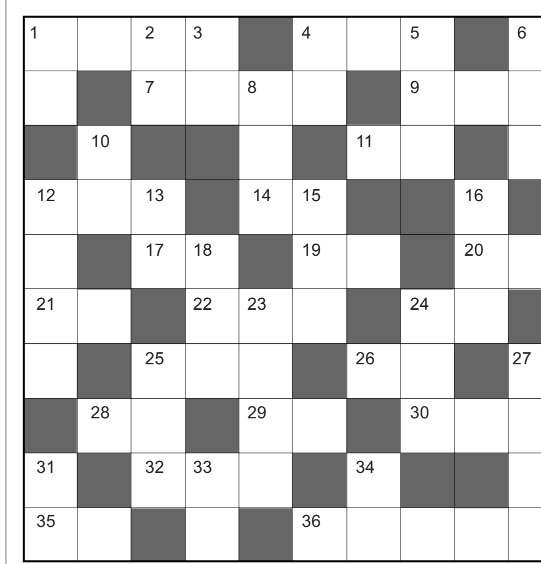

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी ?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3885

सूडोकु -3886

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3885 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 3886

बाएँ से दाएँ

1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली -3885 का हल

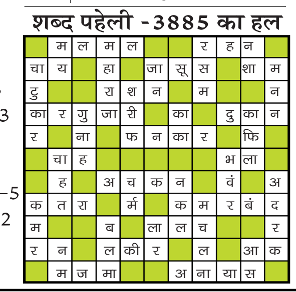

हेल्थ प्लस

गठिया के इलाज में लाभकारी है चाय-पत्ती

हाल ही में हुई एक शोध में मिशिगन हेल्थ सिस्टम विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पता लगाया है कि चाय की हरी पत्तियों की सहायता से गठिया जैसे रोग का इलाज सम्भव है।

इस शोध में चाय-पत्ती से निकलने वाले एक पदार्थ का पता लगाया है जिसका नाम हैएपिगैलोसेटचिन-3-गैलेट(ईजीसीजी)। शोधकर्ताओं ने पाया है कि यह तत्व शरीर में गठिया से प्रतिरक्षा की क्षमता उत्पन्न करता है। साथ ही यह इससे होने वाली क्षति की भी पूर्ति करता है।

इस पदार्थ के द्वारा गठिया से ग्रसित रोगियों में ज्वलनशीलता को कम करने में भी सहायता मिलती है। शोधकर्ता सलाह-उद्-दीन अहमद के अनुसार, हमारी शोध गठिया से ग्रसित लोगों के उपचार के क्षेत्र में काफी सहायक है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने गठिया से ग्रसित लोगों के शरीर में सिनोवियल नामक कोशिका को खोजा, जिन्हें चाय-पत्तियों द्वारा सँयोजित करके उनमें साइकोटीन IL-1FO नामक प्रोटीन को डाला। इस क्रिया से गठिया से ग्रसित कोशिकाओं का उपचार किया गया। इस शोध में वैज्ञानिकों ने गठिया से हड्डियों पर पड़ने वाले प्रभावों का भी निरीक्षण किया। साथ ही शोधकर्ताओं ने यह भी माना कि चाय-पत्ती में घुटनों के दर्द को समाप्त करने के भी गुण छिपे हुए हैं। अहमद का कहना है कि शरीर में पाया जाने वाला ईजीसीजी पदार्थ, चायपत्ती में पाए जाने वाले ईजीसीजी नामक तत्व से ही निर्मित होता है, जो गठिया के रोग से होने वाली क्षति की भरपाई करता है।

बैक्टीरियल फूड पॉयजनिंग

रीना और संदीप दो दिन बाद घर लौटे थे। थकान के कारण, जाने से पहले जो सब्जी बनाई थी, उसी से उन्होंने खाना खा लिया। नतीजतन रीना को हॉस्पिटलाइज होना पड़ा। रमा अकेली रहती है। ऑफिस से थकने के बाद अक्सर बाहर खाना खा लेती है। एक दिन उसे बदहजमी ने इतना परेशान किया कि तीन दिन तक छुट्टी लेनी पड़ी। संजय के साथ भी ऐसा ही हुआ। उसने गर्मी में ज्यादा जंक फूड खा लिया था। इस तरह के वाकये आए दिन सुनने में आते हैं। असल में यह स्थिति 'फूड पॉयजनिंग' के कारण होती है। फूड पॉयजन मामूली बदहजमी से जानलेवा तक हो सकता है। निर्भर करता है कि किस तरह का फूड पॉयजन हुआ है। फ्रोजन, माइक्रोवेव्ड, जंक फूड, चटपटे व्यंजन इस रोग के जनक हैं। सबसे हानिकारक होता है- बैक्टीरियल फूड पॉयजनिंग।

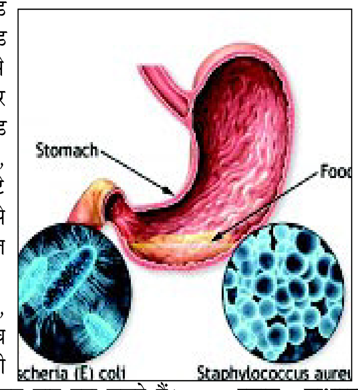

साधारण लक्षण : उल्टी, दस्त, गैस की समस्या चार-पांच घंटों में ही शुरू हो जाती है। दिमागी बीमारी या अन्य लक्षण लंबे समय बाद पता चलते हैं। हल्का बुखार, जुकाम, पेटदर्द और यहां तक कि फूड पॉयजन से मृत्यु भी हो सकती है।

बैक्टीरिया : बैक्टीरिया तीव्र गति से दोगुने होते हैं। एक रिसर्च के मुताबिक एक बैक्टीरिया से आठ घंटों के अंदर चार मिलियन बैक्टीरिया पैदा हो सकते हैं। इन्हें नंगी आंखों द्वारा नहीं देखा जा सकता है। न ही सूंघने पर इनकी उपस्थिति मालूम पड़ती है। बैक्टीरिया अपने वातावरण में ही जल्दी बढ़ते हैं। जैसे ज्यादा या कम तापमान, वातावरण में आर्द्रता, कम पका या ज्यादा पका खाना आदि।

सुरक्षा के उपाय : दो तरह के बैक्टीरिया होते हैं। पहले साधारण बीमारियां जैसे- जलन, सूजन पैदा करते हैं। दूसरे खाने में केमिकल जिन्हें टॉक्सिन कहते हैं, बनाते हैं। वैसे चालीस डिग्री फॉरेनहाइट से कम ताप पर बैक्टीरिया कम जन्म लेते हैं। इन्हें साधारण ताप पर पकाने से नष्ट भी किया जा सकता है। फूड पॉयजन से बचने का सुलभ तरीका है कि साफ-सुथरा खाना खाएं। बर्तन साफ रखें, स्टोर की नियमित देखभाल करें, फ्रीज की सफाई पर ध्यान दें। हर चीज को भरने की आदत न डालें। चीजें जल्दी खत्म करने की सोचें। हाथ सफाई से धोएं। किचन साफ रखें और फ्रीज में रखी सब्जी आदि को एक बार गर्म कर लें। सब्जियों को ज्यादा ना पकाएं। माइक्रोवेव में बार-बार रीहीटिंग से बचें। फल, सलाद और अंकुरित अवयव शामिल करें। इससे रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी। बाहर खाने की आदत हो, तो सोच-समझकर खाएं। रेस्तरां के माहौल, किचन के बारे में जानकारी रखें।

इलाज : साधारण फूड पॉयजन से कुछ घंटों या दो दिन में निजात पाई जा सकती है। बीपी पेशेंट, डाइबिटीज वाले मरीजों को डॉक्टर की जरूरत पड़ती है। यदि हालत ज्यादा खराब हो तो तुरंत हॉस्पिटल जाना चाहिए। क्योंकि, इंफेक्शन बढ़ सकता है। आवश्यकता पड़ने पर खाए गए पदार्थ का टेस्ट भी करवाना चाहिए। इससे उसमें मौजूद बैक्टीरिया का पता लगाया जा सकता है। आपने हाल ही में क्या-क्या खाया है, इसी से डॉक्टर निदान ढूंढ़ते हैं। आप खाने से पहले रूकें, सोचें और फिर खाएं। क्योंकि, खाने के बाद कुछ नहीं हो सकता है।

अपेंडिक्स क्या-क्यों और कैसे ?

अपेंडिक्स आँत का एक टुकड़ा है। इसे डॉक्टरी भाषा में एपिन्डिसाइटिस कहते हैं, मरीज के लिए ही नहीं डॉक्टरों के लिए भी एक समस्या है क्योंकि इसका इलाज इतना आसान नहीं है, इसका कारण यह है कि प्रायः यह सुनिश्चित करना कठिन होता है कि दर्द अपेंडिक्स का है।

अपेंडिक्स आँत का एक टुकड़ा है। इसे डॉक्टरी भाषा में एपिन्डिसाइटिस कहते हैं, मरीज के लिए ही नहीं डॉक्टरों के लिए भी एक समस्या है क्योंकि इसका इलाज इतना आसान नहीं है, इसका कारण यह है कि प्राय: यह सुनिश्चित करना कठिन होता है कि दर्द अपेंडिक्स का है भी या नहीं।

चूँकि हमारे पेट में कई अंग होते हैं, इन अंगों की अनेक बीमारियों में पेटदर्द, बुखार, उल्टी आदि लक्षण समान ही होते हैं। साथ ही पेट के अनेक अंगों व दूसरे रोगों के भौतिक परीक्षण और पूर्व इतिहास भी मिलते-जुलते होते हैं इसलिए अपेंडिक्स को सुनिश्चित करने तथा इसके अंतिम निदान की समस्या प्राय: बनी ही रहती है। फिर भी पूरी तरह परीक्षण किए बगैर मामूली से या अन्य किसी कारण से होने वाले पेटदर्द के निदान के लिए इस अवशेषी अंग को निकाल फेंकना गलत है।

आंत के इस अवशिष्ट टुकड़े का एक सिरा खुला होता है और दूसरा सिरा पूरी तरह बंद। भोजन का कोई कण इसमें प्रवेश कर जाता है तो दूसरा सिरा बंद होने के कारण दूसरी ओर से यह निकल नहीं पाता। इसका परिणाम यह होता है कि अपेंडिक्स संक्रमित हो जाता है।

लंबे समय तक लगातार कब्ज रहना, पेट में पलने वाला परजीवी तथा आंत के क्षयरोग आदि से अपेंडिक्स की नली में अवरोध हो जाता है। ऐसे भोजन का सेवन करना जिसमें रेशा बहुत ही कम या बिल्कुल न हो, भी इस समस्या को निमंत्रण दे सकता है। जब यह अवरोध कुछ दिनों तक लगातार बना रहता है तो अंततः संक्रमण होकर अपेंडिक्स के फटने की स्थिति आ जाती है। अपेन्डिक्स का फटना एक आपात स्थिति है।

अपेंडिक्स के लक्षण

नाभि के आसपास तेजदर्द, जी मचलाना, उल्टी, भूख कम लगना आदि अपेंडिक्स के लक्षण हो सकते हैं। यह दर्द पेट के दाएँ भाग में नीचे की तरफ होता है। इस स्थान पर छूने से रोगी को तीव्र दर्द होता है। दायाँ पैर आगे बढ़ाने तक से रोगी का दर्द बढ़ सकता है। ऐसे में रोगी की नब्ज तेज चलती है और उसे तेज बुखार भी हो सकता है।

ऐसी स्थिति में उचित उपचार न मिले तो पेट के दाएँ भाग में गोला बन सकता है अथवा अपेंडिक्स फट भी सकता है। पेट में बना हुआ गोला तो तीन-चार सप्ताह से सामान्य हो जाता है परन्तु अपेंडिक्स फटने से पेट की झिल्ली भी संक्रमित हो जाती है, जो कि एक गंभीर स्थिति है।

इस स्थिति को उग्र अपेंडिक्स शोध कहते हैं। चिरकालिक अपेंडिक्स शोध के लक्षण प्राय: भ्रमित करने वाले होते हैं। इसमें हल्का-हल्का पेट दर्द होता है जो खाने-पीने के कारण नहीं होता है।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

अगले प्रोजेक्ट में कॉमेडी भूमिका निभाएंगे ईशान!

अभिनेता ईशान खट्टर ने अपने छोटे से करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। पिछले साल आई उनकी फिल्म 'होमबाउंड' को ग्लोबल स्तर पर काफी सराहा गया। फिल्म ऑस्कर के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री भी थी। अब ईशान खट्टर एक बार फिर एक नए तरह के किरदार में नजर आने वाले हैं। दर्शकों ने ईशान को इस तरह के किरदार में पहले कभी नहीं देखा है।

कॉमेडी भूमिका निभाएंगे ईशान!

रिपोर्ट के मुताबिक, ईशान खट्टर अब एक कॉमेडी फिल्म में नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन अभी तक बिना नाम वाली इस फिल्म का निर्देशन पलाश वासवानी करेंगे, जो 'गुल्लक' जैसी लोकप्रिय वेब सीरीज के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म में ईशान पहले ही मुख्य भूमिका में हैं। निर्माता अब फीमेल एक्ट्रेस और अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए कास्टिंग कर रहे हैं। खबरों के अनुसार, फिल्म की शूटिंग अगले कुछ महीनों में शुरू हो जाएगी।

'द रॉयल्स सीजन 2' में नजर आएंगे ईशान

वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशान खट्टर को आखिरी बार पिछले साल आई फिल्म 'होमबाउंड' में देखा गया था। नीरज घायवान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। यह फिल्म उत्तर भारतीय शहर में दो बचपन के दोस्तों चंदन, एक दलित और शोएब एक मुस्लिम की कहानी है। दोनों पुलिस अधिकारी बनने का सपना देखते हैं। लेकिन परीक्षा परिणामों में देरी से सब कुछ बदल जाता है। ईशान अब 'द रॉयल्स सीजन 2' में नजर आएंगे। निर्माताओं ने इस साल की शुरुआत में सीरीज के दूसरे सीजन की घोषणा की थी।

टॉक्सिक में यश के साथ बोल्ड सीन वाली खबरों पर कियारा आडवाणी ने दिया रिएक्शन

कियारा आडवाणी अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म इस साल सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। जब इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ तो इसमें दिखाए गए बोल्ड सीन चर्चा का विषय बन गए। हाल ही में ऐसी खबरें आईं कि कियारा और यश के बीच फिल्म में कुछ बोल्ड सीन हैं। खबरें यह भी थीं कि कियारा ने मेकर्स से उन सीन को थोड़ा कम करने की गुजारिश की है। इस मामले पर अब कियारा ने रिएक्शन दिया है।

कियारा ने दिया रिएक्शन

इस तरह की खबरों को कियारा आडवाणी ने सिरे से खारिज किया है जिनमें कहा गया था कि उन्होंने मेकर्स से बोल्ड सीन कम करने की गुजारिश की है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें यश के साथ उनकी तस्वीर है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा 'बिल्कुल बकवास!' कियारा के यह साफ करने के बाद कि ये खबरें झूठी हैं, यह देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म में उनके और यश के बीच कोई बोल्ड सीन होंगे या नहीं।

इस वजह से टल गई रिलीज डेट

'टॉक्सिक' इस साल मार्च में, ईद के मौके पर रिलीज होने वाली थी। हालांकि, इसकी रिलीज डेट 4 जून 2026 तक के लिए टाल दी गई थी, ताकि यह फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' के साथ क्लैश होने से बच जाए। मगर कुछ दिनों पहले मेकर्स ने एलान किया कि फिल्म की रिलीज डेट एक बार फिर आगे बढ़ाई जा रही है।

4 जून को नहीं रिलीज होगी फिल्म

मेकर्स ने एक नोट शेयर किया, जिसमें लिखा था, 'टॉक्सिक' पूरी हो चुकी है। हम इस समय इसके ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन और पार्टनरशिप को अंतिम रूप देने में लगे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए, हमने अपनी रिलीज टाइमलाइन को फिर से तय करने का फैसला किया है। हालांकि पहले घोषणा की गई थी कि हम इसे 4 जून को रिलीज नहीं करेंगे। हम इसे बाद में तय की गई किसी तारीख पर रिलीज करेंगे।'

कौन है फिल्म की निर्देशक

अब यश के फैंस बेसब्री से फिल्म की नई रिलीज डेट का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में कियारा और यश के अलावा नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसे कलाकार हैं। इसमें यश डबल रोल में होंगे। इसके निर्देशक गीतू मोहनदास हैं।

मेरे लिए 'लुक्खे' में गुरबानी का किरदार निभाना एक घर वापसी जैसा है

म्यूजिकल एक्शन-ड्रामा वेब सीरीज 'लुक्खे' पंजाब की गलियों, वहां की आपसी प्रतिद्वंद्विता, जबरदस्त एक्शन और रैप संगीत के शानदार मेल को बखूबी दर्शाता है। इसकी कहानी एक युवा एथलीट लकी के इर्द-गिर्द घूमती है। उसकी दुनिया में तब मोड़ आता है, जब उसे ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ करने के लिए पंजाब की खतरनाक रैप दुनिया में कदम रखना पड़ता है। जैसे-जैसे वह इस अंडरवर्ल्ड के भीतर जाता है, वह न केवल अपराध बल्कि प्यार, परिवार, पछतावे और दोस्ती के जटिल जाल में फंस जाता है। ट्रेलर एक ऐसे सफर की ओर इशारा करता है, जहां एक खिलाड़ी को अपनी नैतिकता और मिशन के बीच चुनाव करना पड़ता है। इस सीरीज के जरिए रैपर किंग अभिनय की दुनिया में कदम रख रहे हैं। सीरीज में अभिनेत्री राशी खन्ना पुलिस अधिकारी गुरबानी की भूमिका में नजर आएंगी। इसको लेकर अभिनेत्री ने कहा, 'यह सीरीज केवल रोमांस और रैप बैटल्स के बारे में नहीं है, बल्कि उस धुंधली सीमा के बारे में है, जहां सही और गलत के बीच फर्क करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। मेरे लिए गुरबानी का किरदार निभाना एक घर वापसी जैसा है। क्योंकि भले ही मैंने कई भाषाओं में काम किया हो, लेकिन पंजाबी मेरी असली जड़ है। गुरबानी एक ऐसी लड़की है, जो अपने अंदर बहुत सारा अनकहा दुख समेटे हुए है। वह अपनी आवाज ऊंची नहीं करती, लेकिन उसकी मौजूदगी स्क्रीन पर गहरा असर डालती है। वह एक कोमल लड़की भी है और जरूरत पड़ने पर एक तेज-तर्रार पंजाबन भी।' राशी ने स्क्रिप्ट की सराहना करते हुए शो के निर्माता अग्रिम, डेबोज और निर्देशक हिमांकर का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस जटिल कहानी को खूबसूरती से पर्दे पर उतारा है।

रश्मिका मंदाना ने पूरा किया फिल्म 'माइसा' का शेड्यूल

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने मंगलवार को अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'माइसा' का केरल शेड्यूल पूरा कर लिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए इस बात की जानकारी दी। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म की टीम के साथ एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपनी पूरी टीम के साथ मुस्कुराते हुए पोज दे रही हैं। वीडियो में सेट की थकान के बावजूद पूरी टीम के चेहरे पर काम पूरा होने की खुशी साफ देखी जा सकती है। रश्मिका ने टीम का आभार व्यक्त करते हुए लिखा, 'दोस्तों, एक छोटा सा अपडेट यह है कि हमने केरल में माइसा का एक लंबा शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। ये कुछ प्यारे लोग हैं, जिन्होंने बहुत मेहनत की और इस प्रोजेक्ट को मुमकिन बनाया। आप सभी का तहे दिल से शुक्रिया। मैं जल्द ही दोबारा सेट पर वापसी करूंगी।' फिल्म 'माइसा' में रश्मिका का किरदार उनके पिछले किरदारों से काफी अलग और चुनौतीपूर्ण होने वाला है। केरल की खूबसूरत लोकेशन्स पर इस फिल्म के कई अहम सीन फिल्माए गए हैं। रश्मिका ने निर्देशक रविंद्र पुल्ले और प्रोडक्शन हाउस 'अनफॉर्मूला फिल्म्स' को भी इस बेहतरीन अनुभव के लिए टैग किया है। 'माइसा' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना गोंड जनजाति की महिला का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन राविंद्र पुल्ले कर रहे हैं। वहीं अजय और अनिल सैय्यापुरेड्डी ने अपने बैनर अनफॉर्मूला फिल्म्स के तहत इसे प्रोड्यूस किया है। 'माइसा' हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी। फिलहाल फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।

मैंने जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ना सीखा है

एक्टिंग की दुनिया में कई सितारे सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं, लेकिन कुछ कलाकार असफलताओं और निजी संघर्षों का सामना करते हुए टूट भी जाते हैं। हालांकि कुछ कलाकार ऐसे भी होते हैं जो हर मुश्किल के बाद और मजबूत होकर सामने आते हैं। ऐसी ही हैं रश्मि देसाई, जिन्होंने अपने करियर और निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन कभी हार नहीं मानी। बातचीत में रश्मि ने अपने संघर्ष, सपनों, असफलताओं और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने को लेकर खुलकर बात की। रश्मि देसाई ने खुद को एक मजबूत सोच वाली सिंगल महिला बताते हुए कहा, 'मैंने जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ना सीखा है। मेरे लिए जिंदगी में बदलाव आना बिल्कुल सामान्य बात है, और यही जीवन का सबसे बड़ा सच भी है। हर चीज एक समय के बाद बदल जाती है, इसलिए इंसान को भी बदलाव को अपनाना सीखना चाहिए।' उन्होंने कहा, ''मैंने अपनी जिंदगी से एक सबसे अहम बात सीखी है और वह है लगातार आगे बढ़ते रहना। अगर इंसान रुक जाता है तो वह पीछे छूट जाता है, इसलिए मुश्किल हालात में भी आगे बढ़ना जरूरी होता है।'' अभिनेत्री ने कहा, ''जैसे-जैसे इंसान जिंदगी में आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे उसके सपने भी बड़े होते जाते हैं। सपने देखने पर कोई टैक्स खर्च नहीं लगता। इसलिए इंसान को बिना डरे बड़े सपने देखने चाहिए। हर व्यक्ति को खुद को हर कदम पर चुनौती देनी चाहिए और अपनी क्षमता को पहचानने की कोशिश करनी चाहिए। इंसान का काम अपनी तरफ से पूरी मेहनत करना है, बाकी चीजें भगवान पर छोड़ देनी चाहिए।'' रश्मि ने अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को भी याद किया। उन्होंने कहा, ''मैंने कई बार असफलताओं का सामना किया है। मैं जिंदगी में कई बार गिरी हूं, लेकिन हर बार खुद को संभाला और फिर से खड़ी हुई। असफलताएं इंसान को बहुत कुछ सिखाती हैं। सफलता इंसान को खुशी देती है, लेकिन असफलता उसे मजबूत बनाती है और जिंदगी की असली सीख देती है।'' उन्होंने कहा, ''एक सिंगल महिला होने के बावजूद मैंने कभी खुद को कमजोर नहीं समझा। मैं मानसिक रूप से बहुत मजबूत हूं और किसी भी मुश्किल परिस्थिति में हार मानने में विश्वास नहीं रखतीं। जिंदगी में मुश्किलें सभी के सामने आती हैं, लेकिन जरूरी यह है कि इंसान उनका सामना कैसे करता है।'' रश्मि ने कहा मैं अपने काम को लेकर एक खास पैटर्न और अनुशासन फॉलो करती हूं।

इतने साल इंडस्ट्री में टिके रहना बहुत बड़ी बात है

पंजाबी फिल्मों और बॉलीवुड में काम कर चुकीं एक्ट्रेस सोनम बाजवा फिर से अपनी एक पंजाबी फिल्म 'पिट्ट सियापा' के साथ लौट आई हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में बातचीत में अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में काफी कुछ बताया।

आपकी फिल्मी सफर बहुत ही दिलचस्प रहा। आपने मॉडलिंग भी की है, साउथ में भी काम किया है और पंजाबी से लेकर बॉलिवुड तक में काम किया है। आप अपनी इस यात्रा को कैसे देखती हैं?

जब मैं अपना सफर देखती हूं, तो कभी सोचा नहीं था कि यहां तक पहुंच जाएंगे या ज़िंदगी में कुछ कर लेंगे। जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो सोचती हूं कि आखिर कैसे हुआ। क्योंकि मैंने सारे डिसीज़न तो सही नहीं लिए। जब आप एक फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते, आपकी कोई ट्रेनिंग नहीं है, कोई आपको गाइड करने वाला नहीं है, आपको पीछे से सपोर्ट देने वाला नहीं है, तो आपकी एक गलती भी आपको बहुत पीछे लेकर जा सकती है। मुझे लगता है कि मैंने ऐसे कई फैसले लिए जो शायद नहीं लेने चाहिए थे, कई जगह हां बोला, जहां ना कहना चाहिए था। लेकिन वही है न कि आप अपनी गलतियों से सीखते हैं और आगे बढ़ते हैं। तो बस मुझे यही लगता है कि मैंने बहुत शिद्दत और ईमानदारी से काम किया और लोगों का प्यार मिलता रहा। तभी तो इतनी सारी गलतियां भी माफ हो गईं। कई प्रोजेक्ट्स जो शायद नहीं करने चाहिए थे, वह भी ऑडियंस भूल जाती है क्योंकि ऑडियंस को आप अपने लगने लगते हैं। इतने साल इंडस्ट्री में टिके रहना बहुत बड़ी बात है। मैंने कभी नहीं सोचा था मैं यहां तक पहुंच जाऊंगी।

आपकी फिल्म पिट्ट सियापा का कॉन्सेप्ट बहुत दिलचस्प है। क्या आप कभी ऐसी सिचुएशन से असल ज़िंदगी में भी रूबरू हुई हैं?

समाज में जब आप रहते हैं तो आपकी ज़िंदगी में कभी ना कभी तो होता ही है कि जब आप किसी के फ्यूनरल में जाते हैं। मेरी भी लाइफ में ऐसा हुआ है। मुझे पक्का यकीन था कि मेरी पहली फिल्म के बाद मुझे कोई काम नहीं मिलने वाला। पता नहीं कैसे मुझे पंजाब 1984 मिली, जिसे नैशनल अवॉर्ड मिला। उस फिल्म ने मेरे करियर का ग्राफ तो चेंज किया ही, मेरा सोचने का तरीका भी बदल दिया। और वहां से मैंने सोचा कि अब मैं फिल्मों में ही काम करूंगी। और वहां से यहां तक के सफर में बहुत कुछ मिला, जो कि बिल्कुल भी आसान नहीं था।

आपकी फिल्म में डायलॉग है जिसमें आप कहते हैं कि दिलजीत दोसांझ जिंदाबाद थे, हैं और रहेंगे। आपने तो फिल्म बॉर्डर 2 में साथ काम भी किया है। उनके साथ आपका अनुभव कैसा रहा?

बॉर्डर 2 दिलजीत के साथ मेरी दूसरी फिल्म थी। पहली थी पंजाब 1984, उनकी भी सफलता बेमिसाल है, पंजाब में दर्शकों का दिल जीतने से लेकर भारत और अब एक ग्लोबल स्टार बनने तक। मैं जब भी उनकी तरफ देखती हूं तो यही अहसास होता है कि लाइफ में हमेशा बड़े सपने देखने चाहिए कि अगर उनके साथ ऐसा हो सकता है, तो मेरे साथ भी हो सकता है। दिलजीत वाकई बहुत मेहनती हैं और बहुत फोकस्ड भी हैं।

पंजाबी सिनेमा ने अपनी पहचान बनाई, इसकी क्या वजह मानती हैं

मैं आपकी इस बात से बिल्कुल सहमत हूं कि लोग पंजाबियों को बहुत प्यार करते हैं, उनकी भाषा लोगों को बहुत स्वीट लगती है, बड़ी अपनी सी लगती है। संगीत में भी, कोई नॉन पंजाबी भी है, तो भी हर एक की प्ले लिस्ट में पंजाबी गाना होगा। पहले तो लोग कहते थे अरे ये डांसिंग डांस वाले गाने हैं, लेकिन आप सतेंद्र सरताज जी के गाने सुनें, वह जब मुंबई या पुणे में कॉन्सर्ट करते हैं, तो उनका कार्यक्रम सोल्ड आउट होता है। वह कोलकाता में करें, मुंबई में करें या पुणे में करें, बहुत सारे नॉन पंजाबी लोग उनके कॉन्सर्ट में आते हैं। तो शायद ये मेहरबानी कुदरत की है कि लोगों को इस भाषा से बहुत प्यार है, इस कल्चर से बहुत प्यार है। हिंदी सिनेमा भी बहुत समय तक पंजाब से जुड़ी कहानियां दिखाता आया है, तो लोगों के अंदर वह प्यार बना हुआ है। अभी पंजाबी इंडस्ट्री दूसरी फिल्म इंडस्ट्रीज़ की तुलना में बहुत नई और काफी छोटी है। इस इंडस्ट्री में अच्छा करने की बहुत संभावनाएं हैं। हम कोरियन सिनेमा, फ्रेंच कॉन्टेंट या इस्राइली सिनेमा भी सब-टाइटल्स के साथ देखते हैं। तो थोड़ा सा जो बैरियर है भाषा का, वह भी कम होता जा रहा है। मुझे लगता है कि ये भी एक कारण है कि लोग पंजाबी सिनेमा को इतना प्यार करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

हॉलीवुड निर्माता व वॉर्नर ब्रदर्स के पूर्व कार्यकारी टोनी का निधन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। टेलीविजन निर्माता और वॉर्नर ब्रदर्स के पूर्व प्रोडक्शन वाइस प्रेसिडेंट टोनी अमतुलो का 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार के अनुसार, एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया से जूझने के बाद 3 मई को न्यूयॉर्क में उन्होंने अंतिम सांस ली। 14 जुलाई 1949 को मैनहट्टन में जन्मे अमतुलो ने फेम और मियामी वाइस जैसे लोकप्रिय शो में बतौर सहयोगी निर्माता काम किया। उन्होंने स्टीवन स्पीलबर्ग की फिल्मों द गूनीज और द कलर पर्पल में मैनेजर की भूमिका निभाई।

कनाडा : दंपती की हत्या में 3 भारतवंशी दोषी

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की एक अदालत ने एबॉट्सफोर्ड में एक बुजुर्ग दंपती की बर्बर हत्या के मामले में भारतीय मूल के तीन लोगों को फर्स्ट-डिग्री मर्डर का दोषी ठहराया है। ब्रिटिश कोलंबिया सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस ब्रेंडा ब्राउन ने शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि गुरकरण सिंह, अभिजीत सिंह और खुशवीर तूर ने इस हत्याकांड में सक्रिय भूमिका निभाई थी। अर्नोल्ड और जोआन डी जोंग मई 2022 में अपने घर में मृत पाए गए थे। अभियोजकों ने अदालत को बताया कि तीनों आरोपियों ने मिलकर लूटपाट और हत्या की साजिश रची थी। उन्होंने घर से क्रेडिट कार्ड, चेक और एक पावर वॉशर चुराया था। ये तीनों आरोपी अभिजीत सिंह की सफाई कंपनी में काम करते थे, जिसने पहले इस दंपती के घर काम किया था। दंपती के शव अलग-अलग कमरों में मिले थे। अर्नोल्ड का चेहरा डक्ट टेप से लिपटा था, जबकि जोआन खून से लथपथ मिली थीं। दोनों के हाथ-पैर रस्सी से बंधे थे। अदालत में पेश साक्ष्यों में घटनास्थल से मिला डीएनए, हत्या में इस्तेमाल रस्सी और संदिग्धों की गाड़ी से बरामद मेटल का बेसबॉल बैट शामिल है। फोन डाटा से पता चला कि हत्या के बाद अभिजीत ने इंटरनेट पर सज़ा संबंधी कानून भी सर्च किए थे। दोषियों को सजा 28 मई को सुनाई जाएगी।

हैकर समूह शाइनीहंटर्स ने ली हमले की जिम्मेदारी

मिसिसिपी, एजेंसी। अमेरिका के मिसिसिपी स्टेट यूनिवर्सिटी ने शुक्रवार की अंतिम परीक्षाएं स्थगित कर दीं ताकि छात्र अपना संभावित रूप से खोया हुआ कार्य दोबारा प्राप्त कर सकें। विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान के छात्र ऑब्री पामर ने बताया कि वह और अन्य छात्र लगभग 2,900 शब्दों का परीक्षा निबंध पूरा कर चुके थे, तभी अचानक स्क्रीन पर फिरौती वाला संदेश दिखाई देने लगा।

ऑस्ट्रेलिया से कनाडा तक विश्वविद्यालय प्रभावित

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की सिडनी यूनिवर्सिटी ने छात्रों को चेतावनी जारी करते हुए कहा कि कैनवस फिलहाल उपलब्ध नहीं है और छात्र लॉगिन करने की कोशिश न करें। विश्वविद्यालय ने स्वीकार किया कि सेमेस्टर के बेहद महत्वपूर्ण समय में यह व्यवधान छात्रों के लिए गंभीर परेशानी पैदा कर रहा है। विश्वविद्यालय ने बताया कि वह दुनिया भर के लगभग 9000 प्रभावित संस्थानों में शामिल है और इंस्ट्रक्चर से आगे की सलाह का इंतजार कर रहा है।अमेरिका में आइडाहो स्टेट यूनिवर्सिटी ने दोपहर बाद होने वाली परीक्षाएं रद्द कर दीं, जबकि पेन स्टेट यूनिवर्सिटी ने छात्रों को संदेश भेजकर बताया कि फिलहाल किसी को भी कैनवस तक पहुंच नहीं मिल पा रही।

कांगो संकट में अमेरिका की भूमिका पर सवाल

किंशासा , एजेंसी। अफ्रीकी देश कांगो के विद्रोहियों ने अमेरिका पर पक्षपात करने का आरोप लगाया है। विद्रोही गुट 'एम-23' ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को पत्र लिखकर कहा कि अमेरिका शांति के लिए सही से मध्यस्थता नहीं कर रहा है। उनका कहना है कि अमेरिका केवल उन पर पाबंदियां लगा रहा है, जबकि कांगो सरकार की गलतियों को नजरअंदाज कर रहा है। कांगो का यह इलाका खनिज संपदा से भरपूर है और यहां दशकों से हिंसा चल रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले इस विवाद को सुलझाने का दावा किया था, लेकिन जमीन पर अभी भी लड़ाई जारी है। इस संघर्ष में अब तक हजारों लोग प्रभावित हो चुके हैं।

पाकिस्तान के बन्नू में आतंकी हमला

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकियों ने एक पुलिस स्टेशन को निशाना बनाया। हमलावरों ने पहले विस्फोटक से लदी गाड़ी से धमाका करने की कोशिश की और फिर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। पुलिस की जवाबी कार्रवाई ने एक बड़े आत्मघाती हमले को टाल दिया, लेकिन धमाका इतना जोरदार था कि आसपास के कई घरों की छतें गिर गईं।

यूएई ने रातों-रात हजारों पाकिस्तानियों का बोरिया-बिस्तर बांधा; ना कारण बताया, ना मोहलत दी

अबू धाबी, एजेंसी। अमेरिका और ईरान में जारी जंग के बीच खुद को मध्यस्थ यानी बिचौलिए के तौर पर पेश करने की पाकिस्तान की कोशिश उसी पर भारी पड़ गई है। पाकिस्तान के इस कदम से मुस्लिम देश संयुक्त अरब अमीरात (८श्र) के साथ उसके कूटनीतिक संबंध बिगड़ गए हैं। यूएई से बड़े पैमाने पर पाकिस्तानी कामगारों को डिपोर्ट (निर्वासित) किया जा रहा है।

यूएई क्यों है पाकिस्तान से खफा : खाड़ी में कई हफ्तों तक चले संघर्ष के बाद अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत कराने में पाकिस्तान ने अहम भूमिका निभाई है। अब न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यूएई इस बात से बेहद नाराज है कि पाकिस्तान ने अमीराती क्षेत्र को निशाना बनाकर किए गए ईरानी हमलों की कड़ी निंदा नहीं की। इसी नाराजगी के चलते यूएई की तरफ से पाकिस्तानियों पर यह सख्त कार्रवाई की जा रही है।

बिना कारण बताए हजारों पाकिस्तानियों को किया डिपोर्ट : न्यूयॉर्क टाइम्स ने कई पाकिस्तानी कामगारों और समुदाय के नेताओं से बातचीत के आधार पर बताया है कि हाल के हफ्तों में हजारों पाकिस्तानी शिया मुसलमानों को यूएई से निकाल दिया गया है। कई लोगों का दावा है कि उन्हें डिपोर्ट करने से पहले बिना कोई कारण बताए हिरासत में रखा गया था।

पाकिस्तानी शिया नेताओं का कहना है कि उनके समुदाय के लोगों को विशेष रूप से निशाना बनाया जा रहा है, क्योंकि उनके ईरान के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक संबंध हैं। सामुदायिक संगठनों का अनुमान है कि मध्य-अप्रैल से लेकर अब तक हजारों परिवार इस निर्वासन से प्रभावित हो चुके हैं।

हालांकि, यूएई ने अभी तक इन आरोपों पर सार्वजनिक रूप से कोई बयान नहीं दिया है। वहीं, दूसरी तरफ पाकिस्तान ने भी ऐसे किसी सामूहिक निर्वासन अभियान के दावों को खारिज किया है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका : इस मुद्दे ने पाकिस्तान की चिंताएं बढ़ा दी हैं, क्योंकि यूएई से आने वाला पैसा पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी जीवन रेखा है। वर्तमान में 20 लाख से अधिक पाकिस्तानी यूएई में रहते और काम करते हैं। अकेले पिछले साल ही इन पाकिस्तानी कामगारों ने 8 अरब डॉलर से ज्यादा की रकम अपने देश भेजी थी। पाकिस्तान की कूटनीति और डगमगाती अर्थव्यवस्था इस समय खाड़ी देशों के बदलते रुख के बीच फंसी हुई है। एक तरफ जहां पाकिस्तान ने सऊदी अरब से अपनी नजदीकियां बढ़ाई हैं, वहीं दूसरी तरफ यूएई (८श्र) का रवैया उसके प्रति बेहद सख्त हो गया है। दशकों से पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार को कर्ज का 'रोल-ओवर' करके सहारा देने वाले यूएई ने अपना 3.5 अरब डॉलर का कर्ज तुरंत वापस ले लिया है। अप्रैल 2026 में पाकिस्तान को मजबूरन यह भारी-भरकम कर्ज यूएई को चुकाना पड़ा, जिसके लिए उसे सऊदी अरब से मिली नई आर्थिक मदद (डिपॉजिट) का सहारा लेना पड़ा। यूएई का यह कदम साफ दर्शाता है कि पाकिस्तान का सऊदी की तरफ अधिक झुकाव और ईरान विवाद में उसकी मध्यस्थता वाली भूमिका के चलते अबू धाबी का रुख अब 'मुफ्त मदद' से बदलकर 'सख्त वसूली' वाला हो गया है।

अमेरिका 'प्रोजेक्ट फ्रीडम प्लस' की तैयारी में : यह निर्वासन का मामला ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़े संकेत दिए हैं। ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान के साथ बातचीत विफल होती है, तो वॉशिंगटन 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को फिर से शुरू कर सकता है। यह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले कमर्शियल जहाजों की सुरक्षा के लिए बनाई गई एक समुद्री सुरक्षा पहल है। खाड़ी में जारी अस्थिरता के बीच ट्रंप ने साफ किया है कि इस ऑपरेशन को 'प्रोजेक्ट फ्रीडम प्लस' के नाम से और भी व्यापक रूप में वापस लाया जा सकता है।

बिना आईडी नेपाल में नहीं मिलेगी एंट्री, बालेन सरकार ने भारतीयों पर लगा दिया नया नियम

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की बालेन सरकार ने भारतीयों पर नया नियम लगा दिया है। दरअसल, भारत से नेपाल में प्रवेश करने वाले भारतीय नागरिकों के लिए पहचान पत्र अनिवार्य कर दिया गया है। यही नहीं, नेपाल से भारत में प्रवेश करने वालों को भी परिचय पत्र दिखाना होगा। आधार या सरकार से जारी वैध पहचान पत्र मान्य हैं। इसे लेकर नेपाल प्रशासन शनिवार को एक्टिव हो गई। नई व्यवस्था लागू होने के बाद शनिवार को जोगबनी स्थित भारत-नेपाल सीमा पर दिनभर अफरा-तफरी का माहौल रहा। पहचान पत्रों की सघन जांच के कारण सीमा पर वाहनों और राहगीरों की लंबी कतारें लग गईं। कोलकाता से आने वाली ट्रेन के जोगबनी स्टेशन पहुंचते ही बड़ी संख्या में यात्री नेपाल जाने के लिए सीमा पर पहुंच गए। नेपाल पुलिस के जवान पहचान पत्र जांचने के बाद ही लोगों को नेपाल में प्रवेश दे रहे थे। जिन लोगों के पास वैध पहचान पत्र नहीं था, उन्हें वापस लौटा दिया गया।

नेपाल के प्रमुख जिलाधिकारी युवराज कटेल ने स्पष्ट कहा कि सीमा पार करने के लिए पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य होगा। उधर, बहराइच से सटी नेपाल की करीब 17 किलोमीटर सीमा पट्टी में बड़ी संख्या में मधेशी समुदाय के लोग रहते हैं। नेपाली क्षेत्र के जमुनहा गांव में इस फैसले को लेकर तनाव का माहौल बताया जा रहा है। नेपाली

आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवान आने-जाने वालों से पूछताछ और जांच के नाम पर सख्ती कर रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

चीनी घुसपैठ की आशंका लेकर पुलिस और एसएसबी अलर्ट ; उधर, नेपाल की सीमा से चीनी नागरिकों की घुसपैठ के मामलों के मद्देनजर सीमावर्ती जिलों की पुलिस और एसएसबी को अलर्ट किया गया है। बिहार के बेतिया, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, दरभंगा, मधुबनी समेत उत्तर बिहार के अन्य जिलों की पुलिस को इलाके के सभी प्रमुख होटलों और लॉज की नियमित जांच कराने का निर्देश दिया गया है। तीन दिनों पहले अररिया के जोगबनी बॉर्डर से भारत में घुसे चीनी नागरिक को बिना वैद्य दस्तावेज के पकड़ा गया था। इसके बाद पुलिस मुख्यालय की ओर से अलर्ट जारी किया गया है। इसमें बताया गया है कि बीते चार मई को चीन के हुनान प्रांत का नागरिक झोउ हुआन नेपाली नंबर की स्कूटी से भारत में प्रवेश किया। बॉर्डर के पास में ही एसएसबी जवानों ने उसे रोक लिया। स्थानीय पुलिस ने उससे गहन पूछताछ की थी।

अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालयों पर साइबर हमला, परीक्षाओं के बीच मांगी बिटकॉइन फिरौती

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों के विश्वविद्यालयों और स्कूलों पर बड़े पैमाने पर हुए साइबर हमलों ने शिक्षा व्यवस्था को हिला दिया है। हैकर समूह शाइनीहंटर्स ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। हमले का निशाना बना कैनवस नाम का ऑनलाइन शैक्षणिक मंच, जिसका इस्तेमाल दुनिया भर के हजारों विश्वविद्यालय और स्कूल पढ़ाई, असाइनमेंट और परीक्षाओं के संचालन के लिए करते हैं। हमले के कारण अंतिम परीक्षाओं और असाइनमेंट के महत्वपूर्ण दौर में व्यापक अव्यवस्था फैल गई। कई विश्वविद्यालयों को परीक्षाएं स्थगित करनी पड़ीं, जबकि छात्रों और शिक्षकों को अपने डाटा और कार्य के सुरक्षित रहने को लेकर चिंता सताने लगी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार कैनवस की मालिक कंपनी इंस्ट्रक्चर ने शुक्रवार देर रात अपनी वेबसाइट पर बताया कि अधिकांश उपयोगकर्ताओं के लिए सेवाएं बहाल कर दी गई हैं, लेकिन शनिवार तक भी कई संस्थानों में भारी व्यवधान बना रहा। रिपोर्टों के अनुसार इस साइबर हमले से दुनिया भर के लगभग 9000 शैक्षणिक संस्थान प्रभावित हुए। कई उपयोगकर्ताओं की स्क्रीन पर बिटकॉइन में फिरौती मांगने वाला संदेश दिखाई दिया, जिसमें दावा किया गया कि शाइनीहंटर्स ने इंस्ट्रक्चर के सिस्टम में सेंध लगा ली है और यदि भुगतान नहीं किया गया तो चोरी किया गया डेटा सार्वजनिक कर दिया जाएगा।

मियामी में नाव में जोरदार धमाका, 11 लोग अस्पताल में भर्ती : मियामी , एजेंसी। अमेरिका के मियामी में हौलओवर सैंडबार के पास शनिवार दोपहर एक नाव में भीषण विस्फोट होने से हड़कंप मच गया। धमाका इतना जोरदार था कि नाव पर सवार कई लोग सीधे पानी में जा गिरे। मियामी-डेड फायर रेस्क्यू ने इस घटना को 'लेवल 2 मास कैजुअल्टी' घोषित करते हुए 25 से अधिक बचाव इकाइयों को मौके पर भेजा। इस हादसे में घायल हुए 11 लोगों को तुरंत पास के अस्पतालों में ले जाया गया है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच और चश्मदीदों के अनुसार, यह विस्फोट नाव के इंजन में जमी पेट्रोल की गैस के कारण हो सकता है।

होर्मुज में गोलीबारी का शिकार हुआ भारतीय जहाज, गुजरात के नाविक की मौत; 5 घायल

तेहरान, एजेंसी। होर्मुज में एक और भारतीय जहाज गोलीबारी का शिकार हुआ है। नाविकों के एक संगठन के प्रतिनिधि के अनुसार, बीते शुक्रवार को यह घटना हुई, जब होर्मुज स्ट्रेट में दो पक्षों के बीच हुई गोलीबारी में फंस जाने से गुजरात के एक नाविक की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। शिपिंग निदेशालय के अधिकारियों ने इस घटना की पुष्टि तो की, लेकिन इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। उन्होंने बताया कि वे इस मामले में सहायता प्रदान कर रहे हैं।

यह लकड़ी से बना जहाज था, जिसकी पहचान अल फैज नूर-ए-सुलेमानी 1 नाम से हुई है। इस जहाज में 18 लोगों का क्रू सवार था। यह 7 मई को दुबई से निकला था और यमन के मुक्कम की ओर जा रहा था, तभी 8 मई को रात करीब एक बजे, होर्मुज स्ट्रेट पार करते समय यह गोलीबारी की चपेट में आ गया। बता दें कि ईरान-अमेरिका युद्ध के बाद से ही होर्मुज टकराव का केंद्र बना हुआ है। ईरान ने लंबे समय से बिना इजाजत किसी भी जहाज को निकलने देने पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। इसकी वजह से कच्चे तेल के दामों में भी बढ़ोतरी हो रही है। अधिकारियों को लिखे एक लेटर में इंडियन सेलिंग वेसल्स एसोसिएशन (गुजरात) के महासचिव, आदम भाया ने इस घटना को अमेरिका और ईरान की सेनाओं के बीच हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण और हिंसक झड़प बताया। मृतक अल्ताफ तालाब केर उस जहाज पर इंजन ड्राइवर के तौर पर काम करते थे। वे गुजरात के द्वारका जिले के सलाया गांव के रहने वाले थे। बाकी क्रू सदस्यों को सुबह करीब 7 बजे (स्थानीय समय) MSV प्रेम सागर-I (BDI-1491) द्वारा बचा लिया गया और वे उसी दिन शाम 6 बजे तक दुबई पोर्ट पहुंच गए। उनका इलाज एक स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। एक सूत्र ने बताया कि घटना के तुरंत बाद भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने बचाए गए नागरिकों से मुलाकात की। 11 भारतीय जहाज होर्मुज से बाहर निकले इससे पहले गुरुवार को, विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया था कि 11 भारतीय जहाज होर्मुज से बाहर निकल चुके हैं, जबकि 13 जहाज अभी भी फारस की खाड़ी में मौजूद हैं। एक प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, जायसवाल से उन रिपोर्टों के बारे में पूछा गया कि क्या ईरानी जहाज अमेरिकी नाकेबंदी से बचने के लिए पाकिस्तानी समुद्री सीमा और फिर भारतीय समुद्री सीमा से होकर गुजर सकते हैं, और क्या ऐसा करने के लिए भारतीय अधिकारियों से विशेष अनुमति लेने की आवश्यकता है। जायसवाल ने कहा, 'उन रिपोर्टों के संबंध में कि ईरानी जहाज नाकेबंदी से बचने के लिए भारतीय समुद्री सीमा से होकर गुजर सकते हैं। यदि अन्य देशों के जहाज अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में चलना चाहते हैं, तो किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है।

ईरान के परमाणु हथियार बनाने का कोई सबूत नहीं: व्लादिमीर पुतिन

मास्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को 'बहुत कठिन संघर्ष' बताया। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे यह साबित हो कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। संकट का समाधान निकालने की कोशिश कर रहा रूसः पुतिन पुतिन ने विक्ट्री डे परेड के बाद मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, रूस के ईरान और खाड़ी देशों दोनों के साथ अच्छे संबंध हैं। रूस दोनों पक्षों के संपर्क में है। इस संकट का समाधान निकालने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, ईरान और अमेरिका के बीच यह बहुत कठिन संघर्ष है। इससे हमारी स्थिति भी कठिन हो जाती है, क्योंकि हमारे ईरान और खाड़ी देशों दोनों के साथ अच्छे संबंध हैं। हम दोनों पक्षों के संपर्क में हैं। मुझे उम्मीद है कि यह संघर्ष जल्द खत्म होगा। मेरा मानना है कि कोई भी इसे जारी रखना नहीं चाहता। उन्होंने यह भी कहा, समझौते की संभावना अभी भी बनी हुई है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर क्या कहा? ईरान के परमाणु कार्यक्रम और परमाणु हथियार बनाने के आरोपों पर पुतिन ने कहा कि रूस ने 2015 में भी इस मामले में सहयोग किया था। उन्होंने बताया कि ईरान में बुशेहर परमाणु संयंत्र जैसी परियोजना केवल शांतिपूर्ण ऊर्जा उद्देश्यों के लिए हैं। उन्होंने कहा, हमने 2015 में भी ऐसा किया था। उस समय ईरान ने हम पर भरोसा किया था और उसके पीछे ठोस कारण थे। हम आज भी ईरान में परमाणु कार्यक्रमों पर काम कर रहे हैं। हमने बुशेहर संयंत्र का निर्माण पूरा किया। मौजूदा स्थिति से शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा पर हमारा काम प्रभावित नहीं है। 2015 में यह सभी देशों और ईरान के बीच समझौते की नींव बना था और इसका बहुत सकारात्मक असर हुआ था। हम फिर से वही करने के लिए तैयार हैं। 'ईरान के परमाणु हथियार विकसित करने के सबूत नहीं' पुतिन ने कहा कि रूस को कभी ऐसा कोई सबूत नहीं मिला कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करना चाहता है। उन्होंने कहा, अगर सभी पक्ष सहमत हों, तो ईरान भरोसा कर सकता है कि वह अपनी परमाणु सामग्री एक मित्र देश को भेज सकता है, जो शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग करता रहेगा। हमने कभी नहीं कहा कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। मेरी राय में दूसरे देशों की भी इसमें रुचि हो सकती है। उन्होंने ईरान के यूरेनियम कार्यक्रम को लेकर पहले दिए गए प्रस्तावों का भी जिक्र किया। पुतिन ने कहा कि रूस ने सुझाव दिया था कि अंतरराष्ट्रीय निगरानी में संयुक्त परियोजनाओं के जरिये यूरेनियम का प्रसंस्करण किया जाए। यह पूरा काम संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए की निगरानी में हो सकता है।

मिस्र और कतर ने अमेरिका और ईरान से 'जिम्मेदारी और समझदारी' दिखाने की अपील की

काहिरा, एजेंसी। मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती और कतर के प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान जसीम अल-थानी ने अमेरिका और ईरान से इस संवेदनशील समय में 'जिम्मेदारी' और 'समझदारी' से काम लेने की अपील की है। शनिवार को दोनों नेताओं के बीच फोन पर बातचीत हुई। इस दौरान उन्होंने कहा कि विवादों को सुलझाने के लिए कूटनीति और बातचीत का रास्ता अपनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच चल रही वार्ता प्रक्रिया को समर्थन देने पर भी जोर दिया। यह जानकारी मिस्र के विदेश मंत्रालय ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों नेताओं ने वाशिंगटन और तेहरान के बीच बातचीत की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा की। उनका कहना था कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए राजनीतिक समाधान को प्राथमिकता देना जरूरी है, ताकि क्षेत्र के लोगों के संसाधनों और हितों की रक्षा हो सके।

28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर हमले किए थे। इसके बाद 8 अप्रैल को दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम हुआ। बाद में पाकिस्तान में लंबी शांति वार्ता भी हुई, लेकिन उससे कोई ठोस समझौता नहीं निकल सका।

कूटनीतिक कोशिशों के बावजूद हाल के दिनों में होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास फिर तनाव बढ़ गया। अमेरिका ने ईरानी

जहाजों और तटीय इलाकों पर हमले किए, जबकि ईरान ने अमेरिकी युद्धपोतों पर मिसाइल और ड्रोन से जवाबी हमला किया। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स नेवी ने शुक्रवार को कहा कि ईरानी सेना ने बड़े पैमाने पर संयुक्त सैन्य अभियान चलाया।

इसमें बैलिस्टिक मिसाइल, जहाज रोधी क्रूज मिसाइल और विस्फोटक ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। ईरान ने दावा किया कि इन हमलों का निशाना अमेरिकी युद्धपोत थे। ईरान ने यह भी कहा कि खुफिया रिपोर्टों के मुताबिक अमेरिकी जहाजों को काफी नुकसान पहुंचा, जिसके बाद तीन अमेरिकी युद्धपोतों को होर्मुज क्षेत्र से पीछे हटना पड़ा। हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान के 'बिना उकसावे वाले हमलों' को रोक दिया और आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। सेंटकॉम के मुताबिक, अमेरिका तनाव बढ़ाना नहीं चाहता, लेकिन अपनी सेना की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले तीनों अमेरिकी युद्धपोतों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

पीटर मगयार ने हंगरी के प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली, जो ओर्बन युग के अंत का प्रतीक है

बुडापेस्ट, हंगरी , एजेंसी। हंगरी के नए प्रधानमंत्री पीटर मैग्यार शनिवार को संसद भवन पहुंचे और उन्होंने पद की शपथ ली, जिससे विक्टर ओर्बन के 16 साल के निरंकुश शासन का अंत हो गया। पिछले महीने, मैग्यार की मध्य-दक्षिणपंथी टिस्ज़ा पार्टी ने एक आश्चर्यजनक उलटफेर में ओर्बन की राष्ट्रवादी-लोकप्रिय फ़िडेज़ पार्टी को हरा दिया, और हंगरी के साम्यवाद-पश्चात इतिहास में किसी भी अन्य पार्टी की तुलना में अधिक वोट और संसद में सीटें हासिल कीं। इस जीत से टिस्ज़ा को संसद में दो-तिहाई बहुमत मिला है, जिससे वह उन कई नीतियों को पलट सकती है जिनके कारण ओर्बन को उनके कई आलोचकों के बीच एक धुर दक्षिणपंथी तानाशाह के रूप में ख्याति मिली थी, कथित भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा सकती है और यूरोपीय संघ के भीतर राजनीतिक गतिशीलता को बदल सकती है, जहां पूर्व प्रधानमंत्री ने महत्वपूर्ण निर्णयों को बार-बार वीटो करके ब्लॉक को उलट-पुलट कर दिया था। शनिवार को, मैग्यार अपने दल के 140 प्रतिनिधियों के साथ विशाल नव-गॉथिक शैली के संसद भवन में दाखिल हुए। हंगरी की 199 सीटों वाली संसद में अब उनके पास 141 सीटें हैं। ओर्बन के फिडेज़-केडीएनपी गठबंधन के पास अब 135 सीटों के मुकाबले 52 सीटें रह जाएंगी, जबकि धुर दक्षिणपंथी मी हाज़ांक (हमारी मातृभूमि) पार्टी के पास छह सीटें होंगी। स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 11 बजे 199 प्रतिनिधियों ने पद की शपथ ली। 1990 में हंगरी की पहली कम्युनिस्ट-बाद की संसद के गठन के बाद से पहली बार ऐसा हुआ है कि ऑर्बन उनमें शामिल नहीं थे। नई राष्ट्रीय सभा में 54 महिला सांसद हैं, जिनमें से अधिकांश टिस्ज़ा पार्टी से हैं - जो कुल संख्या का एक चौथाई से अधिक है और हंगरी के इतिहास में सबसे अधिक है। मैग्यार, एक 45 वर्षीय

वकील, जिन्होंने ओर्बन की पार्टी में कई वर्षों तक अंदरूनी सूत्र के रूप में काम करने के बाद 2024 में टिस्ज़ा की स्थापना की, ने आधिकारिक भ्रष्टाचार को समाप्त करने का संकल्प लिया है, जिसके बारे में उनका तर्क है कि इसने हंगरीवासियों को आर्थिक अवसरों से वंचित कर दिया है। नए प्रधानमंत्री ने हंगरीवासियों से संसद के बाहर पूरे दिन चलने वाले 'सत्ता परिवर्तन' समारोह में शामिल होने का आह्वान किया है, जो उनके शपथ ग्रहण और ओर्बन युग के अंत का प्रतीक है। नए प्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ही कई हजार लोग पहले से ही एकत्रित हो चुके थे। स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 3 बजे शपथ लेने के बाद, मैग्यार बाहर मौजूद भीड़ को संबोधित करेंगे। मैग्यार ने यूरोपीय संघ के साथ अपने देश के संबंधों को सुधारने का वादा किया है, जिसे ओर्बन ने टूटने की कगार पर पहुंचा दिया था, और पश्चिमी लोकतंत्रों के बीच हंगरी के स्थान को बहाल करने का भी वादा किया है, जिसकी प्रतिष्ठा पर तब सवाल उठने लगे थे जब ओर्बन रूस के और करीब आते जा रहे थे। हंगरी के लिए यूरोपीय संघ के लगभग 17 अरब यूरो (20 अरब डॉलर) के फंड को जारी करना, जिसे ओर्बन के कार्यकाल के दौरान कानून के शासन और भ्रष्टाचार संबंधी चिंताओं के कारण रोक दिया गया था, नए प्रधानमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। हंगरी की संघर्षरत अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए इस धन की सख्त जरूरत है, जो पिछले चार वर्षों से स्थिर है। इस प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में, टिस्ज़ा के अधिकारियों का कहना है कि वे संसद भवन के अग्रभाग पर एक बार फिर यूरोपीय संघ का ध्वज फहराएंगे, जिसे ओर्बन की सरकार ने 2014 में हटा दिया था। बुडापेस्ट के उदारवादी मेयर, गेर्गेली कराक्सोनी ने ऑर्बन के पतन और नई सरकार के गठन का जश्न मनाने के लिए शनिवार को बाद में डेन्यूब नदी के किनारे एक पार्टी का खुला निमंत्रण पोस्ट किया। कराक्सोनी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि पार्टी उन हंगेरियन लोगों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहती है जिन्होंने वर्षों से ओर्बन की व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाई हैः 'शिक्षकों को बर्खास्त किया गया, नागरिकों और पत्रकारों को अपमानित किया गया।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)